



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 20] नई दिल्ली, शनिवार, मई 19, 1979 (वैशाख 29, 1901)
No. 20] [NEW DELHI, SATURDAY, MAY 19, 1979 (VAISAKHA 29, 1901)

इस भाग में अलग पृष्ठ संलग्न दी जाती है जिससे कि यह असग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीकाक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India.]

मंध लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 20 अप्रैल 1979

सं. ए०-12024/3/78-प्रगा०-I—इस कार्यालय की समसंचयक अधिसूचना दिनांक 15 नवम्बर, 1978 में आंशिक आशोधन करते हुए अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा श्री के० सुब्रमायम, भा० प्र० रो० (आन्ध्र प्रदेश संवर्ग) को इसी समय में आगामी आदेश तक, संघ लोक सेवा आयोग व कार्यालय में रु० 2500-125/2/2750 के वेतनमान म अतिरिक्त सचिव एवं परीक्षा नियंत्रक, संघ लोक सेवा आयोग के पद पर नियुक्त किया जाता है।

सं. ए०-32013/2/77-प्रगा०-I—कालीकट क्षेत्रीय इंजीनियरी कालिज, कालीकट में लेक्चरर और मंध लोक सेवा आयोग के कार्यालय में स्थानापन्न अव० सचिव डा० आर० भास्कर को, अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा संघ लोक सेवा आयोग (स्टाफ) विनियमावली 1958 के विनियम 7 के माथ पठित विनियम 4 के परन्तुक के अनुसार 20-4-1979 के पूर्वान्त से 19-7-1979 तक,

अथवा आगामी आदेश तक, जो पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप सचिव के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

एस० बालचन्द्रन,
अव० सचिव
हुते अध्यक्ष मंध लोक सेवा आयोग

केन्द्रीय सतर्कता आयोग
नई दिल्ली, दिनांक 24 अप्रैल 1979

सं. 06 पी० आर० एस० 005 (i)—भारत सरकार में प्रतिनियुक्ति अवधि समाप्त होने पर श्री आर० के० यमा०, आई० ए० एस०, सचिव, केन्द्रीय सतर्कता आयोग की सेवाएं 24 अप्रैल, 1979 अपराह्न से मध्य प्रदेश शासन के निवर्तन पर रखी जाती है।

सं. 06 पी० आर० एस० 005 (ii)—केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एतद द्वारा श्री रमेश चन्द्र, आई० ए० एस०

को 24 अप्रैल, 1979 अपराह्न से अगले आदेश तक केन्द्रीय सतर्कता आयोग में सचिव के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 26 अप्रैल, 1979

सं० 68 आर० सी० टी० 14—केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एतद द्वारा श्री ओ० पी० शर्मा, भारतीय राजस्व सेवा (1960) के अधिकारी को 12 अक्टूबर, 1978 के अपराह्न से 6 मार्च, 1979 के अपराह्न तक केन्द्रीय सतर्कता आयोग में उप-सचिव के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 68 आर० सी० टी० 14—केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एतद द्वारा श्री ओ० पी० शर्मा, भारतीय राजस्व सेवा (1960) के अधिकारी को 7 मार्च, 1979 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक केन्द्रीय आयोग में निदेशक के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 27 अप्रैल 1979

सं० 75 पी० आर० एस० 053—केन्द्रीय सतर्कता आयोग में सचिव के पद पर नियुक्ति होने पर श्री रमेश अनन्द आई० ए० एस० वर्तमान कार्यरत विभागीय जांच आयुक्त ने 24 अप्रैल, 1979 के अपराह्न से इस पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

कृष्ण लाल भल्होत्रा,
अवर सचिव

गृह मन्त्रालय

का एवं प्र० सु० विभाग

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 24 अप्रैल, 1979

सं० सी० 3/68-प्रशा०-5—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से हस्तियाण राज्य पुलिम के अधिकारी श्री चंद्रजीव लाल को दिनांक 16-4-79 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो/विशेष पुलिस स्थापना में पुलिस अधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 25 अप्रैल 1979

सं० एम० 20/65-प्रशा०-5—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से भी एस० सी० शंगरीय, वरिष्ठ लोक-अभियोजक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो को दिनांक 11-4-1979 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिये, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो/विशेष पुलिस स्थापना में अस्थायी रूप से स्थानापन उप-विधि सलाहकार के रूप में प्रोत्तिपन्नि पर नियुक्त करते हैं।

उन्होंने दिनांक 31-3-1979 के अपराह्न में वरिष्ठ सोक अभियोजक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, एस० आई० यू० के पद का कार्यभार त्याग दिया।

सतीश कुमार ज्ञा,
उप-निदेशक (प्रशा०)

महानिदेशालय, बै० रि० पु० बल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 26 अप्रैल 1979

म० ओ० दो० 1109/73-स्थापना—श्री आमा सिह ने अनेक सरकारी सेवा में निवृत्त हीने के फलस्वरूप उप पुलिस अधीक्षक, 39 बी० वाहिनी, क० रि० पु० बल के पद का कार्यभार दिनांक 31-3-1979 (अपराह्न) को त्याग दिया।

दिनांक 27 अप्रैल 1979

सं० ओ० दो० 1100/78-स्थापना—माहानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिम बल ने डाक्टर (श्रीमती) मर्गला राजन को को 3-3-1979 के पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिए अथवा उस पद पर नियमित नियुक्त होने तक, इनमें जो भी पहले हो उम तारीख तक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ विकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

दिनांक 2 मई, 1979

स० ओ० दो० 1173/74-स्थापना—राष्ट्रपति श्री अरुण चटर्जी, क० रि० पु० बल के उप-पुलिस अधीक्षक के स्वेच्छा पूर्वक सेवा निवृत्त होने की गृह मत्वालय (डी० पी० ए० आ०) के कार्यालय ज्ञापन मंजूरा 25013/7/77-स्थापना (ए०) दिनांक 26-8-77 में दी गई केन्द्रीय सरकारी कर्मचारियों की स्वेच्छिक रूप से सेवा निवृत्ति योजना के अन्तर्गत मंजूरी देते हैं।

2. श्री चटर्जी ने उप-पुलिस अधीक्षक 4 बी० वाहिनी, क० रि० पु० बल के पद का कार्यभार 20-3-1979 (अपराह्न) को त्याग दिया।

ए० क० बन्द्योपाध्याय,
महायक निदेशक (प्रशा०)

कार्यालय महालेखाकार, पंजाब

चण्डीगढ़-160017, दिनांक 6 अक्टूबर 1978

आदेश

सं० प्रशा०सन 1/ए/183—केन्द्रीय सिविल सेवाओं (वर्गीकरण, नियन्त्रण एवं श्रीमती) से संबंधित नियम 1965 के नियम 15(4) के अन्तर्गत श्री नौनिहाल सिह, बरण ग्रेड लेखा परीक्षक को ज्ञापन संस्था प्रशा०सन 1/पी० एफ०/नौनिहाल सिह/एस० जी० ए०/9422, दिनांक 3-4-1978 द्वारा एवं नोटिस जारी किया गया जिसके साथ अनुशासनिक प्राधिकार की जाच-पृष्ठाल की रिपोर्ट और उसके निष्कर्ष भी संलग्न थे। यह नोटिस डाक तार विभाग की इस अस्थुक्ति के साथ बिना स्वीकार किए वापिस लौटाया गया है क्योंकि श्री नौनिहाल सिह ने इसे लैने से इन्कार कर दिया है।

दिनांक 18-10-1977 को इस कार्यालय में प्राप्त श्री नौनिहाल सिंह के आवेदन पत्र में दिखाए गए नवीनतम पते पर एक नोटिस (मन्त्रनिधित कागजातों सहित) पंजीकृत पावती से डाक द्वारा भी भेजा गया था। वह लिफाफा भी उपरोक्त कागजातों सहित बिना वितरण किए डाक विभाग द्वारा (लेने से छन्दार किया गया) के शब्द लिख कर वापिस कर दिया गया। मैं इस बात से मंतुष्ट हूँ कि श्री नौनिहाल सिंह, वरण ग्रेड लेखा परीक्षक इस कार्यालय के ज्ञापन संघर्षों प्रशासन 1/पी० एफ०/नौनिहाल सिंह/एस० जी० ए०/9422 दिनांक 3-4-1978 की पावती जान बृश कर स्वीकार करते के लिए टाल मटोल कर रहा है। अगली कार्यवाही श्री वह मान कर की जानी है कि सम्बिधित कर्मचारी को उचित नोटिस दिया जा चुका है और प्राप्त हो गया है। दिनांक 3-4-1978 के उपरोक्त नोटिस में इस बात का निष्कर्ष निकाला जा चुका था कि श्री नौनिहाल सिंह सेवा में रखने के योग्य व्यक्ति नहीं है। श्री नौनिहाल सिंह को प्रस्तावित दंड के विरुद्ध यदि वह चाहे तो प्रतिवेदन करने के लिए भी बहा गया था, परन्तु उसने इस मन्त्रनिधि में कोई प्रतिवेदन नहीं दिया है। सभी तथ्यों को दृष्टि में रखते हुए मैं अनुग्रामनिक प्राधिकार के तौर पर इस निष्कर्ष पर पहुँचा हूँ कि श्री नौनिहाल सिंह, वरण ग्रेड लेखा परीक्षक मरवारी सेवा में रखने के योग्य व्यक्ति नहीं है और मैं उसके भेदों से बर्खास्तगी के आदेश जारी करता हूँ।

लक्षण प्रसाद खन्ना,
महालेखाकार, पंजाब

श्री नौनिहाल सिंह,
गांव अटारी,
डाकखाना चैक जानीसर,
तहसील फाजिलाबा,
जिला फिरोजपुर (पंजाब)।
संख्या : प्रशासन 1/पी० एफ०/नौनिहाल सिंह/ 6737-45-ए,
दिनांक : 26-10-78

रक्षा मंत्रालय

महानिदेशालय, आर्डनेन्स फैक्टरियां

भारतीय आर्डनेन्स फैक्टरियां सेवा

कलकत्ता, दिनांक 25 अप्रैल 1979

सं० 22/जी०/79 — राष्ट्रपति जी, निम्नलिखित अधिकारियों की स्थानापन्न अपर-महानिदेशक आर्डनेन्स फैक्टरियां के द्वारा पर, उनके सामने दर्शायी गई तारीख से, आगामी आदेश न होने तक नियुक्त करते हैं।

- (1) श्री डी० सेन, स्थानापन्न, पहली मार्च, 1979
डी० डी० जी० एफ० स्टर-1
- (2) श्री के० के० बिस्नोई, स्थानापन्न, पहली मार्च, 1979
डी० डी० जी० एफ० स्टर-1

सं० 25/79/जी० — तीन माह की सूचना की समाप्ति पर, श्री एम० के० धर, स्थानापन्न उप महा प्रबन्धक, मौलिक एवं स्थायी प्रबन्धक दिनांक 31-7-1977 (अपग्रह) से सेवा से स्वेच्छापूर्वक निवृत्त हुए।

दिनांक 26 अप्रैल 1979

सं० 29/79/जी० — राष्ट्रपति जी निम्नलिखित अधिकारियों का गहायक प्रबन्धक (परखावधि) के द्वारा पर, उनके सामने दर्शायी गई तारीखों से, नियुक्त करते हैं।

श्री रविन्द्र कुमार	28-12-1978
श्री एम० सेनवर्गजु	15-01-1979
श्री देव रंजन चटर्जी	23-02-1979
वी० के० महता,	वी० के० महता,
सहायक महानिदेशक,	सहायक महानिदेशक,
आर्डनेन्स फैक्टरियां	आर्डनेन्स फैक्टरियां

श्रम मंत्रालय

कोयला खान श्रमिक कल्याण संस्था

धनबाद, दिनांक 27 अप्रैल 1979

सं० पी० 8(25)/67 — श्री ग्री० भट्टीति कोल इंडिया लिमिटेड (कलकत्ता) के परमोनेल विभाग के मुख्य अधिकारी जिस उद्देश्य का प्रतिनिधित्व करने के लिए अधिसूचना सं० पी० 8(25)/67 तारीख 21-12-75 के अधीन कोयला खान में श्रम कल्याण संस्था की मनाहकार समिति की वित्तीय उप-समिति के सदस्य मनोनीत किये गये थे वे उस पद से मुक्त हो जाने के कारण उस उद्देश्य का प्रतिनिधित्व करने की रिक्ति में नहीं रहे।

अतः मैं, वित्तीय उप समिति के अध्यक्ष की हैसियत से, श्रमिक श्रमिक कल्याण निधि नियम, 1949 के नियम 12 के उप-नियम (ई०) जिसे नियम 5 के उप-नियम (7) के साथ पढ़ा जाय, एवं अनुवार घोषित होता है कि उक्त श्री ग्री० भट्टीति जिस वित्त में मदस्य नहीं रहे उनकी उपर्युक्त वित्तीय उप-समिति की मदस्या भी मनाहत समझी जायगी।

अपठनीय
अध्यक्ष,
वित्तीय उप-समिति एवं कोयला खान
कल्याण आयुक्त,
धनबाद

विरफोटक समिति विभाग

नागपुर, दिनांक 27 अप्रैल 1979

सं० ई०-II (7) — इस विभाग के दिनांक 11 जूलाई, 1969 के अधिसूचना सं० ई०-II (7) में ।

श्रेणी 3—भाग 1 के अधीन

(i) प्रविलिट “जिलेटिन” के पूर्व “जिलेटिन” के में “जोड़ा जाये।

श्रेणी 6—भाग 2 के अधीन

(ii) प्रविलिट “गम० कार्ड 1” के पूर्व “सफ-ग्री० डेट्स” जोड़ा जाये।

श्रेणी 6—भाग 3 के अधीन

(iii) प्रविष्टि "पार्श्वशान प्रायमर्स" के पश्चात् "नफ-टी-टेट्स" प्रविष्टि के ट दी जाये।

इण्डुव नरमिह भूति,
मुख्य विस्फोटक नियन्त्रक

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग—I)

नई दिल्ली, दिनांक 25 अप्रैल 1979

सं० प्र०-I/2 (379) —राष्ट्रपति, पूर्ति तथा निपटान महा-
निदेशालय, नई दिल्ली/पूर्ति तथा निपटान निदेशालय कलकत्ता के
निम्नलिखित महायक निदेशक (ग्रेड 2) को दिनांक 8-3-79
के पूर्वाह्न से इसी महानिदेशालय, नई दिल्ली/पूर्ति तथा निपटान
निदेशालय, कलकत्ता में महायक निदेशक (ग्रेड-I) के पद पर
स्थानापन्न रूप से नियुक्त बनाए हैं—

क्र०	नाम	अध्युक्तियां
------	-----	--------------

सर्वश्री

1. ओम प्रकाश	मुख्यालय मे
2. बी० एम० आहलूवालिया	—वही—
3. एस० के० जैन	—वही—
4. एस० वेनुगोपाल	—वही—
5. विक्रमादित्य	—वही—
6. के० के० हस्तदर	प० नि० निदें० कलकत्ता मे
7. सी० बी० एल० भट्टनागर	मुख्यालय मे
8. आर० के० गुप्त	—वही—

पदोन्नति होने पर उपरोक्त अधिकारी सहायक निदेशक
पूर्ति (ग्रेड I) के रूप में दिनांक 8-3-79 (पूर्वाह्न) से 2 वर्ष
के लिए परिवीभावी रहेंगे।

कृपण किशोर,
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

(प्रशासन अनुभाग—6)

नई दिल्ली, दिनांक 27 अप्रैल 1979

सं० प्र०-6/247 (441)/63—स्थाई सहायक निरीक्षण
अधिकारी (इन्जी) और निरीक्षण निदेशक, बम्बई के कार्यालय मे
स्थानापन्न निरीक्षण अधिकारी (इन्जी) भारतीय निरीक्षण सेवा
प्र० ए की इन्जीनियरी शाखा के ग्रेड 3) श्री एस० अधिकारी
निर्वतमान आयु (58 वर्ष) होने पर दिनांक 31-3-79
(पूर्वाह्न) से सरकारी सेवा मे निवृत्त हो गए।

पी० डी० सेठ,
उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पात और खान मंत्रालय

खान विभाग

भारतीय खान व्यूरो

नागरु, दिनांक 24 अप्रैल 1979

सं० ए०-19012/39/77-स्था० ए०—नेशनल कौसील
आफ अपलाइड इकानामी स्तर रिसर्च नई देहली में मीनरालाजीस्ट
के पद पर खपा लिया जाने पर श्री जी० डी० कालरा का भारतीय
खान व्यूरो मे उम खनिज अधिकारी (आमुचना) के पद का हक
दिनांक 1-2-1978 से समाप्त किया जाता है।

एस० बालगोपाल,
कार्यालय अध्यक्ष

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 20 अप्रैल, 1979

सं० 2088बी ए०-19012 (1एस० एन० पी०)/78-
19ए०—श्री भत्य नारायण पटेल को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप
मे भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण मे 650 रु० प्रतिमाह के प्रारंभिक
वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-
1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान मे, स्थानापन्न क्षमता
मे, आगामी आदेश होने तक 14 दिसम्बर, 1978 के पूर्वाह्न
से नियुक्त किया जा रहा है।

सं० 2100 बी ए०-19012 (1बी० के० एस०)/79-
19ए०—श्री बासव कुमार मिडान्त को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप
मे भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण मे 650 रु० के प्रतिमाह के प्रारंभिक
वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-
1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान मे, स्थानापन्न क्षमता
मे, आगामी आदेश होने तक 19 जनवरी, 1979 के पूर्वाह्न से
नियुक्त किया जा रहा है।

सं० 2112 बी०/ए०-19012 (1 आर० ए० एस०)/78-
19 ए०—श्री राम अवतार शर्मा को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप
मे भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण मे 650 रु० प्रतिमाह के प्रारंभिक
वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-
1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान मे, स्थानापन्न क्षमता
मे, आगामी आदेश होने तक 27 नवम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से
नियुक्त किया जा रहा है।

दिनांक 23 अप्रैल 1979

सं० 2128बी० /ए०-32013 (1 सहायक भूवैज्ञानिक)/
78-19ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्नलिखित
वरिष्ठ तकनीकी सहायकों (भूवैज्ञान) को सहायक भूवैज्ञानिक
के रूप मे उसी विभाग मे वेतन नियमानुसार 650-30-740-
35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200
रु० के वेतनमान मे, स्थानापन्न क्षमता मे आगामी आदेश होने तक
प्रत्येक के सामने दर्शाई तिथि से नियुक्त किया जा रहा है।

1. श्री डी० रामचन्द्रद्याह 27-1-1979 (पूर्वाह्न)
2. श्री दीपक कुमार बोस 27-1-1979 (पूर्वाह्न)

3. श्री संबोधी गुप्ता	29-1-1979 (पूर्वाह्नि)
4. श्री बरेन्द्र मोहन बनर्जी	29-1-1979 (पूर्वाह्नि)
5. श्री कैलाश मिश्रा	29-1-1979 (पूर्वाह्नि)
6. श्री स्वपन कुमार मिहा राय	29-1-1979 (पूर्वाह्नि)
7. श्रीमती अमला माईनी	27-1-1979 (पूर्वाह्नि)
8. श्री श्याम नारायण	29-1-1979 (पूर्वाह्नि)
9. श्री रमेश शामशद	31-1-1979 (पूर्वाह्नि)
10. श्री एन० एल० यादव	30-1-1979 (पूर्वाह्नि)
11. श्री बी० एल० श्रीवास्तव	30-1-1979 (पूर्वाह्नि)

वी० एम० कृष्णस्वामी,
महा निदेशक

भारतीय खान व्यूरो

नागपुर, दिनांक 27 अप्रैल 1979

सं० ए०-19011/125/71-स्था०-ए०—विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर राष्ट्रपति भारतीय खान व्यूरो के डॉ० व्ही० ज० कुबेर सहायक खान नियंत्रक को दिनांक 15-3-79 के अपराह्न से उसी विभाग में स्थानापन्न रूप से उप खान नियंत्रक के पद पर सहर्ष नियुक्ति प्रदान करते हैं।

सं० ए०-19011/142/76-स्था० ए०—विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर राष्ट्रपति भारतीय खान व्यूरो के श्री प्रेम मिह सहायक खान नियंत्रक को दिनांक 15-3-79 के पूर्वाह्नि से उसी विभाग में स्थानापन्न रूप से उप खान नियंत्रक के पद पर सहर्ष नियुक्ति प्रदान करते हैं।

सं० ए०-19011/151/77-स्था० ए०—विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर राष्ट्रपति भारतीय खान व्यूरो के श्री कुबेर दत्ता सहायक खान नियंत्रक को दिनांक 12-3-79 के पूर्वाह्नि से उसी विभाग में स्थानापन्न रूप से उप खान नियंत्रक के पद पर सहर्ष नियुक्ति प्रदान करते हैं।

एम० बालगोपाल,
कार्यालय अध्यक्ष

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण

नई दिल्ली-110011, दिनांक 23 अप्रैल 1979

स० 14/3/79-एम० (टी)-स्मारक (यात्रा) —प्राचीन स्मारक, पुरातात्त्विक स्थल एवं अवशेष नियमावली, 1959 के नियम-6 के अधीन प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, मैं, (के० वी० सौन्दर राजन), निदेशक (स्मारक), यह निदेश जारी करता हूँ कि राजगिरि पर्वतीय दुर्ग, जिजी, दक्षिण-आरकोट, जिला तामिल-नाडु, स्मारकों में निम्नलिखित तिथियों में अर्थात् दिनांक 30 अप्रैल से 5 मई, 1979 तक 10 दिनों के लिये देवी कमलाक्षियाभ्यन्त के आधिक उत्सव के उपलक्ष्य में प्रवेश नि शुल्क होगा।

के० वी० सौन्दर राजन,
निदेशक (स्मारक)
कृते महानिदेशक

राष्ट्रीय अभिलेखागार

नई दिल्ली-1 दिनांक 25 अप्रैल 1979

सं० ए० 11-1977/ए०-1—अभिलेख निदेशक, भारत सरकार एतद् द्वारा निम्नांकित स्थायी महायक पुस्तकाध्यक्षों को 23 अप्रैल, 1979 (पूर्वाह्नि) से आगामी आदेशों तक नियमित अस्थायी आधार पर पुस्तकाध्यक्ष (श्रेणी 2 राजभवित) के पद पर नियुक्त करते हैं:—

1. श्री आर० सी० पुरी
2. श्री अनन्त राम मिह

भीम मैन कालडा,
कृते अभिलेख निदेशक

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 20 अप्रैल 1979

सं० 10/11/79-एम०-तीन—महानिदेशक, आकाशवाणी, आकाशवाणी के वरिष्ठ इंजीनियर महायक संवर्ग के श्री वी० रामकुमार को, आकाशवाणी के महायक इंजीनियर के संवर्ग में, स्थानापन्न रूप से, दिनांक 8-3-79 (पूर्वाह्नि) से पदोन्नत करते हैं और आगामी आदेशों तक, आकाशवाणी, मद्रास में तैनात करते हैं।

जनक राज लिखी
प्रशासन उप निदेशक
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 23 अप्रैल 1979

सं० ए०-12016/1/78-एम०-पांच—महानिदेशक आकाशवाणी, एतद्वारा श्री एम० रामचन्द्रन, वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी, आकाशवाणी मद्रास को नियमित आधार पर 30 अप्रैल, 1979 में आकाशवाणी महानिदेशालय, नई दिल्ली में लेखा निरीक्षक के पद पर नियुक्ति करते हैं।

एम० वी० शेषाद्रि,
प्रशासन उप निदेशक
कृते महानिदेशक

मिविल निर्माण स्कंध

नई दिल्ली, दिनांक 24 अप्रैल 1979

स० ए०-12023/1/78-सी० डब्ल्यू०-1—महानिदेशक, आकाशवाणी, श्री ए० के० मागरे को, दिनांक 5 मार्च, 1979 (पूर्वाह्नि) से, र० 650-30-740-35-810-द० र००-35-880-40-1000-द० र००-40-1200 के वेतन-मान में, स्थानापन्न रूप से, महायक इंजीनियर (मिविल) के पद पर, मिविल निर्माण स्कंध, आकाशवाणी, हैदराबाद में नियुक्त करते हैं।

2 श्री मागरे की नियुक्ति पर, उनको पहले दिन गां नियुक्ति प्रस्ताव में बनाई गई शर्तें लागू होगी।

एम० रामस्वामी,
अगर मुख्य इंजीनियर के इंजीनियरी अधिकारी,
कृते महानिदेशक

विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 24 अप्रैल 1979

सं. ए०-12026/23/78-प्रा०-I—सेवानिवृत्ति की आयु प्राप्त करने पर श्री आर० एस० जोहरी अनुभाग अधिकारी दिनांक 28 फरवरी, 1979 अपराह्न में सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

आर० नारायण,
उप निदेशक (विज्ञापन)
द्वारे यि० और दू० प्र० निदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 24 अप्रैल 1979

सं. ए० 12026/30/78—(प्रा० एच० टी० सी०)
प्रशा०-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्रम मंत्रालय के काउन्सिल के केन्द्रीय सचिवालय सेवा के एक सहायक, श्री शिंगाढा सिंह को 3 अप्रैल, 1979 पूर्वाह्न में आगामी आदेशों तक श्राम स्वास्थ्य प्रशिक्षण केन्द्र, नजफगढ़ दिल्ली में प्रशासन अधिकारी को पद पर प्रनिवृत्ति आधार पर नियुक्त किया है।

दिनांक 27 अप्रैल 1979

सं. ए० 22012/2/79-प्रशा०-I—राष्ट्रीय मनेशिया उन्मूलन कार्यक्रम, दिल्ली के सहायक निदेशक (कीट विज्ञान) श्री आर० राजगोपाल ने 12 मार्च, 1979 की पूर्वाह्न में राष्ट्रीय सचारी रोग संस्थान, बंगलौर के प्लेग सर्विलेस यूनिट में सहायक निदेशक के पद पर अपनी बदली हो जाने के परिणामस्वरूप श्री राजगोपाल ने 28 फरवरी, 1979 की अपराह्न को राष्ट्रीय मनेशिया उन्मूलन कार्यक्रम, दिल्ली में सहायक निदेशक (कीट विज्ञान) के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

राष्ट्रीय सचारी रोग संस्थान, बंगलौर के प्लेग सर्विलेस यूनिट में सहायक निदेशक के पद पर अपनी बदली हो जाने के परिणामस्वरूप श्री राजगोपाल ने 28 फरवरी, 1979 की अपराह्न को राष्ट्रीय मनेशिया उन्मूलन कार्यक्रम, दिल्ली में सहायक निदेशक (कीट विज्ञान) के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सं. ए० 38013/1/78—(के० म० आ० से०)/प्रशा०-I—सेवा निवृत्ति की आयु के हो जाने पर स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में केन्द्रीय सचिवालय आणुलिपिक सेवा के ग्रेड “ए” के अधिकारी श्री बी० एन० डीगरा 31 जनवरी, 1979 की अपराह्न से सेवा में गिरावर हो गए।

श्याम लाल कुठियाल
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 24 अप्रैल 1979

सं. ए० 19012/1/78-स्टोर-I—श्री एस० पी० सोनी, डिपो प्रवर्धक, सरकारी चिकित्सा सामग्री भण्डार, करताल सेवा निवृत्ति की आयु हो जाने पर 31 मार्च, 1979 से गिरावर हो गए।

एस० के० कर्थक,
उप निदेशक प्रशासन (स्टोर)

कृषि और सिचाई मन्त्रालय

(ग्राम विकास विभाग)

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 27 अप्रैल 1979

सं. ए० 19023/51/78-प्र०-II—वरिष्ठ विपणन अधिकारी (विस्तार) के पद पर नियुक्त होने के उपरान्त श्री बी० के० सुदामे ने इस निदेशालय के अधीन गन्टूर में तारीख 12-4-79 के अपराह्न में विपणन अधिकारी (वर्ग 1) के पद का कार्यभार सौंप दिया है।

बी० एल० मनिहार,
निदेशक, प्रशासन
कृते कृषि विपणन सलाहकार

फरीदाबाद दिनांक 28 अप्रैल 1979

सं. ए० 31014/3/78-प्र०-1—कृषि विपणन मनाहकार भारत गवर्नर, निम्नलिखित अधिकारियों को विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय में विपणन अधिकारी (वर्ग 1) के स्थाई पदों पर मूलस्थ में उनके नाम के आगे विनिर्दित तारीखों से नियुक्ति करते हैं:—

- श्री के० बी० प्रसादा गव—16-10-1978
- श्री ए० के० गुहा—16-10-1978
- श्री बी० के० घोष—16-10-1978
- श्री जे० एस० शास्त्री—16-10-1978
- श्री जी० एस० निरंजने—16-10-1978
- श्री जे० बी० अपाराव—16-10-1978
- श्री एस० बी० एस० भरमा—25-11-1978

उपरोक्त अधिकारियों को, निम्न पद पर, ग्रहणाधिकार यदि कोई हो तो, विपणन अधिकारी (वर्ग 1) के पद पर स्थाई होने की तारीख से ममात्र हो जाएगा।

बी० एल० मनिहार,
निदेशक, प्रशासन

परमाणु उर्जा विभाग

विद्युत् परियोजना इंजीनियरी प्रभाग

बम्बई-5, दिनांक 16 अप्रैल 1979

सं. पी० पी० ई० डी०/3(283)/78-प्रशा०/6676—विद्युत् परियोजना इंजीनियरी प्रभाग, बम्बई के निदेशक एतद्वारा इस प्रभाग के स्थायी निम्न श्रेणी लिपिक तथा स्थानापन्न सहायक लेखापाल श्री एन० कृष्णबुमार को 30 मार्च, 1979 के पूर्वाह्न से लेकर अगले आदेश तक के लिए उसी प्रभाग में सहायक लेखा अधिकारी के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 17 अप्रैल 1979

सं. पी० पी० ई० डी०/3(262)/76-प्र०-6626—विद्युत् परियोजना इंजीनियरी प्रभाग, बम्बई के निदेशक एतद्वारा इस प्रभाग के स्थाई प्रवर्धक कोटि लिपिक श्री एन०

टी० वारदानी को, 16 अप्रैल, 1979 के पूर्वाह्न में 25 मई, 1979 के अपराह्न तक के लिए उसी प्रभाग में महायक कार्मिक अधिकारी के पद पर अस्थाई स्थप से नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति महायक कार्मिक अधिकारी श्री पी० बी० नायर के स्थान पर की जा रही है, जो छुट्टी पर गए हैं।

सं० पी० पी० ई० डी०/३(262)/76-प्रगा०-6628—
नियूर परियोजना हंजीनियरी प्रभाग, बम्बई के निदेशक पाद्मद्वारा इस प्रभाग के स्थायी प्रबन्धन कोटि लिपिक श्री ए० एच० पुत्राणी को, 16 अप्रैल, 1979 के पूर्वाह्न में 19 मई, 1979 के अपराह्न तक के लिए उसी प्रभाग में महायक कार्मिक अधिकारी के पद पर अस्थाई स्थप से नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति महायक कार्मिक अधिकारी श्री पी० वेंगोपालन के स्थान पर की जा रही है, जो छुट्टी पर गए हैं।

बी० बी० थाटे,
प्रशासनिक अधिकारी

नाभिकीय ईधन समिक्षा

हैदराबाद-500 762, दिनांक 19 फरवरी 1979

आदेश

सं० ना० ई० स०/प्रगा०-5/20/321—जबकि श्री ए० ए० सुभान ड्राइवर ग्रेड-2, ना० ई० स० के स्थप में कार्य करते हुए 21-5-1978 से बिना किसी इजाजत के गैर हाजिर हैं।

और जबकि उक्त श्री सुभान ने 8-7-1978 के अपने पत्र द्वारा चिकित्सा के लिए 23-9-1978 तक छुट्टी आगे बढ़ाने का अनुरोध करते हुए बताया कि वे हैदराबाद से बाहर जा रहे हैं परंतु उन्होंने अपना पता नहीं बताया,

और जबकि ज्ञापन सं० ना० ई० स०/पी० ए० टी०/९(5)/189, दिनांक 15-7-1978 जिसमें उक्त श्री सुभान को निदेश दिया गया था कि वे अपनी छुट्टी का पता भेजें उनके अंतिम ज्ञात पते मकान सं० 2-4-1025 निम्बोली भज्जा, काचीगुडा, हैदराबाद-500027 पर रजिस्टर्ड डाक में पावती पर्ची महित भेजा गया था वो, टिप्पणी—प्रामाणी जिता बताए चला गया है, के गाथ लौटा दिया गया,

और जब कि हैदराबाद के पुलिस अधीक्षक निकी ना० ई० स० ने महायक प्राप्त की, ने बताया कि श्री सुभान बम्बई में इस पते पर रहते हैं, मार्फत श्री समदानी, 133 सारंग स्ट्रीट, निचली मंजिल, रुम नं० 11, बम्बई-400003,

और जब कि उक्त श्री सुभान को इयूटी पर आगे का निरोदा देता वार्ता लॉटा (१०.१०-२/१०-११५/टी० श्री, ई०/११; फ००७ ११-१-१०७) उत्तर है: तारी

य बम्बई के अंतिम ज्ञात पतों पर रजिस्टर्ड डाक में पावती पर्ची महित भेजा गया था वो डाक विभाग द्वारा दोनों पतों में यह कहते हुए बापिस लौटा दिया गया कि इस पते बाला इन पतों पर नहीं है,

और जबकि उक्त श्री सुभान ने गैर हाजिर रहना जारी रखा,

‘प्रीर जबकि उक्त श्री सुभान बिना इजाजत के इयूटी में गैर हाजिर रहने वाला अपनी पर्जी में भेजा जा पारन्याग करने के अपराधी हैं,

प्रोर जबकि ना० ई० स० वासं वर्षमान के बारे में कुछ भी न बताने हुए वेता का अपनी पर्जी गे परिवाग करने के कारण, निम्नहस्ताक्षर कर्ता संतुष्ट हैं कि ना० ई० स० के स्थाई आदेशों के पैशा 41 तथा/या केन्द्रीय नागरिक भेवाओं (वर्गीकरण, नियंत्रण व अधीन) नियमों 1965 के तहत जांच आयोजित करना व्यवहारोचित नहीं है,

अब इमनिट, निम्नसूचकाक्षरकर्ता ना० ई० स० के पैशा 42 के साथ पठिंत परमाणु ऊर्जा विभाग के आदेश मं० 22 (१ व०/68-प्रगा० फ० ३-१२-१९७० तथा/या के ना० स० (व० नि० अ०) नियमों 1965, के नियम 19(2) में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए इसमें उक्त श्री ए० ए० सुभान को तत्काल प्रभाव रें सेवा में बख्तिन करते हैं।

दिनांक 24 मार्च 1979

सं० ना० ई० स०/प्रगा०-5/20/577—जब कि यह आरोपित है कि,

श्री ए० ए० खादर ड्राइवर ग्रेड 1, ना० ई० स०, के स्थप में काम करते हुए बगैर किसी पूर्वसूचना/अनुमति के 11-2-1979 से इयूटी से गैर हाजिर है, इस तरह उन्होंने इयूटी की उपेक्षा की है,

प्रीर जब कि उक्त श्री खादर को ज्ञापन स० ना० ई० स०/पी० ए० टी०/८(5)/76-653, दिनांक 23-2-1979 के द्वारा इयूटी पर फॉरन आगे और गैर हाजिरी के लिए साप्तीकरण दाखिल करने का निदेश दिया गया,

प्रीर जबकि उक्त ज्ञापन को उक्त श्री खादर के अंतिम ज्ञात पते मकान स० 11-4-73, बाजारघाट, हैदराबाद पर रजिस्टर्ड डाक में भेजा गया था, वो टिप्पणी “विनरित किए बापिस लौटा दिया गया,

प्रीर जबकि उक्त श्री खादर ने गैर हाजिर रहना जारी रखा और ना० ई० स० को आगे आगे पता बताने में अप्रकल्प रहे,

और जब कि उक्त श्री खादर, कायालिय को अपना अता पता बताए बिना ड्यूटी से लगातार गैर हाजिर रहे इसीलिए निम्न हस्ताक्षरकर्ता इससे मंतुष्ट है कि ना० ई० स० के स्थाई आदेशों तथा/या सी० सी० ए० (सी० सी० ए०) नियम 1965 के नियम 14 के तहत जांच आयोजित करना व्यावहारोचित नहीं है।

बब इसलिए, निम्न हस्ताक्षरकर्ता ना० ई० स० के स्थाई आदेशों के पैरा 42 के साथ पठित परमाणु ऊर्जा विभाग के आदेश सं० 22 (1व०/68-प्रश्ना० दिनांक 3-12-1970 तथा/या सी० सी० ए०) 1965, के नियम 19(11) में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए इससे उक्त श्री खादर को तत्काल प्रभाव से सेवा में अनुग करने हैं।

पी० उन्नीकृष्णन,
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

हैदराबाद, दिनांक 31 मार्च 1979

शापन

सं० प्रश्ना०-4/ए० ई० ए०/सी०-30/878—उप-मुख्य कार्यवाहक, ना० ई० स०, ने नियुक्त पत्र सं० पी० ए० आर०/0702/2685 दि० 1-12-1978 के साथ पठित ज्ञापन सं० पी० ए० आर०/0702/सी०-50/2971, दिनांक 20-12-78 के अनुसार श्री आर० चिन्तेया की ना० ई० स० में कारीगर 'ब्बी' के रूप में अस्थाई नियुक्ति को समाप्त कर दिया है। श्री चिन्तेया को मलाह दी जाती है कि वे अपनी बस पास, सेक्युरिटी बैज, तथा अन्य सरकारी समान जो उन्हें दिया गया था, को फौरन प्रबन्धक, ए० ई० ए०, के पास जमा करा दे तथा लेखा अधिकारी, ना० ई० स० में अपनी बाकी तनखा व भत्ते प्राप्त कर लें।

य० वासुदेव शर्व,
प्रशासन अधिकारी

हैदराबाद-500 762, दिनांक 23 मार्च 1979

आदेश

सं० ना० ई० म०/प्रश्ना०-5/20/548—जबकि अनु-शासनिक प्राधिकारी उप मुख्य कार्यपालक ने श्री श्रीनिवासुलू को सेवा में तुरंत प्रभाव वर्धास्त करने का आदेश सं० ना० ई० म०/प्रश्ना०-5/20/1783 दिनांक 30-10-1978 से अंतर्गत जारी किया,

और जबकि उक्त श्री श्रीनिवासुलू ने 23-11-1978 को एक अपील कर आमा याचना मांगी तथा सेवा में फिर बहाल करने का अनुरोध किया,

और जबकि अपील प्राधिकारी के नाते निम्न हस्ताक्षरकर्ता, उक्त अपील तथा मामले से संबंधित सभी पहलुओं पर विवार के बाद इस नतीजे पर पहुंचे कि आदेश सं० ना०

ई० स०/प्रश्ना०-5/20/1783 दिनांक 30-10-1978 द्वारा आरोपित सजा निम्न तरीके से घटा दी जाएः

"कारीगर 'ए' (र० 260--350) के वेतनमान के न्यूनतम स्तर तक 3 वर्षों के लिए उतार तथा इस उतार के कारण भविष्य की वेतनवृद्धियाँ भी स्थगित होंगी।"

श्री श्रीनिवासुलू द्वारा ड्यूटी पर चढ़ने की तारीख से ये आदेश लागू होंगे। उक्त श्री श्रीनिवासुलू को निदेश दिया जाता है कि वे यह आदेश मिलने की तारीख से 15 दिन के भीतर ड्यूटी पर लौटें।

बबस्तिगी की तारीख से ड्यूटी पर चढ़ने की तारीख के बीच की अवधि को अमाधारण छूटी (ई० ओ० ए०) माना जाएँ जैसा कि श्री श्रीनिवासुलू ने अनुरोध किया है।

दिनांक 26 मार्च 1979

आदेश

सं० ना० ई० स०/प्रश्ना०-5/20/595—जब कि श्री के० सी० ए० ई० वी० नारायण, विज्ञान महायक 'बी', एस० ए० सी० टी० पी०, ना० ई० स०, को 12-10-1978 से 20-11-1978 तक 21-11-1978 को छुट्टी के बाद जोड़ने की अनुमति के साथ, 40 दिन की अंजित छुट्टी प्रदान की गई थी,

और जब कि श्री नारायण छुट्टी खत्म होने के बाद 22-11-1978 को ड्यूटी पर लौटने में असफल रहे,

श्री जबकि प्रशासन अधिकारी, ना० ई० स० द्वारा श्री नारायण को ड्यूटी पर लौटने के निदेश वाला जो पत्र श्री नारायण द्वारा छुट्टी के आवेदन पर दिए गए पते— श्री के० सी० ए० वी० नारायण, डाक डॉचेपली, तालुका पालनेडु, जिला गुंटूर (आ० प्र०) पर रजिस्टर्ड डाक से भेजा गया था, वो टिप्पणी—“आए नहीं, भेजने वाले को लौटाया जाता है” के साथ बिना वितरित किए ही बापिस लौटा दिया गया,

और जबकि प्रशासन अधिकारी, ना० ई० स०, ने एक और पत्र सं० ना० ई० स०/ए० ए० सी० टी० पी०/1102/18, दिनांक 17-1-1979 जारी करके श्री नारायण के ड्यूटी पर फौरन आने को कहा, जो रजिस्टर्ड डाक द्वारा श्री नारायण के अंतिम ज्ञात स्थानोंपर पते पर मकान सं० 16-2-147/55/8 आनंद नगर, लेन 4, मलकपेट, हैदराबाद-500 036 पर भेजा गया था, वो भी टिप्पणी—“आलामी बिना बताए चले गए अतः भेजने वाले को लौटाया जाता है” के साथ बिना वितरित किए लौटा दिया गया,

और जबकि उक्त श्री नारायण लगातार गैर हाजिर रहे तथा ना० ई० स० को अपना अता पता बताने में असफल रहे,

और जब कि श्री नारायण ना० ई० स० को बिना अपना अता पता बताए ड्यूटी का अपनी मर्जी से परित्याग करने के कारण, निम्न हस्ताक्षरकर्ता इससे संतुष्ट है कि सी० सी० एम० (मी० शी० ए०) नियम 1965 के नियम 14 के तहत जाच आयोजित करना व्यवहारोचित नहीं है।

और, अब इसीलिंग, निम्न हस्ताक्षरकर्ता सी० सी० एस० (सी० सी० ए०) नियम 1965 के नियम 19(11) में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए उन्न श्री के० सी० एच० वी० नारायण को इसमें तत्काल प्रभाव से सेवा से अलग करते हैं।

एन० कोण्डल राव,
मुख्य कार्यपालक

हैदराबाद-500 762, दिनांक 28 जनवरी 1979

आदेश

सं० ना० ई० स०/प्रशा०-5/20/167—जब कि यह आरोपित है कि

श्री एम० एन० शमशीर अली कारीगर 'ए' एफ० एफ० पी० के स्वप्न में कार्य बारते हुए 6-9-1977 से बिना किसी पूर्व इजाजत या सूचना के गैर हाजिर है तथा काम का नुकसान व उसमें बाधा पहुंचा रहे हैं। उक्त श्री शमशीर अली ने इस कार्यालय के ज्ञापनों सं० ना० ई० स०/प्रशा०-5/पी० एफ०/एम०-119/2579 दिनांक 26-10-1977 तथा ना० ई० स०/प्रशा०-4/पी० एफ०/एम०-119 2766, दिनांक 21-11-1977 जिसमें उन्हे फैरत ड्यूटी पर आने को बहा गया था, के बावजूद ड्यूटी पर नहीं लौटे। अपनी उक्त हरकत से उक्त श्री शमशीर अली ने उपर्युक्त ज्ञापन के निवेशों की अवहेनता करते हुए खुद को बिना किसी वाजिब उद्देश्य के लिए येरकानूनी ढंग से गैरहाजिर रखा और इस तरह से उन्होंने ना० ई० स० के स्थायी आदेशों के पैरा 39(1) तथा (5) के साथ पठित पैरा 34 के अर्थात् में वृही हरकत की है।

2. और जब कि उक्त श्री शमशीर अली को उनके विरुद्ध लगाए गए आरोपों की सूचना ज्ञापन सं० ना० ई० स०/प्रशा०-5/20/371, दिनांक 11-3-1978 द्वारा दी गई जिसमें उन्हे प्रस्तावित कार्यवाही के विरुद्ध उक्त ज्ञापन मिलने की तारीख से 7 दिनों के भीतर प्रतिनिधित्व करने का मौका प्रदान किया गया था,

3. और जब कि उक्त चार्जमीट जो उक्त श्री शमशीर अली के अंतिम ज्ञात पते—सार्फत श्री एम० एस० ए० बेग मकान सं० 23-1-276/1 फोटो श्रीलीजाह, हैदराबाद पर भेजी गई थी वो डाक विभाग द्वारा टिप्पणी "बिना बताए चले गए" के साथ बिना वितरित किए वापिस लौटा दी गई,

4. और जब कि दिनांक 1-4-1978 के आदेश द्वारा जांच आयोजित करने के लिए एक जांच अधिकारी को नियुक्त किया गया जैसा कि ना० ई० स० के स्थायी आदेशों के पैरा 41-2 (2) के अनुसार जरूरी है,

5. और जब कि दिनांक 1-4-1978 का उक्त आदेश जो उक्त श्री शमशीर अली को भेजा गया था वो डाक विभाग द्वारा टिप्पणी "चले गए" के साथ बिना वितरित किए वापिस लौटा दिया गया,

6. और जब कि उक्त श्री शमशीर अली को 24-6-1978 तथा 30-11-1978 को जांच के लिए उपस्थित रहने के लिए जांच अधिकारी द्वारा भेजी गई—नोटिसों सं० ना० ई० स०/प्रशा०/आई० आर० ओ०/241/78-18, दिनांक 10-6-1978 तथा ना० ई० स०/प्रशा०/आई० आर० ओ०/24/78-18 दिनांक 10-6-1978 तथा ना० ई० स०/प्रशा०/आई० आर० ओ०/24/78-18, दिनांक 20-11-78 जो उक्त श्री शमशीर अली के अंतिम ज्ञात पते मकान सं० 23-1-276/1 कोटला अलीजाह, हैदराबाद पर भेजी गई थी वो डाक विभाग द्वारा टिप्पणी कमश: "चले गए" तथा "बिना सूचना आसामी चला गया" के साथ बिना वितरित किए वापिस लौटा दी गई,

7. और जब कि 13-12-1978 को जांच एकत्रफ़ा आयोजित हुई,

8. और जबकि आरोपों को सिद्ध करते हुए जांच अधिकारी ने सं० ना० ई० स०/प्रशा०/आई० आर० ओ०/24 दिनांक 15-12-1978 के द्वारा अपनी जांच रपट दाखिल कर दी,

9. और जबकि निम्न हस्ताक्षरकर्ता जांच रपट की ठीक ढंग से जाच करने के बाद जांच अधिकारी के नतीजों से सहमत हैं तथा आरोपों को मिद्द मानते हैं व विचारते हैं कि श्री शमशीर अली सेवा में रहने योग्य व्यक्ति नहीं हैं तथा उन्हें बर्खास्त कर दिया जाना चाहिए,

10. और जबकि अपने बारे में ना० ई० स० को बिना कुछ बताए सेवा का अपनी मर्जी से परित्याग करते के कारण, निम्न हस्ताक्षरकर्ता इससे संतुष्ट है कि ना० ई० स० के स्थाई आदेशों के पैरा 41.5 के अधीन उक्त श्री शमशीर अली के विरुद्ध जांच आयोजित करना व्यवहारोचित नहीं है।

11. अब, इसीलिए निम्न हस्ताक्षरकर्ता ना० ई० स० के स्थाई आदेशों के पैरा 42 तथा/या के०ना०से० (व०नि०श० नियमों 1965, में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए इससे उक्त श्री शमशीर अली को तत्काल प्रभाव से सेवा से बर्खास्त करते हैं।

एव० सी० कटियार,
उप मुख्य कार्यपालक

मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना
कलपाक्षकम-603 102, दिनांक 31 मार्च 1979

सं० एम० ए० पी० पी०/३(1211)/७७-प्रशास०—मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना के अस्थायी वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी०, श्री ए० कामोद्वर राव ने अपना स्थागपत्र स्वीकृत कर लिए जाने पर 28 फरवरी, 1979 के आरात्मा में अपने ग्रेड एस० बी० के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग

दिनांक 18 अप्रैल 1979

सं० एम० ए० पी० पी०/३(1221)/७७-प्रशासन—विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग के स्थायी वैज्ञानिक स्थायक (बी०) तथा मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना के स्थानन्तर वैज्ञानिक/इंजीनियर-एस० बी०, श्री ए० डी० गुप्त ने अपना स्थागपत्र स्वीकार हो जाने पर 10 नवम्बर, 1978 के आरात्मा से एस० बी० ग्रेड में अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया।

कै० बालकृष्णन,
प्रशासन अधिकारी

तारापुर परमाणु बिजलीघर

टी० ए० पी० एस०-401504, दिनांक 19 मार्च 1979

सं० टी० ए० पी० एस०/१/१९ (३)/७६-आर०—परमाणु कंजी विभाग के तारापुर परमाणु बिजलीघर के मुख्य अधिकारी तारापुर परमाणु बिजलीघर के अस्थायी सहायक लेखाकार श्री बाई० आर० वेनकार को, 17-३-१९७९ से २०-४ १९७९ तक के लिए उसी विजलीघर में सहायक लेखा अधिकारी के पद पर विशुद्धतः तदर्थ आधार पर नियुक्त कर दिया गया है। यह नियुक्ति सहायक लेखा अधिकारी श्री डी० जी० कटारिया के स्थान पर की जा रही है, जो छुट्टी पर चले गए हैं।

ए० डी० इसाई,
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

अन्तरिक्ष विभाग

इसरो उपग्रह केन्द्र

बंगलौर, दिनांक 22 फरवरी 1979

सं० ०२०/३(०६१)/ए०/७९—इससे उपग्रह केन्द्र के नियंत्रित अन्तरिक्ष विभाग के इसरो उपग्रह केन्द्र, बंगलौर में नियन्त्रित अधिकारियों को उनके नामों के सामने दिए गए पदों पर श्रीर तरीखों के पूर्वानुसूत से आगामी आदेश तक पूर्णतया अस्थायी और अनन्तिम रूप में नियुक्त करते हैं:—

क्रम सं०	नाम	पदनाम	तारीख
1.	जी० एस० वेंगोपाल	इंजीनियर एस० बी०	4-१०-७८
2.	डी० पी० जगन्नाथ	इंजीनियर 'एस० बी०'	1६-१०-७८
3.	बी० नागेश	इंजीनियर 'एस० बी०'	1३-११-७८
4.	श्रीनिगपति रामानुजम	इंजीनियर 'एस० बी०'	2३-११-७८
5.	के० बी० अनन्त राम सुरमा	इंजीनियर 'एस० बी०'	2४-११-७८
6.	प्रोफॉ कुमार दाम	इंजीनियर 'एस० बी०'	7-१२-७८
7.	के० विजय प्रकाश राव	इंजीनियर 'एस० बी०'	1४-१२-७८
8.	पी० एम० मोहन	इंजीनियर 'एस० बी०'	1४-१२-७८
9.	विश्वान प्रसाद देवनगन	इंजीनियर 'एस० बी०'	2२-१२-७८

कै० एस० कृष्णन,
प्रशासन अधिकारी

बंगलौर, दिनांक 20 अप्रैल 1979

सं० ०२०/३(०६१)/ए०/७९—इसरो उपग्रह केन्द्र के नियंत्रित अन्तरिक्ष विभाग के इसरो उपग्रह केन्द्र, बंगलौर में नियन्त्रित अधिकारियों को उनके नामों के सामने दिए गए पदों पर प्रत्येक के सामने दी गई तारीखों के पूर्वानुसूत से आगामी आदेश तक पूर्णतया अस्थायी और अनन्तिम रूप में नियुक्त करते हैं:—

क्र० सं०	नाम	पदनाम	तारीख
1.	श्री टी० रविदर राव	इंजीनियर एस० बी०	21-३-७९
2.	कुमारी एस० फातिमा बातुल	-वही-	4-४-७९
3.	श्री राजीव कुमार कालरा	-वही-	9-४-७९
4.	श्री एस० विश्वानाथ	-वही-	11-४-७९

दिनांक 21 अप्रैल 1979

सं० ०२०/३(०६१)/आर०/७९—इसरो उपग्रह केन्द्र के नियंत्रित अन्तरिक्ष विभाग के इसरो उपग्रह केन्द्र, बंगलौर में इंजीनियर एस० बी० श्री एस० एस० अवलोककर का सेवा

से त्रिवेतन दिनांक 23 मार्च, 1979 के अनुराग्गे में स्वीकार करते हैं।

एस० मुख्यमन्त्री,
प्रशासन अधिकारी-II

पर्यटन और नागर विमानन संचालन

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 24 अप्रैल 1979

सं० ए०-22012(1)/11/79/ई०-I—राष्ट्रपति, भारत मौसम विज्ञान विभाग, नई दिल्ली में मौसम विज्ञान के उपमहानिदेशक (योजना तथा दूरसंचार) श्री एस० के० दास को उनके अपने कार्यों के अलावा दिनांक 6-4-1979 से अगामी आदेश तक के लिए, उसी विभाग में मौसम विज्ञान के उपमहानिदेशक (प्रशासन तथा स्टोर्स) का कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

पी० के० दास,
मौसम विज्ञान के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 25 अप्रैल 1979

सं० ए० 32013/1/78-ई०सी०—इस विभाग की दिनांक 12-3-79 की अधिसूचना सं० ए० 32013/1/78-ई० सी० के क्रम में राष्ट्रपति ने वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास के तकनीकी अधिकारी श्री आर० सम्पत कुमारन् की वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ नियुक्ति को दिनांक 3-2-1979 के बाद 1-3-79 तक जारी रखने की कार्योंतर मंजूरी दे दी है। यह नियुक्ति श्री एस० जयरमण, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी, मद्रास के स्थान पर की गई है जिन्हे अंजित छुट्टियां मंजूर की गई।

दिनांक 26 अप्रैल 1979

सं० ए० 32013/4/77-ई० सी०—राष्ट्रपति ने श्री एस० एल० मेहरा, सहायक संचार अधिकारी, वैमानिक संचार स्टेशन, नई दिल्ली को दिनांक 31-3-79 (पूर्वांक) से 26-9-79 तक संचार अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है और उन्हें उसी स्टेशन पर तैनात किया है।

सं० ए० 32013/7/78-ई० सी०—राष्ट्रपति, ने नियंत्रक केन्द्रीय रेडियो भंडार डिपो, नई दिल्ली के कार्यालय में श्री के० पी० एस० नायर, तकनीकी अधिकारी को दिनांक 31-3-79 (पूर्वांक) से छः माह की अवधि के लिए प्रथमा पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के रूप में नियुक्त किया है और उन्हें निदेशक रेडियो निर्माण तथा विकास एकक, नई दिल्ली के कार्यालय में तैनात किया है।

सं० ए० 38013/1/79-ई० सी०—निर्वतन आयु प्राप्त कर लेने पर और सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर श्री टी० एन० मेहता, तकनीकी अधिकारी (तदर्थ) निदेशक रेडियो निर्माण और विकास एकक, नई दिल्ली का कार्यालय, ने दिनांक 31-12-78 (अनुराग्गे) को अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

सं० ए० 38012/1/79-ई०सी०—निर्वतन आयु प्राप्त कर लेने पर और सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर श्री य० श्री० राधाकृष्णन्, सहायक तकनीकी अधिकारी, संचार नियंत्रक का कार्यालय, वैमानिक संचार स्टेशन मद्रास, ने दिनांक 31-3-79 (अनुराग्गे) को अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

सत्य देव शर्मा,
उपनिदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 9 अप्रैल 1979

सं० ए० 32013/1/78-ई०-I—राष्ट्रपति ने श्री एन० एस० कुमारस्वामी, स्थानापन्थ संचार अधिकारी, नागर विमानन विभाग को दिनांक 7 मार्च, 1979 से अन्य आदेश होने तक नागर विमानन विभाग में उप निदेशक (टैरिफ जांच) (र० 1500-60-1800 के वेतनमान म) के रूप में नियुक्त किया है।

दिनांक 16 अप्रैल 1979

सं० ए० 12025/3/71-ई०-I—इस कार्यालय की दिनांक 11 अप्रैल, 1978 की अधिसूचना सं० ए० 12025/3/71-ई०-I के क्रम में महानिदेशक नागर विमानन ने श्री के० के० शर्मा, की नागर विमानन विभाग में हिन्दी अधिकारी के पद पर तदर्थ नियुक्ति की अवधि दिनांक 31-12-78 के बाद छः माह के लिए प्रथमा पद के नियमित रूप में भरे जाने तक जो भी पहले हो, बढ़ाने की मंजूरी दे दी है।

सं० ए० 32013/2/77-ई० I—इस कार्यालय की दिनांक 17-2-1978 की अधिसूचना सं० ए० 32013/2/77-ई०-I के क्रम में राष्ट्रपति ने श्री श्री० रामसुब्रह्मण्यम निरेशक, प्रशिक्षण एवं अनुज्ञान की नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन में निदेशक (योजना एवं मूल्यांकन) के पद पर तदर्थ नियुक्ति की अवधि 31-1-79 के बाद छः माह के लिए प्रथमा पद के नियमित रूप में भरे जाने तक, जो भी पहले हो, बढ़ाने की मंजूरी दे दी है।

श्री० श्री० जीहरी,
सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 24 अप्रैल 1979

सं० ए० 32014/1/78-ई०ए०—महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित सहायक विमान क्षेत्र अधिकारियों की तदर्थ आधार पर की गई नियुक्ति की प्रवधि ६

मास की अवधि के लिए अर्थात् प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख तक या पदों के नियमित रूप से भरे जाने तक इनमें से जो भी पहले हो, बढ़ाने की अनुमति प्रदान की है।

क्र० सं०	नाम	अवधि	तैनाती स्टेशन
1.	श्री गोपाल मिह	9-10-79	अमृतसर
2.	श्री एम० गोपाल	13-10-79	बंगलौर
3.	श्री सी० जी० पागे	9-10-79	सान्ताकुञ्ज
4.	श्री वाई० एल० सोनी	9-10-79	दमदम
5.	श्री एम० एम० भारद्वाज	10-10-79	दिल्ली एयर-पोर्ट, पालम
6.	श्री के० सी० बिश्वास	9-10-79	दमदम
7.	श्री वी० की० देवकर	9-10-79	अहमदाबाद
8.	श्री एस० मण्णन	13-10-79	तिळचिरापल्ली
9.	श्री एस० एल० बिश्वास	9-10-79	दमदम

एस० एल० खण्डपुर,
सहायक निदेशक प्रशासन

बन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

देहरादून, दिनांक 27 अप्रैल 1979

सं० 16/236/75-स्थाना-I— श्री वी० के० देशपाण्डे, सहायक व्याख्याता, अभियातिकी व सर्वेक्षण, केन्द्रीय बन राजिक महाविद्यालय, चन्द्रपुर का दिया हुआ त्यागपत्र दिनांक 15-3-79 के अपराह्न से स्वीकृत किया गया तथा उन्हे उसी दिन से पदमुक्त कर दिया गया है।

सं० 16/319/79-स्थाना-I—अध्यक्ष, बन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, श्री छवी नाथ पाण्डे अनुसंधान सहायक प्रथम वर्ग, बन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून को दिनांक 22 मार्च, 1979 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक बन अनुसंधान प्रयोगशाला, बंगलौर में सहर्ष अनुसंधान अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० 16/327/79-स्थाना——अध्यक्ष, बन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून श्री श्री० पी० राजोरा, अनुसंधान सहायक प्रथम वर्ग को दिनांक 28 मार्च, 1979 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक बन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून के अधीन (I) बीज कोष और (II) बीज सुधार और वृक्ष प्रजनन स्कीम हैदराबाद के जबलपुर केन्द्र में सहर्ष अनुसंधान अधिकारी नियुक्त करते हैं।

गुरुदयाल मोहन,
कुल सचिव

केन्द्रीय उत्पादन एवं सीमा शुल्क समाहर्तालय

बड़ोदा, दिनांक 21 अप्रैल 1979

सं० 6/79—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क अहमदाबाद-I के सहायक समाहर्ता के अन्तर्गत कार्यरत, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के वर्ग 'क', 'ख' के सहायक समाहर्ता-अधीक्षक श्री एन० आर० जोशी बृद्धावस्था पेंशन की आयु प्राप्त होने पर दिनांक 31-3-1979 के अपराह्न से निवृत्त हो गए हैं।

सं० 8/79—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, अहमदाबाद-II के सहायक समाहर्ता के अन्तर्गत कार्यरत, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के वर्ग 'क', 'ख' के अधीक्षक श्री जी० एम० देसाई बृद्धावस्था पेंशन की आयु प्राप्त होने पर दिनांक 31-3-79 के अपराह्न से निवृत्त हो गए हैं।

के० श्रीनिवासन,
समाहर्ता

पटना, दिनांक 26 अप्रैल 1979

सं० 11(7)2-स्था०/79/4196—कैप्टन विनोद कुमार बेरी की पुनः रोजगार के आधार पर नियुक्त संचार पदाधिकारी के पद पर संचार निदेशालय, राजस्व विभाग में वेतनमान रु० 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300/- तथा रु० 100/- प्रतिमाह की दर से विशेष वेतन पर वित्त मंत्रालय के आदेश सं० 79/78 दिनांक 24-5-78 के द्वारा हुआ जो संचार पदाधिकारी के रूप में संचार निदेशालय, नई दिल्ली के आदेश सं० 8/78 दिनांक 30-5-78 के अनुसार सीमा शुल्क चौकी, रक्सील में दिनांक 13-11-78 के अपराह्न में कार्यभार ग्रहण किया।

डॉ० के० सरकार,
समाहर्ता

नौवहन और परिवहन मंत्रालय

नौवहन महानिदेशालय

बम्बई-400 038, दिनांक 27 अप्रैल 1979

सं० 11-टी० आर० (4)/79—राष्ट्रपति, श्री रविन्द्र कुमार सूरी को 1 मार्च, 1979 (पूर्वाह्न) से श्रागामी आदेशों तक मरीन इंजीनियरी प्रशिक्षण निदेशालय, कलकत्ता में तदर्थी प्राधार पर इंजीनियरी अफसर के रूप में नियुक्त करते हैं।

के० एस० सिधू,
नौवहन उप महानिदेशक

कार्यालय, महानिदेशक

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 2 मार्च 1979

सं० 27/79/76-ई० सी०-९—राष्ट्रपति, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नामित श्री ए० एन० देवीकर को केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में रु० 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 (तथा सामान्य भत्ता) के वेतनमान में रु० 700/- प्रतिमास वेतन पर 20-12-78 (पूर्वाह्न)

से उप वास्तुक के अस्थाई पद पर (केन्द्रीय) सिविल सेवा (मूल ए) नियुक्त करते हैं।

2. श्री ए० एन० देवीकर 20-12-78 (पूर्वाह्न) से दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर रखी जाती है।

3. श्री देवीकर को 20-12-78 (पूर्वाह्न) वरिष्ठ वास्तुक (पूर्व आंचल) का कलकत्ता में स्थानान्तरण किया जाता है।

कृत्त्वा कृति,
प्रशासन उप निदेशक

विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी सर्कारी बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स अमीपा सेविंग यूनिट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

अहमदाबाद, दिनांक 25 अप्रैल 1979

सं० 560/2074—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि, मैसर्स अमीपा सेविंग यूनिट प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स अहमदाबाद फाईनान्स ट्रेडिंग प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

अहमदाबाद, दिनांक 24 अप्रैल 1979

सं० 560/2186—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि, इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स अहमदाबाद फाईनान्स ट्रेडिंग प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स दी रत्नपोल चौकसी सेविंग यूनिट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

अहमदाबाद, दिनांक 24 अप्रैल 1979

सं० 560/2318—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि मैसर्स दी रत्नपोल चौकसी सेविंग यूनिट

प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स विश्वनाथ टैक्सटाइल प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

अहमदाबाद, दिनांक 25 अप्रैल 1979

सं० 560/2208—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि, मैसर्स विश्वनाथ टैक्सटाइल प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

जे० गो० गाथा,
प्रमंडल पंजीयक,
गुजरात राज्य, अहमदाबाद

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं मैसर्स अपरादन्य केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 21 अप्रैल 1979

सं० 17327/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मैसर्स अपरादन्य केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

एल० एम० गुप्ता,
कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार
महाराष्ट्र

कम्पनी अधिनियम, 1956 और के० नन्दलाल कपूर लिमिटेड के विषय में

कटक, दिनांक 23 अप्रैल 1979

सं० एस० ओ० 463/278-(2)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उप-धारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर नन्दलाल कपूर लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

डॉ० के० पाल,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार,
उड़ीसा

ग्राय-कर अपील अधिकरण

बम्बई-400 020, दिनांक 24 अप्रैल 1979

सं० एफ०-48-ए० डी०/ए० टी०/79—श्री के० के० मिश्र, मुख्य सहायक, इंडियन टेलीफोन इण्डस्ट्रीज लिमिटेड नैनी यूनिट, इलाहाबाद, को अस्थाई अमता में सहायक पंजीकार ग्राय-कर अपील अधिकरण, कलकत्ता न्यायपीठ, कलकत्ता में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-

35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/- के वेतनमान पर दिनांक 16-4-79 (पूर्वाह्न) से अगला आदेश होने तक स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया जाता है।

वे दिनांक 16-4-79 (पूर्वाह्न) में दो वर्षों तक परिवीक्षाधीन रहेंगे।

पी० डी० माथुर,
अध्यक्ष

प्रकल्प धार्ड० टी० एन० एस०—

आधिकर मध्यनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 25 अप्रैल 1979

निर्देश सं० I II-318/अर्जन/79-80—यत्, मुझे, जे० नाथ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 व (1) के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति त्रिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० तौजी नम्बर 438 है, तथा जो थाना नम्बर 4, वार्ड नम्बर 10, सीट नम्बर 61, म्यूनिसिपल प्लाट नम्बर 583 स्किल नम्बर 28 पुराना होल्डिंग नम्बर 324, नया होल्डिंग नम्बर 339 आर० के० एवेन्यू रोड (नाला रोड) पटना में स्थित है (और इससे उपायद्वारा अनु-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14-8-78 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति हा उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच देसे अन्तरण के लिए उद्य पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्त्रराम नियमि० में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(a) अन्तरण से तुझे किसी आद की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कामो करने या उसे इन्हें में मुविधा के लिए, श्रीराजा

(b) ऐसी हिसी आद या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हे सारतीय प्राप्तकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अन: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ना के अनु-संरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित अस्तियों, अर्थात्—

(1) श्रीमती विजया मुखर्जी पत्नी श्री नरेन्द्र नाथ मुखर्जी आर० के० एवेन्यू रोड, (नाला रोड) पटना-4 थाना—कदम कुआं। (अन्तरक)

(2) श्रीमती वासन्ती साहू पत्नी राम नारायण साहू निवासी ग्राम—गिज्जो ठाकुर (पोस्ट) जिला रांची। (अन्तरिती)

3. (1) सर्वश्री पाटलीपुत्र हार्डवेयर
(2) बुड सेंटर
(3) धनवन्तरी लेबोरेटरीज और श्याम आयुर्वेद भवन
(4) ए० टू जेड० सैलून
(5) गिरधारी लाल (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)।

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के पर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त संपत्ति के पर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में सपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अस्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरण के पास लिखित में लिए जा नहेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर रांची का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति: जिसमें जमीन का रक्का 1365 वर्ग फीट जिसके कुछ हिस्तों में पकड़ा का बना दुकान जो आर० के० एवेन्यू (नाला रोड) पटना के मुख्य सड़क पर स्थित है और जो पूर्ण रूप से दस्तावेज सं० 5322 दिनांक 14-8-78 में वर्गित है और जो जिना अबर निवेदक प्राधिकारी पटना के द्वारा पंजीकृत है।

ज्योतीन्द्र नाथ,
सभाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पटना

तारीख: 25-4-1979

मोहर:

प्रस्तुत आई० टो० एम० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269म (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 27 अप्रैल, 1979

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-III/4-79/338—

अतः मुझे, डी० पी० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-म के प्रधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० डी-16 है तथा जो मस्जिद मोठ (पंचशील इन्वेलेव) नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुपूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्टा अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीरेण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 22-8-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतिफल निखिल में वास्तविक रूप से कहिया नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक व हुई किसी द्वाय की बाजार, उक्त अधिनियम द्वायीन कर देने के प्रत्यक्षक के वायित्व में कमो करने वा उससे वचन में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी द्वाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय द्वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकार नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिसमें सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन; निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—

1. श्री डा० प्रवीन कुमार चन्द्रा सुपुत्र ब्रिगेडियर ब्रिज चन्द्रा निवासी डी०-16, मस्जिद मोठ (पंचशील इन्वेलेव) नई दिल्ली-17 इनके आठारनी ब्रिगेडियर ब्रिज चन्द्रा सुपुत्र बेजर जनरल अमीर चन्द निवासी सी-384, डिफेंस कालोनी नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री लाजपतराय खनेजा व केवल उप्पण खनेजे दोनों सुपुत्र श्री लाल चन्द खनेजा द्वारा खनेजा मोटरस 697, हैमिलटन रोड, कण्ठमीरी गेट, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैत के लिए आवंदाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रवैत के संबंध में कोई भी प्राप्तेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन भी अवधि या त सम अन्धी अवित्यों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से किसी अवित द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में द्वितीय किसी अन्य अवित द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकें।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम द्वायाय 20८ में तथा परिभाषित है, वही प्रथं होगा जो उस प्रथाय में दिया गया है।

प्रनूपूची

मकान जो लीज होल्ड प्लाट नं० 16 ब्लाक डी रिहा-यशी कालोनी मस्जिद मोठ (पंचशील इन्वेलेव) नई दिल्ली-17 में निम्न प्रकार स्थित है —

उत्तर: प्लाट नं० 17

दक्षिण: प्लाट नं० 15

पूर्व: सड़क

पश्चिम: सर्विस लेन

डी० पी० गोयल
सक्रम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 27-4-1979

मोहर:

प्रस्तुत आई. टी. एम. एस. —

अ प्रकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269वाँ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, प्रायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, दिल्ली-1

दिल्ली-1, दिनांक 27 अप्रैल 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-III/4-79/339—

अतः मुझे, डी० पी० गोयल

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वाँ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी मं० 9 बीवा 12 विस्वा जमीन, खसरा नं० 1847 व 1848 है तथा जो गांव छतरपुर, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13-9-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छहैश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण में हुई किसी भाष्य को बाबत उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रस्तावक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए गौरव्य

(ख) ऐसी किसी भाष्य या किसी बत या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, उसका में सुविधा के लिए;

प्रत। अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269 वा० में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269 वा० की उपस्थाना (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्वति,—

3-66GI/79

1. (1) राजिन्दर पल (2) गुरुर्जन कुमारी (3) राजिव मन्होता (4) अन्तु मन्होता, निवासी 4-पी०/4, न्यू रोहतक रोड, नई दिल्ली। (प्रन्तरक)

2. (1) श्री लक्ष्मन दाम कटारिया (2) श्रीमती शीला कटारिया निवासी एच०-15/14, मालवीय नगर, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त समाज के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संगति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिन्दू द्वारा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20 के परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कास्तकारी जमीन एस्ट्रिया 9 बीवा 12 विस्वा जिसका खसरा नं० 1847 (4-16) और 1848 (4-16) है गांव छतरपुर नजदीक महरोली दिल्ली राज्य की सीमा में स्थित है।

डी० पी० गोयल
मकाम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयकर (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 27-4-1979

मोहर:

प्रलेप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-III, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 27 अप्रैल 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/पक्ष्य०-III/4-79/337—
अतः मुझे, डी० पी० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 2 दीवा 6 बिंवा है तथा जो जमीन,
खसरा नं० 491, गांव वुरारी दिल्ली में स्थित है और
इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व ध्यं में वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 ता 16) के अधीन,
तारीख 9-8-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निखिल में वास्तविक रूप में उपयोगिता नहीं निया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1 मैमर्स माहनी प्राइवेट एन्टरप्राइज (प्रा०) लिमिटेड आफिस
14, द्वितीय फेस, द्वितीय मार्किट, अणोग बिहार, दिल्ली
इसके मैनेजिंग डायरेक्टर श्री केशो दाम माहनी के द्वारा
(अन्तरक)

2. (1) बणेश्वर लाल अग्रवाल (2) रामेश्वर लाल
अग्रवाल निवासी सी०-22, भाड्या टाउन, दिल्ली-9।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के
लिए कार्यालयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेत—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यायों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका थेवफन 2 दीवा 6 बिंवा, खसरा
नं० 491 गांव वुरारी दिल्ली में स्थित है।

डी० पी० गोयल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-III, दिल्ली-1

तारीख : 27-4-79

मोहर :

प्ररूप प्राई० टी० एम० एस०—

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, नहायक आपकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, I दिल्ली-1

4/14 क, आमफली मार्ग, नई दिल्ली
नई दिल्ली दिनाव 30 अप्रैल, 1979

निर्देश न० प्राई० ए० सी०/एक्य०-१/एम० प्रार०-III/
अगस्त-II/583/1978-79—अत मुझे, डी० पी० गोयल
आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उस्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी मख्या सी-11 है तथा जो चिराग इन्क्लेव, नई दिल्ली
में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), अग्निस्त्रीकर्ता प्रधिकारी के नियंत्रण नई दिल्ली में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख 30-8-78
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृष्यमान प्रति-
फल के लिये प्रस्तुति की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि अधारपूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृष्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्ननीचा उद्यय से उस अन्तरण लिखित भें
बहारिक रूप से किया जाना चाहिये।

(क) प्रतिफल के दृष्यमान की पाया जा रात्रा, उस्त
अधिनियम के अधीन उरदेन अन्तरक क नियत में
कमा हग्न या उन्नत बचत में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी रूपा रात्रा किसी प्रति रात्रा प्राप्तिया को,
जिन्हें मारतीय आपकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
प्रतिरिती दाय प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत, यदि उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
से अधीन निम्नलिखित अधिनयों, व्यर्ति—

1 श्रीमती लिना मायादास धर्मपत्नी श्री करम मायादास,
रेजिस्ट्रेट, 93 चित्रकोट आलटामाउन्ड रोड, बम्बई-26
(अन्तरक)

2 श्री रिणी वरमानी पुत्र लेट डाक्टर डी० सी०
वरमानी और श्रीमती डाक्टर लाज वरमानी धर्मपत्नी
श्री रिणी वरमानी रेजिस्ट्रेट सी-11 चिराग इन्क्लेव, नई
दिल्ली। (अन्तरिती)।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करना पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्तीः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवधियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, यो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
अधिकारों में से किसी अधिकता द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़
किसी अन्य अधिकारी के पास¹ लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रदा का, जो उक्त अधि-
नियम के प्रधावाय 20-क में यथा परिभाषित है,
वही अर्थ हासा, जो उक्त अधावाय में दिया गया है।

अनुसूची

पाक 24 मजिंग विल्डिंग जो लाट शेवफल 500 वर्ग
गज पर बनाया हुआ। उसका नामवर सी-11 चिराग
इन्क्लेव, नई दिल्ली।

पूर्व—सी०-12

पश्चिम—सी०-10

उत्तर—सर्विस लेन

दक्षिण—रोड फ्रेंचिंग पार्क।

डी० पी० गोयल
सक्षम प्राधिकारी

नहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज दिल्ली नई दिल्ली-1

तारीखः 30-4-1979

मोहरः

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज. दिल्ली-1 4/14 क, आसफाबली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली-1, दिनांक 30 अप्रैल, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/पक्ष०-I/एम० आर०-
III/मितम्बर-II/(36)/673/1978-79—अत मुझे,

डी० पी० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सी०-48 है, तथा जो ग्रेटर केलाश-I,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबूद्ध अनुसूची में
पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्टा अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-9-1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्वरित की गई है और मुझे यह विष्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पश्चात प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्वरिती (अन्वरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
की, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या घन-कर
अधिनियम, 1967 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्वरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या
इया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269घ के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्रीमती राम दुलारी विधवा श्री बदरी नाथ तलवार
रेजिस्टर सी-48, ग्रेटर केलाश-I, नई दिल्ली। (अन्तरक)।

2. श्री तिरथ राम तुली पुत्र श्री खुणी राम, रेजिस्टर
सी-48, ग्रेटर केलाश-I, नई दिल्ली। (अन्वरिती)।

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के साक्षर में कोई भी अधिकारी:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्त्ववादी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र पे प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त द्वारा सम्पत्ति में द्वितीय
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्राप्त शब्दों और पदों का, उक्त अधि-
नियम, के अधार्य 20-क मे परिभाषित है वही
अर्थ होगा जो उस आयकर में दिया गया है।

अनुसूची

एक 2½ मंजिल बिल्डिंग जो प्लाट नं० सी-48 पर¹
बनाया हुआ, भैलफल 500 वर्गमीटर जोकि स्थिति ग्रेटर केलाश-I,
नई दिल्ली।

डी० पी० गोयल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज. दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 30-4-1979

मोहर:

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा
269-ख (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली-1

4/14क, आसफ अली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 अप्रैल, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-१/एस० आर०-III/
सितम्बर-1 (33)/1978-79—अतः मुझे, डी० पी० गोयल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
के कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० ए०ल०-227 है तथा जो ग्रेटर कलाश-1,
नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुमती में
और पूर्व रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 24-9-1978
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, इसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृष्यमान प्रतिफल का पक्कह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) पौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पास गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या इसमें बचने में मुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थे अन्तरिती दारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

प्रतः, प्रव, उक्त अधिनियम की आरा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की आरा 269-ख की उपचारा (1) के अधीन निम्ननिवित वक्तियों अपनि ...-

1. श्री फकीर चन्द रस्तोगी, 25 मान् मार्ग, अलवर।
(अन्तरक)

2. श्रीमती माहिनी त्रिखा, एन-227, ग्रेटर कलाश-I,
नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयीय शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित अधिकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान जोकि प्लाट नं० एन०-227 क्षेत्रफल 300 वर्ग गज पर स्थिति ग्रेटर कलाश-I, नई दिल्ली।

डॉ० पी० गोयल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 30-4-1979

मोहर:

प्रस्तुप भाई० टी० एन० एम०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, दिल्ली-1 4/14 क, आमफ़र्मी मार्ग नई, दिल्ली

नई दिल्ली-1, दिनांक 30 अप्रैल, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य० 1/एस० आर०-III
/मितस्वर-II (41)/678/78-79—अत् मुद्रे, डी० पी०
गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के प्रधीन मकान प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है

और जिसकी मं० दुकान नं० 21 है तथा जो साविकी मिनेमा रामलेखम, ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में पूर्व स्वप्न में वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 29-9-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह पतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करना या उसमें बचते में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या मूल्य प्राप्तियों को जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावाचं अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यदि, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपचाय (1) अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अर्जतु :—

1. मै० डी० एल० एफ० यूनाइटेड लि०, 21-22, नारीन्द्र लेम, नई दिल्ली-1 (अन्तरक)।

2. (1) श्री धर्मवीर नांगिया, सुपूत्र श्री तुलसीदास नांगिया (2) श्री विजय कुमार नांगिया, नाबालिंग) तथा (3) श्री जयन्त नांगिया (नाबालिंग), दोनों सुपु (श्री धर्मवीर नांगिया, निवासी ई-215, ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करना है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कार्य भा प्राप्ते :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरान्वयी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधायाय 20-क में परिभाषित हैं, वही पर्याय होगा जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

साविकी मिनेमा वाम्पलेक्म की मर्ब निम्न मंजिल पर दुकान जिसका नं० 21 है और क्षेत्रफल 209 वर्ग फुट है, ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में है।

डी० पी० गोयल,
मध्यम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 30-4-1979

मोहर:

प्रकृष्ट प्राई. डी. एन. एस. ०—
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269वा (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली १

नई दिल्ली, दिनांक 30 अप्रैल, 1979

निर्देश मं० आई० ए० सी०/प्रश्न०/१/एस० आर०-१११/
सतम्बर-२ (40)/६६७/७८-७९—अतः मुझे, डॉ० पी०
गोयल

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वा
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी मं० दुकान नं० 20 (नीचे मंजिल) है तथा
जो मिनेमा बिल्डिंग ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली में स्थित
है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में पूर्व रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीर्ड अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 26-९-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
प्रधिक है और प्रत्यक्षित (प्रत्यक्षित अन्तरकों) और प्रत्यक्षित (प्रत्यक्षित अन्तरकों)
के बीच ऐसे प्रत्यक्षित के लिए तथा पाया बया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कितने गही
क्या गया है:—

(क) प्रत्यक्षित से ही किसी प्राप्त की बाबत उक्त प्रधि-
नियम, के अधीन कर देने के प्रत्यक्षित के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी प्राप्त या किसी धन या मन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या अन्तर-
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
प्रत्यक्षित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः पर, उक्त प्रधिनियम की धारा 269वा के अनुसार में
में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269वा की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० डॉ० एम० एफ० यूनाइटेड निमिटेड नरेन्द्र
प्लेस, पार्सियामेट गली, नई दिल्ली। (अन्तरक)।

2. श्रीमती प्रेम लता सोनी धर्मपत्नी श्री ओ० पी०
सोनी (अन्तरक)।

3. श्री राजेन्द्र कुमार सोनी पुत्र श्री ओ० पी० सोनी,
एच०-१४, लाजपत नगर-III, नई दिल्ली। (वह व्यक्ति,
जिसके अधिभोग में संपत्ति है)।

को यह सूचना जारी हरके रूपान्तर सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यान्वयित्वां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी मालिक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि वाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

उपलब्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभ्राषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक दुकान नं० 20 (नीचली मंजिल) वर्गफुट जोकि
स्थिति मिनेमा बिल्डिंग, ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली।

डॉ० पी० गोयल
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-१

तारीख: 30-4-1979

मोहर:

प्राप्त भाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1901 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

आज्ञन रेंज-I, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 30 अप्रैल, 1979

निर्देश मं० आई० ए० सी०/ग्रक्य०-I/एस० आर०—
III/सितंबर-2(24)/666/78-79—अतः मुझे, डी० पी०
गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के
अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी मं० 307 है तथा जो साविकी मिनेमा कम-
प्लैक्स, ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (और
इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्व रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 21-9-1978 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और प्रस्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया या
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखत में बास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी भाव की बाबत, उक्त प्रधि-
नियम, के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी विसी भाव या किसी बन या अन्य ग्राहितियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या बन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की धारा 69-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्

1. मै० डी० एल० एफ० युनाइटेड लिं०, 21-22,
नरीन्द्रा प्लैस, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2 श्री विजय कुमार काजना, मुपुत्र मेजर एल० सी०
काजना, निशामी 20, चानन मिहू पार्क, दिल्ली कैन्ट।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बजेन के
लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त संपत्ति के बजेन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

आफिस जो कि फ्लैट नं० 307 की तीसरी मंजिल
में जोकि साविकी मिनेमा कम्पलैक्स की बिल्डिंग में है,
जिसका क्षेत्रफल 615.6 वर्ग फुट है, ग्रेटर कैलाश-II,
नई दिल्ली में है।

डी० पी० गोयल
मध्यम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
आज्ञन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 30-4-1979

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरका:

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 30 अप्रैल 1979

निर्देश सं० आई० ग० सी०/एक्य०-1/एस० आर०-
III/मित्रस्वर-II (18)/660/1978-79—अतः मुझे, डी०
पी० गोयलआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक हैऔर जिसकी सं० फ्लैट नं० 101 पहली मंजिल है तथा
जो माविदी सिनेमा कम्पलेक्स, ग्रेटर कैलाश-II, नई
दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपांचल अनुसूची में और
पूर्व रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-9-1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (अन्तरकों)
प्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में ग्राहकीय करा में कथित महीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के
शर्तिय में कमी करने या उसमें तकनी में सुविधा
के लिए ग्राहकीय(ख) ऐसा किसी भाय या किसी उन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाथं प्रत्यक्षित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अवृत्ति:—

4-66GI/79

1. मैं० डी० ग० पी० एक्य० यूनाइटेड सिमिटेड 21-21
नरेन्द्र पलेय, पर्टिशनेट गली, नई दिल्ली। (अन्तरक)2. आ विनोद मूर्ख गुप्ता, पुत्र श्री वी० वी० गुप्ता,
31-एक्य० बनाट प्लैग, नई दिल्ली। (अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) उक्त सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
इन्हें भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रबोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के प्रधायाय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधायाय में दिया
गया है।

अनुसूची

दफ्तर फ्लैट नं० 101 (पहली मंजिल) वर्गफूट 554.6
जोकि स्थिति माविदी सिनेमा कम्पलेक्स, विलिंग, ग्रेटर
कैलाश-II, नई दिल्ली।डी० पी० गोयल
मक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 30-4-1979

मोहर:

प्रकाश आई०टी०एन०एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 30 अप्रैल, 1979

निर्देश सं० आई०ए० सी०/एक्य०-१/गम० आर०-३३/
सितम्बर-२ (8)/656/1978-79—अतः मुझे, डी० पी०
गोयलआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के प्रधीन सकारात्मकारी को, यह विवास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है,और जिसकी सं० बेशमेंट है तथा जो सावित्री सिनेमा कम-
प्लेक्स, ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (और
इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्व रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्र्यूर करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन
तारीख 18-७-1978 कोपूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिये अस्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच
ऐसे प्रन्तरण के लिये तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त प्रन्तरण विवित में वास्तविक रूप से कर्तित नहीं किया
गया है।—(क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के वायित्व
में कर्ती करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य प्राप्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्मक
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, किपाने में सुविधा के लिए;अतः आय, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के प्रनुसरण में,
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की संपादन (1) के
अधीन विवरित व्यक्तियों, वर्तात् ।—1. मेसर्स डी०ए०एफ० यूनाइटेड लिमिटेड 21-22
नरेन्द्र प्लेस, पालियामट गली, नई दिल्ली। (प्रन्तरक)2. मेसर्स आर०आर० इन्टरप्राइसेज थरो श्री राकेश
बोसला मैनेजिंग पार्टनर और श्रीमती कमाल बोसला
धर्मपत्नी श्री राकेश बोसला रेजिडेंट बी/5 हीरा महल
एपार्टमेंट 44, रिटाउन रोड, नई दिल्ली। (अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदनः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से
किसी अविक्त द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
धन्य अविक्त द्वारा, प्रबोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।उपलब्धकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के प्रध्याय 20व ये परिभासित हैं,
वही पर्यंत होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बेशमेंट एयारी सावित्री सिनेमा कम्प्लेक्स बिल्डिंग,
3287 वर्गफुट जोकि स्थित ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली।डी०पी० गोयल
सकारात्मक अधिकारीसहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीखः 30-4-1979

मोहरः

प्रकृत आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-१, दिल्ली

नई दिल्ली-१, दिनांक 30 अप्रैल 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस० आस०-
डी० पी० गोप्यल

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी मूल फ्लैट नं० 206 है तथा जो माविदी
मिनेमा काम्पलैक्स, ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित
है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में पूर्व स्तर से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख 18-९-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वापित्व में कमी करने या उससे बचने में मुदिधा
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या
किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त, प्रधिनीयम की धारा 269-प के
अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-प की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्

1 म० डी० एल० एफ० यूनाइटेड लिं, 21-22,
नारिन्द्र प्लैस, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. लेफिटनेन्ट कर्नेल मिद्दार्थ कुमार (एच० यू० एफ०)
सुपुत्र श्री माहू राम, निवासी सी०-4/49, सफदरजंग
डब्ल्यूपमेंट स्कीम, नई दिल्ली। (अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैतन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलोचना—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिकृताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यकारण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिका
गया है।

अनुसूची

आफिस जो कि माविदी मिनेमा कम्पलैक्स की दूसरी
मजिन पर है, इसका प्लैट नं० 206 है और क्षेत्रफल
481.7 वर्ग फुट है, ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में है।

डॉ० पी० गोप्यल
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-१, दिल्ली, नई दिल्ली-१

तारीख: 30-4-1979

मोहर:

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, मद्रायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, दिल्ली-1,

नई दिल्ली-1, दिनांक 27 अप्रैल, 1979

निवेश स० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस० आर०-III/
मितम्बर-II (3)/655/78-79—अतः मुझ, डी० पी०
गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
हप्ते से अधिक है

और जमकी सं० 201 है तथा जो माविकी सिनेमा काम-
लेक्स, ग्रेटर कलाण-II, नई दिल्ली-1 में स्थित है (और
इससे उपावन्द अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजि-
स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 16-9-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रतिफल का गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षकों)
और प्रत्यक्षी (प्रत्यक्षितयों) के बीच ऐसे प्रत्यक्षण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल विभिन्निक्षित उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्षण
लिखित में वास्तविक रूप से कपित नहीं किया गया है:—

(क) प्रत्यक्षण में ही किसी प्राय की बाबत उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्षके
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ प्रत्यक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के प्रत्यक्षण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
प्रधीन विभिन्निक्षित अधिकारी, प्रधारतः—

1. मैं डी० एल० एफ० यूनाइटेड लि०, 21-22,
तारीका प्लैम, नई दिल्ली। (प्रत्यक्ष)

2. (1) श्री कर्नल जोगिन्द्र मिह पुरी, सुपुत्र श्री दिवान
सिह पुरी (2) श्रीमती चरणजीत पुरी, पत्नी श्री जोगिन्द्र
मिह पुरी (3) श्री आदर्श पुरी (4) फ्लाईट लेफ्टिनेन्ट
डा० शशी के० एस० पुरी, दोनों सुपुत्र श्री जोगिन्द्र मिह
पुरी, मर्मी निवासी ई-476, ग्रेटर कलाण-II, नई दिल्ली।
(प्रत्यक्षित)

मा० रूप द्वारा नारो नारके द्वारा सम्भाल के प्रत्येक
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्भाल के प्रत्येक के प्रत्येक में कोई भी ग्राहण—

(क) इस सूचना के राजनव में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधिया तस्मान्य व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधिया, जो भी
प्रवधिया बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्तियों द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजनव में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोदस्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

शब्दोक्तरण:—इसमें प्रत्यक्षन शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रधाराय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उन प्रधाराय में दिया
गया है।

अनुसूची

आफियम जो कि माविकी भिनेमा कम्पलेक्स की दूसरी
मंजिल पर है, इसका फ्लैट नं० 201 है और क्षेत्रफल
556.6 वर्ग फुट है, ग्रेटर कलाण-II, नई दिल्ली में है।

डी० पी० गोयल
मक्षम प्राधिकारी

मद्रायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज़-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 27-4-1979

मोहर :

प्रस्तुप आई० ई० एन० एस०—

आधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आधिकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-१, दिल्ली-१

नई दिल्ली, दिनांक 27 अप्रैल 1979

निर्देश सं० आई० ए० मी०/एक्य०/१/एस० आर० III/
मितम्बर(30)/641/78-79—अत मुझे, डी० पी० गोयल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
एपए से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 105 है तथा जो मावित्री
मिनेमा काम्पलेक्स, ग्रेटर कैलाण-II, नई दिल्ली में स्थित
है (और इसमें उचावद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 9-9-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिशत के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि पंयापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निखित म वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के प्रशीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने का उससे बचते में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अम्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथात्:—

1. मै० डी० एल० एफ० युनाइटेड लिं०, 21-22,
नारिन्द्रा प्लैस, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्रीमती शांति देवी, पत्नी श्री बी० एल० आदुजा,
निवार्मा ई-275, ग्रेटर कैलाण-II नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या रामबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 39 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्वैताभासी के पास
निखित में किए जा सकें।

संबोधण:—इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में व्यापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

आकिस जो कि मावित्री मिनेमा कम्पलैक्स की पहली
मंजिल पर है, इसका फ्लैट नं० 105 है और क्षेत्रफल
481.7 वर्ग फुट है, ग्रेटर कैलाण-II, नई दिल्ली में है।

डी० पी० गोयल

मक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-१, दिल्ली, नई दिल्ली-१

तारीख: 27-4-1979

मोहर :

प्रकल्प भाई० दी० एस० एह०—

आयरन अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर व्यायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 30 अप्रैल, 1979

निर्देश सं० आई० ए० 'सी०/एक्य०/एस० आर०-III/
सितम्बर-1 (29)/640/78-79—भ्रत मुक्त, दी० पी० गोयल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु.
से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 9 है, तथा जो सावित्री सिनेमा
कम्पलेक्स, ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (और
इससे उपावड़ अनुसूची में पूर्व स्वरूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन
तारीख 14-9-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यहां पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उक्ते दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह
प्रतिशत प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और घक्तरिती-
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अक्षरण के लिये तय पाया गया
प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण सिद्धि में
वास्तविक रूप में रुक्षित नहीं किया गया है ।—

(क) प्रत्यक्ष से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या मूल्य प्राप्तियों को चिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट भर्ही किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रत: प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसार
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए को उपलब्ध (1)
के अधीन निम्नलिखित अधित्यों, प्रतितः—

1. म० डी० एल० एफ० यूनाइटेड लिं, 21-22,
नारीन्द्रा प्लेस, नई दिल्ली-1 (अन्तरक)।

2. श्री जे० पी० गुप्ता, सुषुप्त श्री हरी राम, निवासी
604, आकाशदीप बिल्डिंग, नई दिल्ली (अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए उपर्यादित करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप ।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी अधित्यों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अधित्यों में से
किसी अधित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमद
किसी अन्य अधित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
निविन में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अन्याय 20-क में परिचायित
हैं, वही अधृत होगा, जो उस अन्याय में विद्या
गया है ।

मनुसूची

सावित्री सिनेमा कम्पलेक्स बिल्डिंग की पहली पर दुकान
नं० 9 जिसका क्षेत्रफल 282.1 वर्ग फुट है, ग्रेटर कैलाश-
II, नई दिल्ली में है।

डी० पी० गोयल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर व्यायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 30-4-1979

मोहर:

प्रकल्प ग्राही टी० एन० एस०-----

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायकर भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज-1 दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 30 अप्रैल 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस० आर०-III/
सितम्बर-1 (22)/1978-79/636—प्रतः मुझे, डी० पी०
गोयलभायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'जक्त भधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक हैऔर जिसकी सं० बुकान नं० 22 है, तथा जो साधिकी
सिनेमा कोम्प्लैक्स, ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित
है (और इससे उपावक्त्र अनुसूची में और पूर्व रूप में धर्मित
है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का
16) के प्रधीन, तारीख 17-9-1979को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रस्तुरित की गई है और मुझे यह विश्वास कर
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन
प्रतिशत प्रधिक है और प्रस्तुरक (प्रस्तुरकों) और प्रस्तुरि
(प्रस्तुरितयों) के बीच ऐसे प्रस्तुरण के सिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तुरण लिखित में बास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) प्रस्तुरण से हुई किसी भाय की बायत उक्त अधि-
नियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तुरक के दायित्व में कभी
उन्ने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या(म) ऐसी किसी भाय या किसी धन या धाय आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
ब्रनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनाद्यं प्रस्तुरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;प्रतः प्रथ, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के उन्नुतरण
में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उप-धारा (1)
प्रधीन निम्नलिखित ध्यक्तियों जबैतः—1. मेसर्स डी० एल० एफ० यूनाइटेड लिमिटेड, 21-22,
नरेन्द्र पलेस, पार्कियामेट गली, नई दिल्ली। (अन्तर्क)।2. श्री रम किशन सुखानी पूर्ण श्री बी० के० सुखानी,
रेजिडेन्ट बी०-31 कैलाश एपार्टमेंट्स, लाजपत राय भार्ग,
नई दिल्ली। (अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त गानि के घरें के
निए कार्यवाहियों करना है।

उक्त संपत्ति के प्रबंधन के संबंध में कोई भी वार्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि
बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इम सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरों
के पास लिखित में किए जा सकें।इष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बुकान नं० 22 (निवासी मंजिल) वर्गफुट 193.9
जोकि स्थिति सिनेमा कोम्प्लैक्स बिल्डिंग ग्रेटर कैलाश-II
नई दिल्ली।

डी० पी० गोयल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)
प्रजन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 30-4-1979

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269३ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 30 अप्रैल 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-I/एस० आर०-III/
सितम्बर-I (7)/629/1978-79—आतः मुझे, डी० पी०

गोयल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269३ के प्रधीन संकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 202 है तथा जो सावित्री मिनेमा कोम्प्लेक्स, ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 4-9-1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास भरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी इन्हे या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय वा किसी धन वा अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

आतः यदि, उक्त अधिनियम की धारा 269३ के अनुसरण में उक्त अधिनियम की धारा 269३ की उपशारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अविक्षियों, अर्थात्:—

1. मेमर्स डी० एल० एफ० यूनाइटेड लिमिटेड, 21-22, नारेन्द्र प्लैस, पलियामेट गली, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. मास्टर अल्प व्हासा (मायन८) पुत्र श्री विजय तुमार व्हासा रेजिमेंट 33/30 ईस्ट फर्टेल नगर, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना तारीख करने के बाबूकर सम्पत्ति के प्रत्येक के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रत्येक में कोई सो गोलः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्षियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से किसी अविक्षियि द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य अविक्षियि द्वारा अबोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

उपलब्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दफ्तर फ्लैट नं० 202 (दूसरी मंजिल) 61739
बग्कुट जोकि स्थित मिनेमा कोम्प्लेक्स, ग्रेटर कैलाश-II;
नई दिल्ली।

डी० पी० गोयल
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 30-4-1979

मोहर:

प्रलूप शाई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रज्ञन रेज-1, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 30 अप्रैल 1979

निर्वेश मं० आई० ग० मी०/पृक्य०/१/एम० आर०-III/
मितम्बर-1(6)/628/78-79—अत मुझे, डी० पी० गोयल
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी मं० फ्लैट न० 502 है तथा जो मावित्री
सिनेमा काम्प्लेक्स, ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित
है (और इसमें उपग्रेड अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 4-9-1978
को पूर्वोक्त मम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और प्रतिफल (अन्तरकों) और प्रतिशत (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कर्तित नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हे मारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनालं
अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, उपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-वा के अनु-
सरब में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपलब्धा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

5-66GI/79

1 मौ० डी० एल० एफ० यूनाइटेड लिं०, 21-22,
नारीन्द्रा पलेस, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2 श्रीमती सुभाषिणी कुमारी, पत्नी श्री नन्द कुमार
निवासी 15, महादेव रोड, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मम्पति के प्रज्ञन के
निए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त मम्पति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की प्रवधि जो भी प्रवधि बाद में
मम्पति होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आफिस जो कि मावित्री सिनेमा काम्प्लेक्स की पाचवी
मंजिल पर है, इसका फ्लैट नं० 502 है और क्षेत्रफल
613.9 वर्ग फूट है, ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में
है।

डी० पी० गोयल
सक्षम प्राधिकारी

महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रज्ञन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 30-4-1979

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 19 मार्च 1979

निदेश सं० ए० एस० आर०/७८-७९/१५१—यतः मुझे,
जी० एल० गालू,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा याहै), की धारा 269-व
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन का टुकड़ा जिसका क्षेत्रफल 1
कनाल 18 मरले यानि (950 वर्ग गज) खसरा नं० 3041/
1511/5 है तथा जो कि सुल्तान विड शहरी, अमृतसर
में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अमृतसर शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से तुझे किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती मनमा देवी विधवा श्री शेरी लाल निवासी
मकान नं० 1093, बाहर कूचा, खाई बाला कटड़ा खजाना,
अमृतसर। (अन्तरक)।

7. श्री सतीश कुमार पुत्र श्री रोशन लाल निवासी
राम गली, कटड़ा अहलूकालिया, अमृतसर। (अन्तरिती)।

3. जैसा कि ऊपर पैरा 2 में और कोई किराएदार
हो तो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)।

4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में कुचि रखता
हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है
कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के
लिए कार्यवादियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

उपलब्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त सभ्यों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20 के परिमाणित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन का प्लाट जिसका क्षेत्रफल 1 कनाल 18 मरले
(950 वर्ग गज) खसरा नं० 3041/1511/5 जो कि
सुल्तान विड शहरी, अमृतसर में है जैसा कि रजिस्टर्ड
डीड नं० 1670/1 दिनांक 4-8-78 आफ रजिस्टरिंग
अथार्टी, अमृतसर में दर्ज है।

जी० एल० गालू
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 19-3-79

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० ५८०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन भूचना

भारत भरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 16 मार्च 1979

निदेश सं० ए० एस० आर०/७८-७९/१५२—यतः मुझे,
जी० ए८० गारू

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परिवर्तन 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट जिसका क्षेत्रफल 341.7 वर्ग मी० (410 वर्ग गज) जिसमें एक शैड, चिमनी बाउंडरी बाल है जो कि चमरंग रोड, अमृतसर में स्थित है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर शहर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्वरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाथा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन व अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री नरिन्द्र मिह पुत्र श्री नथा मिह निवासी कोट बावा दीप मिह मकान नं० 3806, गली नं० 2, अमृतसर। (अन्तरक)

2. फर्म नेशनल आईरन स्कैप कम्पनी प्लाट नं० 267, चमरंग रोड, अमृतसर (खसरा नं० 627)। (अन्तरिती)

3. जैमा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किराएदार हो तो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।

4. यदि कोई और व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो तो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्त्वान्वयी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में बमात्स होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहाँ अब होता जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

प्लाट जिसका क्षेत्रफल 341.7 वर्ग मी० यानि (410 वर्ग गज) खसरा नं० 627 एक शैड, चिमनी और बाउंडरी बाल है जो कि चमरंग रोड, अमृतसर में है जैसा कि रजिस्टर्ड डीड नं० 1930/1 तिथि 28-8-78 आफ रजिस्ट्रिंग अधारिटी, अमृतसर शहर में दर्ज है।

जी० ए८० गारू
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 16-3-1969

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एम०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अमृतसर, दिनांक 12 अप्रैल, 1929

निदेश सं० ए० एम० आर०/79-80/3—यतः मुझे,
एम० के० धर

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1/4 भाग प्लाट जिसका क्षेत्रफल 1336 वर्ग मीटर है तथा जो कि गोपाल नगर, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाखड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय अमृतसर शहर, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1978

पूर्वोक्त, संति के उक्ति बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिती (पत्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप में वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) प्रस्तरण में हुई किसी आय को बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अस्तरक के वायित्व में कमां करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(म) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या दमकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः धर, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्यातः—

1. श्रीमती प्रीतम कोर विधवा श्री मेवा सिंह गली नं० 2
2. हुकुम सिंह रोड, अमृतसर। (अन्तर्गत)
3. श्री जतिन्द्र नाथ भण्डारी पुत्र श्री बाल मुकुन्द भण्डारी, गोपाल नगर, अमृतसर। (अन्तरिती)
4. जैमा कि उपर नं० 2 में और कोई किराणदार हो तो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
5. यदि कोई व्यक्ति संपत्ति में नवि रखता हो तो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्तिः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लप्पीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

1/4 भाग जिसका क्षेत्रफल 1336 वर्ग मी० है खसरा नं० 336, 100, 337, 2-2, खसरा नं० 801/863 जमावंदी साल 1971-72 (334 वर्ग मी०) जो कि गोपाल नगर, अमृतसर में स्थित है जैमा रजिस्टर्ड डीड नं० 2283/1 तिथि 20-9-78 आफ रजिस्ट्रेशन अथारिटी अमृतसर के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० धर,
संधार प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर,

तारीख : 17-4-79

मोहर :

प्रश्न प्राई. टी.एन.एस.—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय भारतीय आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 अप्रैल 1979

निदेश सं १० धारा १०/२९-८०/४—यत मुझे, एम० के० धर,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के प्रधीन संक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

श्री जिमकी सं १/४ भाग प्लाट जिमका क्षेत्रफल 1336 वर्ग मीटर है तथा जो कि गोपाल नगर अमृतसर में स्थित है (श्री इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्री और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर शहर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 22—11-1978 को

पूर्वोंका सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए स्थानिय की रही है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोंका सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह ग्रन्तिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे स्थानिय के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से लिया नहीं किया गया है :—

(क) स्थानिय में हुई किसी आय की वापत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में रहने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ५८/१।

(ख) एमा जिसी आय या किसी धन वा अन्य प्राप्तियों को, जिन्हे सार्वतीय आय कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लियाने में सुविधा के लिए;

अब अब, उक्त प्रधिनियम का धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम, धारा 269-ष की उपशारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

१ श्रीमती प्रीति कौर विद्वा श्री मेवा सिंह गली नं० २ द्वितीय मिह रोड अमृतसर। (अन्तरक)।

२ श्रीमती लीला वन्नी विद्वा श्री अर्जन दाम निवासी वर्गान जिला वरनाल। (अन्तर्गती)।

३ जैमा कि ऊपर सं २ में श्री और काई किंगांदार हो तो (वह व्यक्ति जिसने अधिभोग में सप्ति है)।

४ यदि कोई श्री व्यक्ति इस जायदाद में नवि रखता है। (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है तो वह सप्ति में हितबद्ध है)

१ श्रीमती गत दई विद्वा मोहन लाल, गोपाल नगर, अमृतसर।

२ श्री भगवान दास पुत्र मोहन लाल, गोपाल नगर, अमृतसर।

का यह सूचना तारी करके पूर्वान्तराम्पत्ति के अंतर्गत के लिए लापेदाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के सम्बन्ध में कोई भी आशेष —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तस्वीरी व्यवित्रों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंका व्यवित्रों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवास में किए जा सकते हैं।

उल्लंगकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रथम होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

१/४ माग प्लाट जिमका क्षेत्रफल 1330 वर्ग मी० ख्रमरा नं० ३३६, १-० ३३७, २-२ खाता नं० ८०१/८६३ जमाबदी माल १९७१-७२ (३३४ वर्ग मी०) जो फि गोपाल नगर अमृतसर में स्थित है जैमा कि रजिस्टर्ड डीड नं० ३०९१/१ तिथि ७७-११-२८ आफ रजिस्ट्रीग्रामारिटी, अमृतसर के कार्यालय में दर्ज है।

एम० क० धर
संक्षम अधिकारीमहायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर
तारीख १२-४-१९७९
मोहन

प्रत्यप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 17 अप्रैल 1979

निदेश सं० ए० एस० आर०/79-80/5—यतः मुझे, एम० के० धर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 1/4 भाग प्लाट जिसका क्षेत्रफल 1336 वर्ग मीटर है तथा जो कि गोपाल नगर, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15 दिसम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) वे बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिनाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अपौतः:—

1. श्रीमती प्रीतम कीर विधवा श्री सेवा मिह निवासी मकान नं० 21, गली नं० 7 हुकुम मिह रोड, अमृतसर। (अन्तरक)

2. श्रीमती आशा रानी पुत्री श्री अमर नाथ प्लाट नं० 42, गोपाल नगर, अमृतसर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किराएँदार हो तो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो तो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायंवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई स्त्री आक्रोप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही व्यर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 भाग प्लाट जिसका क्षेत्रफल 1336 वर्ग मी० खसरा नं० 336, 1-0, 337, 2, खाता नं० 801/863 जमाबन्दी साल 1971-72 (334 वर्ग मी०) जो कि गोपाल नगर अमृतसर में स्थित है जैसा कि रजिस्टर्ड डीड नं० 3400/1 तिथि 15-12-78 आफ रजिस्ट्रीरिंग अशारिटी अमृतसर के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० धर,
मक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 17-4-1979

मोहर :

प्रृष्ठ प्राई ३० टी० एन० प८०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 19 अप्रैल 1979

निदेश स० प० प८० प्रार०/बी टी एल/79-80/6—
यत मुझे, प८० के० धर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प
के प्रधीन मक्का प्राधिकारी को, यदृ विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर मम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी स० एक इमारत है तथा जो कि जी० टी०
रोड, बटाला में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय 7 बटाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 21 अगस्त, 1978
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रन्नतिरत्न की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल में, तेसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिक्ती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण विविध में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः यह, उक्त विनियम को धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपचारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधितियों, वर्तमान :—

1 श्री बलदेव राज, केवल कृष्ण पुत्रान श्राविया राम,
गाव बटाला मुहन्ला प्रेम नगर तहसील बटाला जिला
गुरदासपुर। (अन्तरक)

2 श्रीमती पुष्पा रानी पत्नी वेद प्रकाश 1/2 भाग
श्रीमती कमलेश रानी पत्नी सुदर्शन कुमार 1/2 भाग निवासी
बटाला, तहसील, बटाला। (अन्तरिती)

3 जैसा वि ऊपर न० 2 में और कोई किराएदार
हो तो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सप्ति है)

4 यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में सचि रखता
हो तो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सप्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर
सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

उपर्योक्तरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक इमारत जो कि जी० टी० रोड, बटाला में है जैसा
कि रजिस्टर्ड डीड न० 3663 तिथि 21-8-78 आफ
रजिस्ट्रीग्र अथार्टी बटाला के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० धर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर
तारीख 19-4-1979
मोहरः

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 20 अप्रैल 1979

निर्देश स० ए० एस० आर०/79-80/7—यतः मुझे,
एम० के० धर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,
और जिसकी स० भूमि जिसका क्षेत्रफल 43 कनाल है
तथा जो कि काला धनुपुर में स्थित है (और इससे उपावड़
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रेजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3 अगस्त,
1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
दृष्टिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिये ;

यतः मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ए के मनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा, (1) के
अधीन निम्नलिखित अविक्षियों, तथा— :—

1. श्री चन्द्र मिह पुत्र नरेश मिह गांव ढंड, तहसील
अबान जिला अमृतसर अब शरीफपुरा, अमृतसर। (अन्तरक)

7. श्री मुचो सिह, नव्या मिह पुत्रान करतार मिह
गांव काला धनुपुर तहसील अमृतसर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर स० 2 मे और कोई किराणदार
हो तो (वह व्यक्ति, जिनके अधिभोग में संपत्ति है)।

4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता
हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है
कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 43 कनाल (नहरी) खसरा
न० 51/2 7-12, 19 6-8, 12/2 6-19, 18/1
0-2, /12 3-7, /13 8, /19 6-2, 22/1 3-19
23/7 0-16, जो कि गांव काली धनुपुर तहसील अमृतसर
में है जैसा कि रेजिस्टर्ड डीड न० 613 दिनांक 31-8-28
आफ रजिस्ट्रिंग अधारिटी अमृतसर के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० धर,
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 20-4-1929

मोहर :

प्रारूप आई० ८० एन० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 20 अप्रैल, 1979

निरेश स० ए० एस० आर०/79-80/8—यत मुझे
एम० के० धरआपकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), कि
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राविकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में प्रधिक हैऔर जिसकी स० एक भूमि का टकड़ा है तथा जो कि सुलतान विड रोड, अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपाबन्ध अनु-
सूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी
के कार्यालय अमृतसर शहर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2 अगस्त,
1978 को

पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित भी गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अस्तरक (अस्तरको) और अस्तरिसी (अस्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से हुई किसी धार्य की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) एम० किसी धार्य या किसी धन या अन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनन्वार प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अस्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रत: प्रब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ब के अनु-
सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अचैत:—

०—६६GI/79

1 श्री देव राज पुत्र श्री गोगल दाम निवाली चौरस्टी
अडारी गनी जुल्का, मकान न० 314/11, अमृतसर (अल्टरक)2 श्री रवि मोहन कपूर पुत्र श्री मनोहर लाल कपूर
निवासी कूचा तवारिया, मकान न० 3561/11, अमृतसर।
(अन्तरिती)

3 जैमा कि ऊपर स० 2 में और कोई किराएदार हो तो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4 यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)।

को यद्युचना जारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए कार्यवाहिया करता हू।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के प्रसम्पत्ति में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस युचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्प्रदानी अधिकारी पर सूचना को तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पुर्वोक्त अधिकारी में प किसी अधिक द्वारा;

(ब) इस युचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रम्य अधिकारी द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही प्रबंधन जो उप प्रध्याय में दिया गया है।

प्रमुख

एक प्लाट जिसका क्षेत्रफल 954 वर्ग गज है जो कि सुलतान मिह रोड, अमृतसर शहर में है जैमा कि रजिस्टर्ड डीड न० 1707/1 आफ रजिस्ट्रीग अधारिटी अमृतसर शहर के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० धर
सक्षम प्रधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसरतारीख 20-4-1979
मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

भाष्यकर ग्रन्थिनियम, 1961 1961 के 43) की धारा
269-ब (1) के अन्तर्गत मूल्यना

भारत सरकार

कार्यालय महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

ਸ਼੍ਰਮੂਤਸਰ, ਦਿਨਾਂਕ 20 ਅਪ੍ਰੈਲ 1979

निर्देश नं० ए० एम० आर०/79-80/9—पत्र: मृक्षे,
एम० के० धर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम पाधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिमकी सं० एक भूमि का प्लाट नं० 24 है तथा जो कि गाँड़न कालोनी, अमृतसर में है (और इसमें उपाबृष्ट प्रन्तु सूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14 अगस्त, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का काण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उपर्युक्त दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरर (अन्तररकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, तिम्मलिखित उद्देश्य से तम अन्तरण फिर से अधिक रूप से कथित नहीं किया गया ।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(स) ऐसी किसी पायथ या किसी प्रत या प्रत्य भाष्यियों
ने, जिन्हे भारतीय आपकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) ग्रन्त धिनियम, या ब्रन-
कर व्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रत्येकार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए,

परतः प्रब्लेम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मैर्स पाइनीर इन्डस्ट्रीयल कार्पोरेशन, अमृतमर
द्वारा श्री राकेश नन्द, सीमा खप्ता और सुषमा खप्ता,
निवासी 61-दसौधा भिह रोड, अमृतमर। (अन्तरक)।

2. श्री राज कुमार पुत्र श्री महेश दाम और श्री अशोक कुमार पुत्र श्री राज कुमार कपूर रोड, अमृतसर C/O बेरी और कम्पनी

3. जैसा कि ऊपर में 2 में श्रौत कोई किरायादार होता है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)।

4 पदि श्रीर कोई व्यक्ति इम जायदाद म रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह मंपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहिकाएँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस मूलना के राज्यान्वय में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की समील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इम सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उबत स्थावर सम्पत्ति में हिन्दू किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के गाम लिखित में किए ज सकेंगे

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ दोगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अस्त्राय

एक भूमि का प्लाट नं० 24 जिसका क्षेत्रफल 454317 वर्ग मी० खसरा नं० 1332 जो कि सरकुलर रोड, अमृतसर में स्थित है जैसा कि रजिस्टर्ड डीड नं० 1801/1 तिथि 14-8-78 आफ रजिस्टरिंग अधारटी अमृतसर शहर के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० धर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 20-4-79

मोहर

प्रकृप माई० टी० एन० एस०—————

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269वा०(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

आज्ञन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 20 अप्रैल 1979

निवेदण सं० ए० एस० आर०/79-80/10—यतः मुझे,
एम० के० धर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वा०(1)
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्वाक्षर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 25 कनाल
18 मरले हैं तथा जो कि गांव तरसिका में स्थित है
(और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर शहर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 4 अगस्त, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रतिरक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्षाह प्रतिशत से
अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षों) और प्रत्यक्षिती (प्रत्यक्षितियों)
के बीच ऐसे प्रत्यक्ष के जिन्हें तब पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उल्लेख से उक्त प्रत्यक्ष जिक्रिय में वास्तविक
रूप से कवित नहीं किया गया है :—

(क) प्रत्यक्ष से हुई किसी धारा की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन के प्रत्यक्ष
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आक्षितियों
को, जिन्हें मारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिटी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया
जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिये;

यतः यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269वा० के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269वा० को उपाधारा (1)
के प्रधीन निम्नलिखित अधिकारी प्राप्ति :—

1. श्री धर्म सिंह पुत्र नन्द सिंह पुत्र हीरा सिंह निवासी
गांव तरसिका तहसील अमृतसर जिला अमृतसर। (अन्तर्क)

2. सर्वश्री धर्म सिंह, मलूक सिंह, अमरीक सिंह,
प्रीतम सिंह पुत्रान श्री सुरजन सिंह गांव तरसिका तहसील
अमृतसर जिला अमृतसर। (अन्तर्गती)

3. जैमा कि ऊपर मं० 2 मे और कोई किराएदार
हो तो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग मे संपत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद मे रुचि रखता
हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे मे अधोहस्ताक्षरी जानता है
कि वह संपत्ति मे हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजे० के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अज्ञन के सम्बन्ध मे कोई भी शाश्वेत—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरधी अविक्षितों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित मे किये जा सकेंगे।

ल्पव्यक्तिगत :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के
प्रध्याय 20-क मे परिमाणित है, वही
पर्याप्त होगा, जो उस प्रध्याय मे दिया गया
है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 51 कनाल 16 मरले 1/2
भाग (25 कनाल 18 मरले) जो कि गांव तरसिका
तहसील अमृतसर मे स्थित है जैमा कि रजिस्टर्ड डीड नं०
2964 तिथि 4-8-78 आफ रजिस्ट्रीग अधारिटी अमृतसर
के कार्यालय मे दर्ज है।

एम० के० धर

सक्षम अधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अज्ञन रेंज, अमृतसर

तारीख : 20-4-1979

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 20 अप्रैल 1979

निवेश सं० ए० ए० ए० आर०/79-80/11—यतः मुझे, एम० के० धर

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

जिसकी सं० कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 45 कनाल 4 मरले हैं तथा जो कि गांव गालोवाली में स्थित है (और इससे उपावड़ अनूसूची में और पूर्ण स्पष्ट में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 21 अगस्त, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिल की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिली (अन्तरिलियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाष्ठ उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तारक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिली द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था लिपाने में सुविधा के लिए ;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रबन्धण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपाधा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री बसन्त सिंह पुत्रान हरनाम सिंह गांव मजीठा तहसील अमृतसर।
(अन्तरक)

2. सर्वश्री गुरदीप मिह, सुरजीत सिंह पुत्रान शिंगारा सिंह मलूक सिंह, अमरीक सिंह, बिरसा मिह, सर्वजीत मिह पुत्रान मुख्तार मिह, लखा मिह, बलकार सिंह, हरभजन मिह पुत्रान उपकार मिह, निवासी काला धनुपुर तहसील अमृतसर जिला अमृतसर।
(अन्तरिली)

3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किराएदार हो तो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही ग्रन्थ होंगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 45 कनाल 4 मरले हैं जो कि गांव गालोवाली तहसील अमृतसर में स्थित है जैसा कि रजिस्टर्ड डीड नं० 3141 तिथि 21-8-78 आफ रजिस्ट्रिंग अथारिटी अमृतसर के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० धर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 20-4-1979

मांहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 20 अप्रैल, 1979

निदेश सं० ए० एम० आर०/79-80/12—यतः मुझे,
एम० के० घर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ष के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- इ० से अधिक है

और जिसकी सं० एक मकान है तथा जो कि बटाला में
स्थित है (और इसमें उपावद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बटाला
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 9 अगस्त, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रमत्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से
अधिक है और प्रतिफल (प्रतिफलों) और प्रमत्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रतिफल के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतिफल लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से कुई किसी पाय के बाद, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रतिक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी पाय या किसी बन या प्रथा आस्तियों को
जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथ
प्रमत्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना नाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम, जो धारा 269-ष के प्रतिफल
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अपार्ट ।—

1. श्री बैद करतार सिंह पुत्र जसवंत मिहू बटाला,
तहसील बटाला जिला गुरदासपुर कुण्डा आबादी, सरकुलर
रोड़, बटाला।
(अन्तरिक)

2. श्री मदन लाल, महिन्द्र कुमार पुत्रान श्री देव राज
और श्रीमती पुष्पा वती पत्नी श्री मदन लाल निवासी
बटाला, तहसील बटाला कुण्डा आबादी, सरकुलर रोड़, बटाला
(अन्तरिक्ती)

(3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किराएदार
हो तो। (वह व्यक्ति, जिसके अत्रधिभोग में संपत्ति है)।

4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता
हो तो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रन्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रन्जन के मंदिर में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी अवधियों पर सूचना की
तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
ममात्र होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवधियों में से
किसी अवधि द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अवधि द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
शब्द होगा जो उस अध्याय में विपा गया है।

अनुसूची

एक मकान जो कि कुण्डा आबादी सरकुलर रोड़ बटाला
में स्थित है जैसा कि रजिस्टर्ड डीड नं० 3585 आफ
9-8-78 आफ रजिस्ट्रींग अध्यारिती बटाला के कार्यालय
में वर्ज है।

एम० के० घर
सभाम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण
ग्रन्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 20-4-1979
मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एस०—

आपकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन क्षेत्र, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 20 अप्रैल 1979

निवेदन नं० ए० एस० आर० 79-80/13—प्रत : मुझे
एम के० धर

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उचित प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी संलग्न कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 39 कनाल 2 मरले हैं तथा जो कि गांव लालपुर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय तरन-तारन रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 8-8-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि दृश्यमान प्रतिफल सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का फन्दह प्रतिशत से अधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और प्रस्तरिति (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखत में बास्तविक रूप से लिखित नहीं किया गया है :—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी धार्य की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धार्य या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थी अस्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

प्रत : प्रबृ उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ष की उपाधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अस्तरि :—

1. श्री दर्शन सिंह पुत्र जोध सिंह गांव लालपुर, तहसील तरन तारन जिला अमृतसर। (अन्तरिक)
2. श्री जगतार सिंह सिंह पुत्र मंगल सिंह गांव : लालपुर तहसील तरन तारन अमृतसर। (अन्तरिकी)
3. जैसा कि ऊपर सं० में और कोई किरायेदार हो तो (वह अविक्त, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुची रखता हो। जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आमेप --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तरसम्बन्धी अवित्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अवित्त द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

उपलिखित :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रधाय 20-क में परिभ्रान्ति हैं, वही प्रबृ होगा, जो उस प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 39 कनाल 2 मरले हैं जो कि गांव लालपुर तहसील तरन-तारन में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रेशन डीड नं० 3831 दिनांक 8-8-78 आफ रजिस्ट्रीग्राम प्रथारिटी तरन-तारन के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० धर
मक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 20-4-79
मोहर :

प्रस्तुप ग्राई० टी० एन० एस०-----

आपकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 20 अप्रैल, 1979

सं० ए० एस० आर०/79-80/14—यतः मुझे, एम०
के० धर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० ए० एक इमारत नं० 5 है तथा जो कि बाजार टाहली साहिब, अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपावस्था अन्सूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के वार्षिक, अमृतसर शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13 सितम्बर, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पर्याप्त प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक से रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन व अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती राज भला विधवा श्री वृज भूषण भला निवासी चण्डीगढ़, सेक्टर 21, कोठी नं० 320। (अन्तरक)
2. श्रीमती कमलावती विधवा श्री मदन मोहन निवासी लकड़ मण्डी, गली कम्बोजां, मकान नं० 2126, अमृतसर। (अन्तरिती)

3. जैमा कि ऊपर नं० 2 में और कोई किशोपदार हो तो मर्वशी 1. माई दाम, 2. हजारी लाल और कं०, 3. मुंशी राम बिहारी लाल 4. फकीर चन्द 5. शाम लाल अग्रवाल 6. हीरा लाल द्वारा इमारत नं० 5 बाजार टाहली साहिब गली व कीलां, अमृतसर।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)।
4. यदि और कोई व्यक्ति इस संपत्ति में स्वचित रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उम सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्स्थान्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक इमारत नं० 5 जो कि बाजार टाहली साहिब गली वकीलां अमृतसर में है जैमा कि रजिस्टर्ड डीड नं० 2165 दिनांक 13-9-78 आफ रजिस्ट्रेंग अथारटी अमृतसर शहर के कायलिय में दर्ज है।

एम० के० धर,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख: 20-4-1979

मोहर:

प्रकल्प आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) को भारा

26९व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 20 अप्रैल 1979

निदेश सं० ए० एम० आर०/79-80/15—पतः मुझे, एम० के० धर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 26९व के अधीन सकम प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपये से अधिक है

और जिसकी सं० ए० एक भूमि का प्लाट है तथा जो कि मजीठा रोड, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14 मित्तम्बर, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दण्डमान प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूम्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और प्रत्यक्ष (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए वृथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रवृत्तण लिखित भौतिक रूप से कर्तित नहीं किया गया है :—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में धुक्का के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी आय या डिमी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुधिका के लिए;

प्रतः प्रब, उक्त अधिनियम की भारा 26९व के प्रनुसरण में, उक्त अधिनियम, की भारा 26९व की उपाय (1) अधीन निम्नलिखित अधिकारी, प्रयोग्यतः :—

1. श्रीमनी चन्द्र मोहिनी पत्नी श्री पृथ्वी नाल पुत्री श्रीमती राम कुमारी निवासी ९ मजीठा रोड, अमृतसर। (अभ्यरक)

2. डा० गुरुमुख मिह बाबा पुत्र श्री गुरदियाल मिह बाबा, निवासी अमृतसर मजीठा रोड, मकान नं० २, रघुनाथपुरा। (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर मं० २ में और कोई किराएँदार हो तो (अह अवक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)।

4. यदि और कोई अवक्ति, इस संपत्ति में हचि रखना हो श्री जगत नाथ पुत्र श्री नन्द नाल, निवासी मजीठा रोड, अमृतसर। (वह अवक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवक्तियों में से किसी अवक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अवक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही पर्यंत होगा, जो उस प्राप्त्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट जिसका क्षेत्रफल 500 व० मी० (600 वर्ग गज) खसरा नं० 1378, 1376 और 1379 जो कि मजीठा रोड, सामने रघुनाथपुरा, अमृतसर जैसा कि रजिस्टर्ड डोड नं० 2188 दिनांक 14-९-७८ आफ रजिस्ट्रीर अधारिटी, अमृतसर शहर के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० धर
सकम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 20-4-1979

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 20 अप्रैल 1979

निर्देश सं० अमृतसर/79-80/16—यत, मुझे, एम० के० धर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 1/1 नाम पत्रांतरकर 1336 वर्ग मीटर है, तथा जो फिरोजाल नगर अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण हा में वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, प्रमृत नर दहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 9 सितम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथार्थीकृत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रत्यारोपी (प्रत्यारोपियों), के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नर गता गता प्रतिकृत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उसमें वचनों में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रविनियम, या धनकर प्रविनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रविनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

7-66GI/79

- श्रीमती प्रीतम कौर विधवा श्री सेवा सिंह गली नं० 2, हुकम सिंह रोड, अमृतसर (अन्तरक)
- श्रीमती तुलसी देवी पुत्री लाला टोपन दास कूचा लम्बां, अमृतसर (अन्तरिती)
- जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किराएदार हो तो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हो)
- यदि और कोई व्यक्ति इस जाप्रदाद में हचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्णीकृत सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :—

- इस सूचना के राजात्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

१ भाग प्लाट जिसका क्षेत्रफल 1336 वर्ग मी० खसरा नं० 336, 1-0, 337, 2-2 खाता नं० 801/863, जमाबन्दी साल 1971-72 (334 वर्ग मी०) जो फिरोजाल नगर में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 2282/1 तिथि 20-9-78 आफ रजिस्टरिंग अथारटी अमृतसर के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० धर
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 20-4-1979

मोहर :

प्रसूप मार्ट०ट०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर मायकन (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमतभर

अमृतसर, दिनांक 21 अप्रैल 1979

निर्देश सं० अमृतगर/79-80/17--यत, मुझे, एम०
के० धर,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त प्रविधियाँ' नहीं गया है), को धारा 269-ख
के अधीन सभी गविनारों ने रु. 5000 रुपये का कारण
कि स्वावर स्पति, जिनमें उन्नित वाजार मूल्य 25,000/-
परे में घटिक है।

और जिनकी स० भूमि जिसका धेनुकफल 32 रुपाल 10 मरले हैं तथा जो कि कालाधनपुर मे स्थित है (और इसमे उपावच्छ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री हर्ता अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24 म्रागस्त 1978 को पूर्वोक्त वस्ति के उचित बाजार मूल्य मे कम के दृष्टमात्र प्रतिक्रम के लिए अन्वयित को गई है और मुझे यह विश्वाय करने का लारग है कि इषार्वाचा वस्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमात्र प्रतिक्रम न देख दृष्टमात्र प्रतिक्रम का वार्षिक प्रतिशत से प्रविष्ट है और अन्वरक (अन्वरकों) और प्रस्तुरितों (पन्नरितियों) के बावें देख अन्वरक के लिए तय पाया गया प्रतिक्रम निम्नकिंवित उद्देश्य से उक्त अन्वरण लिखित में वास्तुविक रूप से कवित नहीं किया गया है :—

(क) प्रनालण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त प्रविनियम के अधीन कर देने के घट्टरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए, प्रौर्या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसके अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथे अन्तरितो द्वाये प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

एततः प्रबृत्ति उक्त प्रतिनियम की धारा 269-ग के अनुमतिरण में, मै. अक्त प्रतिनियम की धारा 269-ब की उपशारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्पातः—

1. श्री चनन मिह पुत्र श्री नरेम्र मिह गाव ढड, तहसील
क्षबाल जिला अमृतसर
(अन्तरक)
2. श्री करतार मिह पुत्र श्री सेवा मिह निवासी गाव काला
धनुपुर तहसील अमृतसर
(अन्तरस्ती)
3. जैमा कि ऊपर स० 2 मे श्रीर कोई फिराएशार हो तो
(वह व्यक्ति, जिसके प्राधिभोग मे सम्मति है)
4. यदि श्रीर कोई व्यक्ति इस परान्ति मे रुचि रखता हो
(वह व्यक्ति, जिसने यारे मे अपोहनाक्षरी जानता है
कि वह सम्मति मे हिलड़ है)

को यह सूतना जारी नहीं कर सकती नमस्ति के प्रतीक के लिए शर्यतवाहिना करता है।

उक्त मम्पत्ति के प्रयोग के उत्तराधि में राइ भी आये।—

(क) इस मूल्यांकन के राजपत्र में प्रकाशन का तारीख से 45 दिन की अवधि या अन्तम्बन्धों अविकल्पों पर मूल्यांकन की जामीन से 30 दिन की अवधि, और भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अविकल्पों में से फिसों व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस मूल्यांकन के राजपत्र में प्रकाशन ही तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीयद्वितीय किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्राप्तिशाक्तरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण 1:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही
पर्यं द्वारा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रत्यक्ष

कृषि भूमि जिमका क्षेत्रफल 32 कनाल 10 मरग्ले (नहरी) खमरा नं० 51/7/1, 2-12, 7/3, 0-17 7/2, 3-3, 8/7-11, 21-4-78 114, 8-00, 17 2 2-7, 13 8-, जो कि गाव काला धनुपुर तहसील अनुपगढ़ जैया कि रजिस्ट्रेड डीड नं० 601 दिनाक 2 ब-78 आफ रजिस्टरिंग अधारटी अमतसर के कार्यालय में दर्ज है ।

प्रमो के० धर
मक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
प्रबंधन रेज, अमतसर

तारीख : 21-4-1979

मोहर ३

प्रकृत्य आई० टी० एन० एम०—

आपहर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, फरीदकोट

फरीदकोट, दिनांक 26 अप्रैल 1979

निर्देश सं० ए० पी० 551/फरीदकोट/79-80—यतः मुझे, पी० एन० मलिक, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रविनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो डोंगर बस्ती में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजन्त्री निरीक्षणकारी क कार्यालय, फरीदकोट में रजिस्ट्रीरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1978 को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित का गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वान्तर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एवं दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता (अन्तरितियों) के बावजूद अन्तरग के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्यय त उक्त अन्तरग के लिए वास्तविक रूप से कथित नहीं हिला गया है:—

(क) अन्तरग से हृदय हिला गया की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधानियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तार्ता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जनेन्द्र पाल सिंह, परमपाल मिह, सुखपाल मिह सपुत्र होणियार सिंह पुत्र गुरदित सिंह और श्रीमती मनमोहन कीर पत्नी होणियार सिंह, फरीदकोट (अन्तरक)

2. श्री भगत राम द्वारा मैं भगत राम मोहन लाल, प्रेन मण्डी, कोटकपुरा।
(अन्तरिती)

3. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह समाज में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करक पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त उत्तरित के प्रत्येक के उत्तर में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र ने प्रकाशन की तारीख से 45 दिन का प्रत्यधिया तक अनुसन्धान व्यक्तियों पर सूचना का गमन में 30 दिन का प्रबंध, जो भा अधिकार ने गमनात हांगा हा, क भातर पूर्वान्तर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भातर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इतम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क, में परिभाषित हैं, वहां प्रयोग होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक विलिंग जो कि डोंगर बस्ती फरीदकोट में जैसा कि विलेव नं० 2261 तितम्बर 78 रजिस्ट्री निरीक्षणकारी करीदकोट में लिखा है।

पी० एन० मलिक
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, फरीदकोट

तारीख : 26-4-79

मोहर :

प्रारूप मार्फत टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मोगा

मोगा, दिनांक 26 अप्रैल 1979

निर्देश सं० ए० पी० 552/मोगा/79-80—यतः मुझे,
पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
पुराना कोटकपुरा मे स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
मोगा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख अक्तूबर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिती
(भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत 'उक्त
अधिनियम' के अधान कर देने के भन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य भास्तियों
को जिरदे भास्तीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाये तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या यिया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा दे लिए;

यतः यद्य, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की
उप-धारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—

1. (1) श्री हरदयाल रिहू पुत्र वहलसिंह (अन्तरक)
(2) श्रीमती हरीर होर मिवां श्री बहल सिंह पुत्र
पुत्र किशन तिहू, मोगा।

2. श्री सुरिन्द्र कुमार मनोचा पुत्र जगदीप राय मनोचा पुत्र
बरकत राम, मकान नं० 716, महल्ला कुमीका गोवार,
मोगा।

3. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति जिनके अधिमोग में संपत्ति है)

4. जैरा कि उत्तर नं० 2 से जैरा है। (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में जप्रोहस्ताक्षरों जानना है कि
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।

को यह सूचना जारी करके दूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीर्या करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के भम्बन्ध में कोई भी भास्तेप:—

(क) इस सूचना के गत्तेवत्त में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या नत्मंदंगी व्यक्तियों पर सूचना
की नामील ३० दिन की प्रवधि, जो भी अवधि बाद
में नमाल होने द्दे, के भानर प्रत्येक व्यक्तियों में
से किमी व्यस्ति द्दारा;

(ख) इस सूचना के गत्तेवत्त में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भानर इन स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किमी अन्य व्यक्ति द्दारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों 'परं परं' का, जो उक्त
अधिनियम के गत्ताय 20-के
परिभास्त है, उनी पर द्दारा, जो उस अन्या
में हित नहीं है।

अनुसूची

एक रिहायशी मकान, पुराना कोटकपुरा, नजदीक बस अड्डा,
जैसा कि विलेख नं० 5222 अक्तूबर 78, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
मोगा में लिखा है।

पी० एन० मलिक,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, मोगा

तारीख: 26 अप्रैल 1979

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मोगा

मोगा, दिनांक 26 अप्रैल, 1979

निवेश नं० ए० री० 553/गमजी०/79-80—ग्रत: मुझे पी एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), वी धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवाद करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है और जिसकी गं०

जैसा कि अनुसूची में जिख़ा है तथा जो गान्धी रोड, मोगा में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीड्युक्टर अधिकारी के कार्यालय, मोगा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 10) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1973 को र्त्रीन व्यापारिके उजिंग वाजार मूल्य में कम के दृष्यमान प्रतिक्रिया के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विवाद करने का लाभ है कि यहाँपूर्वक सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृष्यमान परिकल से ऐसे दृष्यमान प्रतिक्रिया का पन्द्रह शतांश से अधिक है और प्रत्यक्ष (अन्तररक्तों) और अन्तर्गती (अन्तरिक्षीय) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिक्रिया, जिसनिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाओं में सुविधा के लिए;

ग्रत: अब, उक्त अधिनियम की प्राप्ति, 269 व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपत्रारा (1), अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्—

1. श्री दिग्गज लाल पुत्र श्री मातृग दारा पुत्र पृथी मल
(2) नजिमन राय पुत्र नमू राय पुत्र पृथी मल और्बी मोगा मंडी।

2. श्री अमृत लाल, विश्व बन्धु और विजय कुमार सपुत्र श्री मुकन्द लाल पुत्र श्री पृथी मल द्वारा कुलदंत राय मुकन्द लाल पुरानी मंडी, मोगा।

3. जो व्यक्ति सम्पत्ति में स्विरखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सतति है)

4. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति जिसके द्वारे में अवौद्धारणी जाहीर है कि वह गमनी में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके गृहीत प्रति उक्त प्रति के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रति हें पंचामे रुपौ भी प्राप्त हैं—

(क) इस सूचना के गत्रवत् वें प्राप्ति जो उक्त वें 45 दिन से प्रतिया रारंभ होकर सत्यों पर सूचना की तारीख ने 30 दिन से प्राप्ति, और भी प्रतिवाद में समर्पण होता है, कि मोगा पूर्णतावर्तीयों में से किसी अधिक द्वारा;

(ख) इन सूचना ने उक्ता देता को तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त प्राप्तवादों में दृगद्वितीयी प्रत्यक्ष वाले द्वारा, प्राप्तवादी द्वारा गवाहां में किए जा सकें।

साडीहरण:—इसमें प्राप्त अन्य और पर्याप्त का, जो उक्त अधिनियम के प्रयोग 20-6 में परिप्रेक्षित है, वही अर्थ होगा, जो उक्त प्रयोग में दिया गया है।

अनुसूची

एल एन्ट्री 5 का जो कि गांधी रोड, मारा जैसा कि विलेख नं० 5785, नवम्बर 1978 जैसा कि रजिस्ट्री कर्ता प्रधिकारी मोगा में लिखा है।

पा० एन० मलिक,
नक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मोगा

तारीख : 26 अप्रैल 1979

मोहर :

प्रत्येक आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय महायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मोगा

मोगा, दिनांक 26 अप्रैल 1979

निदेश नं० एपी 554/एम जी ए/79-80—अतः मुझे
पी० एन० मलिव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पांचाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25 000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जैगा कि अनुसूची

में लिंग है तथा जो गांधी रोड, मोगा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुकूलों ने प्रीर्पुर्ग द्वारा ने वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्गली रोडा ने रजिस्ट्रीकर्ता अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, नारीख नवम्बर 1978 को

पूर्वोत्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिन की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोत्तर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिनों (अन्तरिनियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्ननिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रत्यरण से हुई किसी भाष्य की बाबत उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में रुपी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ग) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे पारतोय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किसी जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के प्रधीन निम्ननिखित अस्तियों, मर्यादा :—

1. श्री निहान जन नुव्र राम पुत्र पृथी मल
(2) ल जातीय पुत्र ल नुव्र राम पुत्र (पृथी मल वासी मोगा मंडी)।
(अन्तरक)

2. श्री अरूपल विवर बन्ध और विजय कुमार सुल श्री मुकन्द
ल.ल. पुत्र श्री पृथी मल वारा कुलंत राय मुकन्द ल.ल. पुरानी
मंडी मोगा।
(अन्तरिनी)

3. जो वर्किन सम्पत्ति में उचित रखता है।

(इ) वर्किन, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जैवाकिऊर नं० 2 में लिंग है।

(व) वर्किन, जिनके बारे में अद्योहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

की पृथी मुकन्द जाते कर्म पूर्णका तथाति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उचित-सम्पत्ति के अर्जन के प्रमाण में कोई भी ग्राहकेव :-

(क) इन सूचना के रात्राव में प्रकाशन की नामीख से
45 दिन नो अग्रिया ता तत्सम्बन्धी वर्किनों पर
सूचना की नारीव्र में 30 दिन की व्रवधि, जो भी
व्रवधि वार में सरान हो गी ही, के भीतर एवं स्त
वर्किनों में से हिस्ती वर्किन द्वारा;

(ख) इन सूचना के रात्राव में प्रकाशन की नारीव्र से
45 दिन नो भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद्ध किसी गांग वर्किन द्वारा, प्रगात्मक्षरी के
पास निखित में किए जाएंगे।

संख्योकरण :—इनमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अन्तर्गत 20-क में परिभाषित
है, वही प्रवृत्त होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक प्लाट 5 रु० जो कि गांधी रोड मोगा जैसा कि विलेख
नं० 5784, नवम्बर 1978 जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
मोगा ने लिखा है।

पी० एन० मलिक
मन्त्री प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, मोगा।

तारीख : 26-4-1979

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई. टी० एम० एस० ——

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन मूच्चना
भारत सरकार

कार्यालय, महायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक, 22 फरवरी 1979

निर्देश सं० 454/एस०-III/78-79/कल अन: मुझे, भास्कर
मेन,

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के अधीन मन्त्रमं प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण
है कि स्थावर गमति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसी स० लाइ 2 बिं है जो 33, डा० राजेन्द्र रोड,
कलकत्ता में स्थित है (और इसे उत्तरांश अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीर्ड अधिकारी के नामता, बलवत्ता में,
रजिस्ट्रोरण, अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 3-8-1978

को वॉक्ट अधिकारी के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
कल के लिए अन्तरिक की गई है और मृत्यु यह विष्वास करने
का कारण है कि यथावॉक्ट अधिकारी का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिपत्ति से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिकी
(अन्तरिक्षों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उपरे बचन में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसो किसी भाव या किसी बचन या अन्य प्राप्तियो
को, जिन्हे भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावै
अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाता चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपाया (1)
अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्जन, ।—

1. प्रनामिका विल्हेम प्रांतो लिमि० (अन्तरक)
20 गनेश चन्द्र एमित्यु, कलकत्ता ।

2. रमेश मेहता और नरेश मेहता (अन्तरिकी)
33 डा० राजेन्द्र प्रसाद रोड, कलकत्ता ।

को यह सूचा जागे करके दूर्वास्त ग्रान्ति के प्रज्ञन के
लिए कार्यशाहिर करना है।

उक्त ग्रान्ति के प्रारंभ के तिथि दे लाइ भा० प्रायोदः—

(क) इस ग्रूपना के राजवाच में प्रकाशर का नारीख व
45 दिन की अवधि या तत्त्वावधि व्यक्तियों पर
मूच्चना की तामोल में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि शाद में समाप्त होती है, क भीतर पूर्वोक्त
उपक्रियाएँ में में किसी व्यक्ति द्वागा;

(ख) इस ग्रूपना के राजवाच में प्रकाशन का नारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधादस्ताभरा के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्वाक्षीकरण :—इसम प्रयुक्त शब्दों और इसे जा० जा० उक्त
अधिनियम के अन्याय 20 के परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अन्याय में
दिया गया है ।

अनुसूची

समुच्चा फुट '2बि' जो 33 डा० राजेन्द्र रोड कलकत्ता पर
अवस्थित ।

भास्कर मेन
मक्षम प्राधिकारी,
कार्यालय सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, III
54, रफी अहमद किदवई रोड,
कलकत्ता-16 ।

तारीख : 22-2-1979

मोहर :

प्राप्ति आई० टी० एन० एस०

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 22 फरवरी 1979

निर्देश मा० 155/एन्ट्रे०III/78-79/।।।—मत: मुझे, भास्कर
सेन,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थानीय विधियाँ नियमका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु
से अधिक हैं।और जिरा० स० फुट० ६ वि०, नै इता० ३३, डा० राजेन्द्र रोड,
कलकत्ता मे० दिना० है (यह उक्त उपचार अनुमूली भै जो पूर्ण रूप मे०
विद्या० है), रजिस्ट्रीरी अधिकारी के नियमका, कलकत्ता मे०
रजिस्ट्रीरी अधिकारी के नियमका 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 12-८-1978को पूर्वोक्त सम्भाल के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करते हो गारण है कि यहाँ पूर्वोक्त सम्भाल का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्ष) और
अन्तरिक्ष (प्रत्यक्षियों) के बाव ऐसे प्रत्यक्षण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्ननिवित उद्देश्य से उक्त अनुराग
लिखित में वास्तविक रूप मे० किया गया है:—(क) प्रत्यक्षण ने इसी नियम को बाबत उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष के
दायित्व मे० रखी करने या उससे बचने मे० सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनुरित
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने मे० सुविधा के लिए;अतः ग्रन्त, उक्त अधिनियम, को धारा 269-ग के अनुसरण
मे० मे०, उक्त अधिनियम का धारा 269-घ की उपधारा (1)
प्रधीन निम्ननिवित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- अन्तरिक्ष विल्डर्स प्रा० लि०
20 ग्रेश चन्द्र एम्प्ल्यू, कलकत्ता
- केरार नाथ बोस
5 बि०, रासेल स्ट्रीट, कलकत्ता

(प्रत्यक्ष)
(प्रत्यक्षिय)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्भाल के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त नियम के अन्तर्गत ये नोई भी प्राप्तेः—

- इप्प एकांता के राजान मे० प्राप्तान की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना ही नापोन मे० 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद मे० समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों मे० मे० हिंग व्यक्ति द्वारा;
- इप्प एकांता के राजान मे० प्राप्तान की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्भाल मे० हिंग व्यक्ति
किसी प्राप्ति व्यक्ति द्वारा, यद्योहस्ताकरी के पास
तिवित मे० किए जा जाएंगे।

संशोधन राजाने प्राप्त गवर्नर और पर्सों का, जो उक्त
प्रतिशत अन्तर्गत 20-रुपये मे० परिभासित
हो रहे हैं वे उक्त ग्रन्त अन्तर्गत मे० दिया
गया है।

प्रनुमत्ती

सनुमत्ती कुट '6 वि' जो 33, डा० राजेन्द्र रोड, कलकत्ता पर
अवस्थित।भास्कर सेन
सक्षम प्राधिकारी
महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज III
54, राफौ अहमद किल्डर्स रोड,
कलकत्ता-16

दिनांक : 22 फरवरी 1979

मोहर :

प्रत्येक शार्ह० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कलकत्ता
कलकत्ता, दिनांक 22 फरवरी, 1979

निर्देश सं० 459/पकृ०-०—III/78-79/कल०—अतः मुझे,
भास्कर सेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी मं० फुट 5 बि० है तथा जो 33, डॉ राजेन्द्र रोड,
कलकत्ता में स्थित है और इससे उपावस्था अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के बायर्सर, वस्त्र त्रयी में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 3-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
विवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, ठिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्पातः:—

8-66GI/79

1. मैसर्स अनामिका बिल्डर्स प्रा० लिमि० (अन्तरक)
20 गणेश चन्द्र एवेन्यू, कलकत्ता
2. गिना धोष दस्तिदार (अन्तरिती)
33, डॉ राजेन्द्र रोड, कलकत्ता

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
—किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रोइस्नाकर्ने के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

समूचा फ्लैट '5 बि' जो 33 डॉ राजेन्द्र रोड, कलकत्ता पर
अवस्थित।

भास्कर सेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेज III
54, रफी अहमद किदवर्ही रो
कलकत्ता-16

दिनांक: 22-2-1979

मोहर :

प्रकृष्ट प्राइवेट टी० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 फरवरी 1979

निवेदा सं० ए० सि० 53/रेंज-IV/कल/1978-1979
—यतः, मुझे, एम० के० दामगुप्ता,
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उ०१ अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी संख्या पी-148 है तथा जो डलाक-बी, लेक टाउन,
कलकत्ता-55 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूपसे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 16-8-1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास करने
का कारण है कि यथाप्रूपकृत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब याचा गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में
वास्तविक रूप में निर्धारित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में दूर्वा किसी प्राय सी बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए, और/या

(म) एसो सो प्राय या विसो धन या अन्य आस्तियों
को जिन भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था उपराने में सुविधा
के लिए;

यतः यद्यपि, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में,
उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपराना (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अवृत्ति:—

1. श्री महदानन्द दास (अन्तरक)
2. श्री माखन लाल सेन, प्रबीर कुमार सेन, सुशमु सेन
(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी जरूर पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रंथन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त संपत्ति के ग्रंथन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि पर तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोहस्तान्तरी के पास
निवास में किए जा सकें।

स्थावीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
उन्हीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

पी० 148, डलाक-बी, लेक टाउन, कलकत्ता-55 में स्थित
4 कट्टा 2 स्कॉ० फिट खाली जमीन, जैसे के दलील सं० 4102
(1978 का) में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, II कलकत्ता
54, रफी अहमद किंदवई रोड, कलकत्ता-16

दिनांक : 6-2-1979
मोहर.

प्रकृष्ट प्राई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायालिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 अप्रैल 1979

निर्देश सं. 5 ए. सी. ०/रेंज, IV कल/1979-80—अतः,
मुझे, एस० के० दासगुप्ता,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प
के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक हैऔर जिसकी सं. जे० ए.ल० नं० 18 है तथा जो पी० एन० मयना-
गुरी डि० जलपाईगुरी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायालिय,
कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक 1-8-78को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिक्षण के लिए प्रत्यरित की जाई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के
पश्चात प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा याद गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यरित
निम्नित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्रासितियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा-
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों पर्याप्त हूँ:—

1. श्री गनपतराय पाटनी (अन्तरिती)
2. श्री ज्ञानचन्द्र पाटनी (अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्तियों वर्त
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के बीतर पूर्वोक्त
अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के बीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में वित्तव्य
किसी अव्य अवित्त द्वारा, अधोहस्ताकारी के बात
निवित में किए जा सकेंगे।संक्षेप:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

तीजी नं० 84, ज० ए.ल० नं० 11, पी० एम० मयना-गुरी
परगाना साउथ मयनागुरी, जमीन का परिमाण 15.124 बिंदा।एस० के० दासगुप्ता
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, 54, रफी अहमद किल्वाई रोड, कलकत्ता-16दिनांक : 6-4-79
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, मंहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 अप्रैल 1979

निर्देश सं० ए० सी० 6/रेंज/V/कलकत्ता/1979-80—यतः, मुझे, एस० के० दासगुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्पावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० दाग नं० 438 है, तथा जो भीरिंगी, दुर्गपुर-13 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 16-8-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कापित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायां अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरमें, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री दुर्गादास चटर्जी, धर्मदास चटर्जी और चर्णदास चटर्जी (अन्तरक)

2. श्री बासवेंद्रो साहू (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्पावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नचन रोड, भीरिंगी, दुर्गपुर-13 में स्थित 5 कट्टा (5 Kattas) खाली जमीन है। खनियान नं० 1235, दाग नं० 435, डिं वर्धमान।

एस० के० दास गुप्ता
सक्षम प्रधिकारी
मंहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कलकत्ता
तारीख : 9-4-1979
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 अप्रैल 1979

निर्देश सं० ए० सी०-७/रेंज-IV/कलकत्ता/1979-80—
यतः, मुझे, एस० के० दासगुप्ता,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 अ (1)
के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
ह० से अधिक है

और जिसकी सं० जे० एल० सं० 110 है, तथा जो थाना—
सिलिगुड़ि, जिला दार्जिलिंग में स्थित है (और इससे उपावन्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी
के कार्यालय, सिलिगुड़ि में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-8-78 तथा 22-8-78
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित अविक्तियों अर्थात् :—

1. श्री जबरमल पिपलवा उर्फ समी, गर्भर पिपलवा
उर्फ समी, किशोर कुमार पिपलवा उर्फ सर्मा, अशोक
कुमार पिपलवा उर्फ समी, पवन कुमार पिपलवा
उर्फ समी तथा ललि कुमार पिपलवा उर्फ समी
(अन्तरक)

2. श्रीमती पुण्या देवी अग्रवाल
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

उपलब्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

.070 एकर जमीन साथ मकान जो के जिला—दार्जिलिंग
थाना तथा मौजा सिलिगुड़ि, जे० एल० सं० 110, ख० सं०
2395, प्लाट सं० 8486 पर स्थित है, जैसे के दलिल सं०
4726 दिनांक 22-8-78 तथा दलिल सं० 4624 दिनांक
9-8-78 में और पूर्ण रूप से वर्णित है तथा उस दलिलों से
अन्तरित हुई है।

एस० के० दासगुप्ता
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कलकत्ता
तारीख : 6-4-1979
मोहर :

प्रकृष्ट प्राई. टी. एम. एस.-----

आयकर भवित्वनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, विनांक 19 जनवरी 1979

निर्देश सं. 39/ए०यू०जी०/78—यतः मझे, ओ आनन्दराम, आयकर भवित्वनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भवित्वनियम' कहा गया है), की धारा 269 अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है

और जिसकी सं०

है, तथा जो वेंकटरमन-सामी कोवील स्ट्रीट, दरमपूरी में स्थित है (और इससे उपावन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, दरमपूरी (डाक० सं० 1601/78) में रजिस्ट्रीकरण भवित्वनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-8-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तब पाया या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आव या बावत, उक्त भवित्वनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वापिसी में कमी करने या उसमें बचने में मुदिष्ठा के लिए; और/या

(म) ऐसी किसी आव या किसी अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर भवित्वनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अवित्वनियम, या उनके अवित्वनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाय या किया जाना चाहिए था, किसाने में मुदिष्ठ के लिए;

अतः, यदि उक्त भवित्वनियम की धारा 269 अ के अनुसरण में, यैं, उक्त अवित्वनियम की धारा 269 अ की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अवृत्त :—

1. श्री आर० नरसिंगराव और दस श्रद्धसं (अन्तरक)
2. श्रीमती लक्ष्मी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवृत्त के लिए कार्यवाहियों करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अवृत्त के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्यों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से किसी अवित द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अवित द्वारा, अधोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अवित्वनियम, के प्रध्याय 20 के परिभाषित हैं, नहीं पर्यंत होगा जो उम प्रध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि और घर, वेंकटरमनसामी कोवील स्ट्रीट, दरमपूरी में ।

ओ० आनन्दराम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 19-1-1979

मोहर :

प्रस्तुप भाई० टी० एन० एम०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269वा० (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कायालिय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 19 जनवरी 1979

निर्देश सं० 47/ए० यू० जी०/78—यतः मुझे, श्रो० आनन्दराम,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें उम्मेद के पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वा० (1) के प्रधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/- इ० में प्रधिक है

तथा जो काफी एस्टेट, एरकाइ, सेलम जिला में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कायालिय, एस० आर० श्रो० एरकाइ (आकु० सं० 160/78) में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 31-8-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित आजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रतिक्रिया की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य, उम्मेद के दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उत्तेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया ।—

(क) अन्तरण से हुई नियी आय की बाबन, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायिस में हमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किनी प्राप्त या किसी त्राया अन्न प्रासियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गत द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः यव, उत्तर प्रधिनियम की धारा 269वा० के अनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269वा० की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित वर्किनियों, अर्थात्:—

1. श्री रालक एरलेस्ट एगजेवीयर

(अन्तरक)

2. कुमारी मीनाक्षी और प्रदर्श

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तस्वीरधी व्यक्तियों पर भूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में नामांत होती हो, के भीतर पूर्वोक्त वर्किनियों में में किसी वर्किन द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखिल में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

18.41 एकसे काफी एस्टेट, एरकाइ में।

श्रो० आनन्दराम
संक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 19-1-1979

मोहर :

प्रलेप भाई० टी० एन० एस०—

(1) श्री बालकृष्णन

(अन्तरक)

ग्राम्यकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा
269व (1) के अधीन सूचना

(2) श्री संकरलींगम

(अन्तरित)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्राम्यकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 20 जनवरी 1979

निवेश सं० 53/ग्राम्यकर/78—ग्राम मुझे श्रो० आनन्दराम आयकर ग्राम्यकर, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'ग्राम्यकर ग्राम्यकर' कहा गया है), की घारा 269-व के अधीन तत्काल प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो दोरसामीपूरम गांव वाकी-बड़मपट्टी पंचायट में स्थित है (और इससे उपावद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० आर० श्रो० शिवकाशी (डॉ० सं० 2144/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्राम्यकर, 1908 (1908 का 16 के अधीन 19-8-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से ज्ञान के दृश्यमान प्रतिक्रिया के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया से ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण के लिये लिखित में वास्तविक रूप से लिखित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत, उक्त ग्राम्यकर, के अधीन कर देने के अन्तरक के वाचिक में कमी करने या उससे बचने में तुषिता के लिए; और/या

अनुसूची

ग्रामीकलचरल भूमि 106 एकड़, दोरसामीपूरम गांव, वाकीबड़मपट्टीपंचायट में।

(ब) ऐसी किसी ग्राम या किसी घन या अन्य ग्रामियों को, जिन्हें भारतीय ग्राम्यकर ग्राम्यकर, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्राम्यकर, या ग्राम-कर ग्राम्यकर, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रो० आनन्दराम
सक्षम प्राधिकारी
महायक ग्राम्यकर ग्राम्यकर, (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, मद्रास

अतः ग्राम, उक्त ग्राम्यकर की घारा 269-व के अनुसरण में, मैं उक्त ग्राम्यकर की घारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्:—

तारीख: 20-1-79

मोहर:

प्राप्ति धारा १० टी० एन० एस०—

(1) कुमारी टी० एन० गीता

(अन्तरक)

श्रावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269प्र(1) के अधीन सूचना

(2) श्री ई० एस० कुदरतूला

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रावकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास कार्यालय

मद्रास, दिनांक 24 फरवरी 1979

निदेश मा० 12/श्राजस्ट/78—अत मुझ ओ० श्रानन्दराम श्रावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी मा० काफी एस्टेट है, जो बीकड मकाड मे स्थित है (और इसमें उपावद्ध मे और पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० आर० ओ० एकाड (डक सं० 44/78 मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन 9-8-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश मे उत्ता अन्तरण निविन मे वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी श्राव की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे कर्मी करने या उसमे बनने मे सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी श्राव या किसी धन या अन्य आस्तियो को जिन्हे भारतीय श्रावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए, या, छिपाने मे सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-प्र की उपावारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात्:—

9-66GI/79

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मे कोई भी व्याप्रेष:—

(क) इस सूचना के राजपद म प्रकाशन की से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपद मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण ——इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उम अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

11 एकड काफी एस्टेट भूमि वैल्कडे, एकाड तालुका मे।

ओ० श्रानन्दराम
सक्रम प्राधिकारी,
सहायक श्रावकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख : 24-4-79

मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०————

(1) श्रीमती टी० एन० वटमनी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(अन्तरक)

269-व (1) के प्रधीन सूचना

(2) श्री ई० एफ० कुद्रंतूला

(अन्तर्गत)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 24 फरवरी, 1979

निदेश सं० 13/अस्त्र/78—ग्रतः मुझे श्रो० आनन्दराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है,

और जिसकी मं० काफी एस्टेट है, जो बीलकड़ गांकड़ में स्थित है (और इसमें उपावड़ और पूर्ण मूल्य में वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, पं० आर० डी० एकाड (डक सं० 145/98 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-8-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्ष्य है प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित रूप से उक्त अन्तरण विवित में वास्तविक रूप से नापित नहीं किया गया है :—

(क) प्रन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी हिमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिस्में भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधानस्तातीरी के पाम लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधायाय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

29.82 एकर काफी एस्टेट भूमि बैलकड़ गांव, एकार।

श्रो० आनन्दराम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 21-2-79
मोहर :

ग्रतः ग्रब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जत—

प्रकल्प आई०टी० एन०एस०—
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के प्रधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास कार्यालय
मद्रास, दिनांक 15 मार्च 1979

निदेश सं० 21/प्रगस्त/78—ग्रो० आनन्दराम
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-प
के प्रधीन सूचना प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
इ० से अधिक है
और जिसकी सं० 1/825, 825ए है, जो मेयीन बाजार स्ट्रीट
सेलम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध और पूर्ण रूप से बणित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एम० आर० ग्रो०
1 सेलम (डाक० सं० 2766/78) म भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-8-1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टमान प्रतिफल का
एनहै प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निष
लय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कहित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने के सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी पाय गा किसी धन या अन्य अधिनियमों
में, जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाये अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के प्रनुसरण
में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपाधा (1)
के प्रधीन निम्नलिखित अधिकारी के अन्तर्दृष्टि :—

(1) श्रीमती रहमतजान और अनंदर
(अन्तरक)
(2) श्री के० वी० मोहम्मद कोया और तीन अद्वरस
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजंत के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अजंत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविकारों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
अधिकारी में से किसी अविकार द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय
किसी अन्य अविकार द्वारा अन्तरिती के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण ।—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्बों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के प्रध्याय 20-क में परिभासित
है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

भूमि और घर 1/825, 825ए, मेयीन बाजार स्ट्रीट,
सेलम है ।

ग्रो० आनन्दराम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक : 3-4-1979
मोहर :

प्रधान प्राई. टी. एन. एस. —

(1) श्री मरीया अगस्ता मारसेलीना डी. सीलवा जान
(अन्तरक)(2) श्री अली नशीर रसदी
(अन्तरिती)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के प्रधान सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर व्याप्रत (निरीकण)
अर्जन रेज-1, मद्रास
मद्रास, दिनांक 9 मार्च 1979

निदेश सं. 22/आयपत्र/78—अतः मुझे, आरो आनन्दराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 5 है, जो नार्त मादा चरच स्ट्रीट रायपूरम में स्थित है (और इसमें उपावद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एम. आर. आरो रायपूरम (डाक. सं. 926/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-8-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कृपा के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अनुमति की गई है और मुझे गढ़ विभास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पात्र प्रतिशत अधिक १ और प्रत्यक्ष (अन्तरक) और अन्तरी (अन्तरिती) (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा यादा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से दृढ़ किनी आय वा दाता उक्त अधिनियम, के अधीन कर इन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(म) ऐसी किसी आय वा विद्या वा या अन्य मासितयों की, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किसी जाता नहीं है या, लिखान में सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सूचना के संबंध में कोइ भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को सारीज से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की मामील में 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवृद्ध बार में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को ताराब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अदोहस्ताक्षरी के पास लिखित में हितवद्ध सर्केगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम वा अधिनियम 20-क में परिभ्रामित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अधिनियम में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और धर सं. 5, नार्त मादा चरच स्ट्रीट, रायपूरम, मद्रास।

श्रो. आनन्दराम
मद्रास प्राधिकारी
सहायक आयकर व्याप्रत (निरीकण)
अर्जन रेज-1, मद्रास

दिनांक: 9 मार्च 1979
मोहर:

अथवा: अब, उक्त अधिनियम का नाम 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपस्थापा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रकल्प घार्डॉटी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 मार्च 1979

निर्देश सं० 51/अगस्त/78—यहतः, मुझे ओ० आनन्दराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वासकरने का कारण है कि उपावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 67 है, जो तमील संगम रोड, मदुरै में स्थित है (और इससे उपावर में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय (गम० आर० ओ० पूछूमन्डपम (डाक० सं० 1475/78) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-8-78 को पर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुति की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि उपावर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्दर प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और प्रत्यक्षी (प्रत्यक्षीतयो) के बीच ऐसे अन्तरण व निए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से रुचित नहीं किये गए हैं :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत सक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष के अवित्व में कमी करने या उससे बचने में मुश्किल के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या गम्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्मक प्रत्यक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुश्किल के लिए;

अतः, यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के प्रत्यक्षरण में, ऐसे उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अवासि :—

(1) श्री वी० एस० रामनादन चेट्टीयार और अदरस (अन्तरक)

(2) श्री ए० एस० ए० सोमसून्दरम चेट्टीयार (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मंबंध में कोई भी आधेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्यों व उक्त सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाव में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त अवित्यों में से किसी अवित्यारा,

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिनवद्व जिसी अन्य अवित्यारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा याकेंगे।

एवं अन्तरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम व अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अवयं हाया, जो उस अध्याय में दिया गया है।

पूछूमन्डपी

भूमि और घर, सं० 67, तमील संगम रोड, मदुरै में।

ओ० आनन्दराम
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, मद्रास

तारीख: 2-3-79

मोहर:

प्ररूप आई०टी एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269य (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 अप्रैल 1979

निदेश सं० 4803—यत्, मुझे ओ० आनन्दराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-य के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है,

और जिसकी सं० ए० एस० सं० 27 है, जो पेरीयकोट्टे ग्राम उठूमलपेट (5.85 एकरस) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध म और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उठूमलपेट (डाकूमैट सं० 2374/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 अगस्त 78

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाव अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

परत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्यात्:—

(1) श्री एम० कनगसबापती
एम० ठकबिनामूरती
एम० राजकोपालन
श्री एस० बनगारस्वामी नाथडू (अन्तरक)
(2) श्री एस० सुन्दरमियम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के पंचम में कोई भी प्राप्तेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तदनंदेशी अविक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दित्यबद्ध किसी अन्य अविक्त द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ल्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रधाय में दिया गया है।

प्रमुखसूची

अग्रिकलचुरल भूमि—टी० एस० सं० 27, पेरीयकोट्टे ग्राम, उठूमलपेट्टे, (5.85 एकरस) (डाकूमैट सं० 2374/78)

ओ० आनन्दराम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

दिनांक: 12-4-1979

मोहर

प्रकल्प भार्ड० टी० एन० एस०—

(1) श्री ए० मोहम्मद० ईमाम० साहिब०

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा
269-प (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

भारत सरकार

(अन्तरिक्षी)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 अप्रैल 1979

(2) श्री वी० न० स० एस० चन्द्रन०

निदेश सं० 6557—यतः मुझे श्रो० आनन्दराम

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयांशु शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० में अधिक है और जिसकी सं० 152, है तथा जो क्रिसमसरोड, मद्रास-6 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर (डाकूमेंट सं० 919/78) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1978 को

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अध्ययन व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हरक्रोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह ग्रन्थि तरंग से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन, कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

मनुसूची

भूमि और घर-152, क्रिसमस रोड, मद्रास-6 (डाकूमेंट सं० 919/78)।

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी भन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें पारंतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने के सुविधा के लिए;

श्रो० आनन्दराम

मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, मद्रास

तारीख: 12-4-1979

मोहर:

अतः अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-प की उपघारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त:—

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री मोहनसुन्दरभ, बालसुन्दरमनीयम और आरुमहम (अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री आर० राजकोपाल

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 अप्रैल 1979

निदेश सं० 4857—यतः, मुझे ओ० आनन्दराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 37 (यार्ड) है, जो पोल्लाञ्ची घूडस वेड रोड में स्थित है (और इसमें उत्तरदाह में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पोल्लाञ्ची (आक० (डाकुमेंट सं० (1769/78) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 अगस्त 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की वापत उक्त, अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक्ष में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

भूमि और घर-37 (यार०) घूडस वेड रोड पोल्लाञ्ची (आकुमेंट सं० 1769/78)

(घ) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

ओ० आनन्दराम
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेंज 1, मद्रास

तारीख : 12-4-79

मोहर :

प्रकल्प आई० टी० एम० एस०—

(1) श्री मोहनमुन्द्रम, बालमुन्द्रमनियम
और आरुमुहम

(अन्तर्स्क)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(2) श्रीमती मात्री

(अन्तर्भिती)

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 अप्रैल 1979

निरेश मं० 4857—यतः मुझे श्रो० आनन्दगाम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी मं० 37 (पारट) है तथा जो घूम पेड़ रोड पोलान्ची में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पोलान्ची (डाकुमेंट मं० 1758/78) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (908 का 16) तारीख अगस्त 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भूमि और घर 37 (पारट) घृठम बेण्ट रोड, पोलान्ची (डाकुमेंट मं० 758/78)

श्रो० आनन्दगाम
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण
अर्जन रेंज 1, मद्रास

तारीख : 12-4-79

मोहरः

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष की उपाधा (1) अधीन निम्नलिखित अधिकारी अपत्ति:—

प्रस्तुप थाई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 अप्रैल 1979

निवेदण मं० 4806—यतः, मुझे, ओ० आनन्दराम
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-प
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
इ० से अधिक है

ओर जिसकी सं० 463 है, जो कुमरन स्ट्रीट तिरुचूर में स्थित
है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में ओर पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तिरुण्णूर (डाकमैट सं०
1958/78) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 16 अगस्त 78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल
के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत से अधिक है
और अस्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अस्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व
में कमी फरमे या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी बन या अन्य प्रासितियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए ;

प्रतः प्रत, उक्त अधिनियम की आरा 269-प के अनुसरण में,
में, उक्त अधिनियम की आरा 269-प की उपचारा (1) के प्रधीन,
निम्नलिखित अधिकारी अर्थात् :—

(1) (1) एफ० रोमेरी, (2) एफ० जेम्स अनन्तोनी
एफ० मंरीया विरस चिसजान, एफ० टेगली
मंरीया और एफ० जोन जिलिया मंरी।
(अन्तर्क)

(2) श्री गृन० राजन
(अन्तर्गती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैतन के लिए
कार्यालयीय करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अवैतन के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्तेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर मूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में
से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अविक्त द्वारा अबोहम्साकरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

प्रधानीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही
पर्यंत होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

भग्नि और घर—163, कुमरन स्ट्रीट तिरुण्णूर (डाकमैट
सं० 4806/78)

ओ० आनन्दराम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, मद्रास

तारीख : 12-4-79
मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 अप्रैल 1979

निवेद सं० 4797—यतः मुझे, ओ० आनन्दराम प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 11, है, जो रा० टी० टी० कालनी, कोयम्बटूर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं० 2528/78 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) अधीन 16 अगस्त 78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिकल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दुश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिकल का अन्वय प्रतिगत से प्रतिक्रिया है और प्रत्यक्षित (प्रत्यक्षितों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निषिद्ध में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूर्वा किसी प्राय की बावत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्षित के दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी जिसी प्राय या जिसी धन या मर्यादा स्थितियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए ;

यतः यव, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्यातः:—

(1) श्रीमती मुसीला रामचन्द्रन

(अन्तरक)

(2) श्री किरुबावन्दन

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधीय व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भव्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वाक्षरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

प्रत्यक्षिती

भूमि और घर-11, रा० टी० टी० कालनी, कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं० 2528/78)

ओ० आनन्दराम
सहायक प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),
प्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 12-4-79

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

(1) राजे धनसालयेस, ई० सलठाना
और मसकरनहास ।

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज मद्रास

(अन्तरिनी)

मद्रास, दिनांक 12 अप्रैल 1979

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता शुरू करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है ; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवोहुस्तावरी के पास निवित में किए जा सकेंगे ।

उपर्युक्तकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट हैं, वही प्रयोग होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक्षण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

भूमि, निर्माण, मशीनरी गुड़ विल राडसेटरा 37/1ए, श्रो० वेल्ली ग्राम, घूठलूर (डाकुमेंट सं० 645/78) ।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

श्रो० आनन्दराम
मकाम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, मद्रास

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्पतः :—

दिनांक : 12 अप्रैल, 1979

मोहर :

प्रलेप शाहौदी० एन० एस० --

(1) सी० रा० रजाक, एस० हजरम्मा, एम० जेबेडा,
एम० नवीयुनीमा और एस० सोविया ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(2) श्री एन० के० अब्दुल रहमान ।

(अन्तरिती)

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेज 2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 अप्रैल 1979

निवेशमं 4785—यतः मुझे श्रो० आनन्दराम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी मं 28/13ए है, जो पेरियस्वामी रोड कोयम्बटूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीरन्ट अधिकारी के कार्यालय कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं 2350/78) में भारतीय रजिस्ट्रीरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) अधीन 16 अगस्त 78 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अतरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यक्ष अन्तरण के बिंदु तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

(क) अन्तरण से दूरी किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य स्थास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

भूमि और घर—28/13ए, पेरियस्वामी रोड कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं 2350/78)

श्रो० आनन्दराम
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण),
अर्जन रेज 2, मद्रास ।

तारीखः 12-4-1979

मो हरः

प्रकाश पार्टी ट्रॉनॉ एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के प्रधीन सूचनाभारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जनरेज 2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 अप्रैल 1979

निकेश मं० 4849—अतः, मुझे घो० आनन्दराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

मौर जिसकी सं० 15/85 है, जो एम० आर० पी० नगर है, जो सायबाबा मिशन, कोयम्बटूर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय, गांधिपुरम कोयम्बतूर (डाकुमेंट सं० 1972/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के प्रधीन 16 अगस्त 78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्षहूँ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तर्गत (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण निवित में वास्तविक रूप में किया नहीं किया गया है :—

(क) प्रन्तरण में हुई किसी प्राप्त को बाष्पत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छतकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के प्रन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, प्रवत्:—

(1) श्रीमती जाकरती कालिगणगायन

(अन्तरक)

(2) श्री आर० के० ननदा

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रवत् के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अवतं के संबंध में कोई भी आक्षेप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्पोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित है, वही प्रथम होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और घर—15/85 एस० आर० पी० नगर, सायबाबा मिशन, कोयम्बटूर, (डाकुमेंट सं० 1972/78)।

श्री० आनन्दराम,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);
अर्जनरेज-2, मद्रास।

तारीख : 12-4-79

मोहर:

प्रकृत्या आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 20 अप्रैल 1979

निरेश सं० 6578—यतः, मुझे ओ० आनन्दराम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 2 (पार्ट) है तथा जो जखरेया कालोनी, IV स्ट्रीट, कोडमपाखम, मद्रास में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध पनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोडमपाखम (डाकुमेंट सं० 2595/78) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1907 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि पन्तरक (पन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे पन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त पन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) पन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के पनुसूच में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अस्तियों पर्याप्त:—

(1) श्रीमती पदमा लोचनी

(अन्तरक)

(2) श्री एम० वेनूगौप्ति

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी अस्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बावध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अस्तियों में से किसी अस्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य अस्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

धनुसूची:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रथम होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

भूमि और घर-2 (पार्ट) जखरेया कालोनी IV स्ट्रीट कोडम-पाखम, मद्रास (डाकुमेंट सं० 2595/78)।

ओ० आनन्दराम,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, मद्रास।

तारीख : 20-4-79

मोहर:

प्रस्तुप धार्य० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 20 अप्रैल, 1979

निरेश सं० 6578—यतः, मुझे श्रो० आनन्दराम,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 2 (पार्ट) है तथा जो जबरेया कालीन, IV
स्ट्रीट कोठमपाखम, मद्रास में स्थित है (और इसमें उपावद
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी
के कार्यालय, कोठमपाखम (डाकुमेट सं० 2596/78) में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख अगस्त 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी शाय की भावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी शाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

यतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की
उपकारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती चौ० कमतूरी बाय

(अन्तरक)

(2) श्री एस० वेनुगोपाल

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये एतद्वारा कार्यवाहिया मूल करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आप्रैल :—

(क) इस सूचना के राजगत में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवक्तियों
में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजगत में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य अवक्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रधायाय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और धरनं० 2 (पार्ट) जबरेया कालीन, IV स्ट्रीट
कोठमपाखम, मद्रास (डाकुमेट सं० 2596/78)

श्रो० आनन्दराम
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 20-4-79

मोहर :

प्रमाण प्राप्ति ३० दी० एन० एस०

(1) श्रीमती एम० प्रभा

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा
269(1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती एम० वेनूधारा

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्राप्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 20 अप्रैल, 1979

निदेश सं० 6578—यतः मुझे श्रो० आनन्दराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269 वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है।

और जिसकी सं० 2 (पार्ट) है तथा जो जबरेया कालोनी, कोठमगाखम, मद्रास में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुमती में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्ड अधिकारी कार्यालय कोठमगाखम (डाकुमेट सं० 2594/78) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1978 को पूर्वक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथार्थका संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य व उत्तराण लिखित में वाचिक रूप से दर्शाया गया है:—

(१) अन्तरण व तुके किसी व्यापार को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के व्यापार में कमाने वा अन्य व्यापार के लिए; १०८/१

(२) ऐसी किसी प्राप्ति वा किसी अन्य व्यापार को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के व्यापार में कमाने वा अन्य व्यापार के लिए; १०८/१

त्रिलोचन

भूमि और घर-2 (पार्ट) जबरेया कालोनी, कोठमगाखम मद्रास (डाकुमेट सं० 2594/78)।

श्रो० आनन्दराम
पक्ष प्राधिकारी,
सहायक आयकर प्राप्ति (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

दिनांक : 20-4-79

मोदूर :

यतः प्रध, अ० अधिनियम वं० १०८/१ के अनुसार में, मैं उत्तराण की आरा 269 वा सी उपादान (१) के अधीन, निम्नलिखित अन्तरिती, अधिनियम—

प्ररूप प्राई० टी० एन० एम०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन मूल्य
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 20 अप्रैल 1979

निरेश सं० 6559—यतः मुझे ओ० आनन्दराम
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
द्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० 28 है तथा जो नयू बोध रोट, कलम्बमापेट
मद्रास-17 से स्थित है (और इसमें उगाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय,
टी० नगर, (डाकुमेट्स सं० 931/78) में, रजिस्ट्री-कर्ण
प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त
1978 को
पूर्वोक्त मूल्य के उचित बाजार मूल्य ने कम के दृश्यमान प्रतिकल
के लिये प्रभावित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त मूल्य का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पश्चात् प्रतिशत से अधिक है
और अस्तरक (अन्तरक) और प्रान्तरिकी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिकरण, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अस्तरण विविध में वापरित करने की किया नहीं किया गया।
है :—

(1) श्री जी० कुनुस्वामी
(अन्तरक)
(2) श्री पी० शनमुहम
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मूल्य के प्रत्येक के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त मूल्य के उचित के संबंध में कोई भी व्यापार।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की
वारीन में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
द्वारा में प्राप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त वर्णितयों में से
किसी व्यक्ति द्वारा,

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त म्यावर मूल्य में दितव्य किसी
पथ्य व्यक्ति द्वारा, प्रान्तरिकरणी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

उदाहरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त
प्रधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
उही अथ होता, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

(क) अस्तरण से हुई किसी आय का बाबन, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी
करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी वन या पन्द्र यात्रियों को
जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त प्रधिनियम या धनकर प्रधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए
या या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

भूमि और घर-28, नयू बोध रोड, कलम्बमा पेड, टी० नगर
मद्रास-17 (डाकुमेट्स सं० 931/78)

ओ० आनन्दराम,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज II, मद्रास

तारीख: 20-4-1979

सौहर:

अल: अब, उक्त प्रधिनियम की आयकर 269-ग के अनुसरण
में मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त:—

प्रकृष्ट आई० टी० ६५० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के प्रधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 अप्रैल, 1979

निदेशमं० 6595—यतः, मुझे श्री० श्रान्दराम प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के प्रधीन सम्बन्ध प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी मं० 32, II मेयीन रोड, है तथा जो कस्तूरबा नगर, काट्टूर, मद्रास 20 में स्थित है (ग्रौं इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, नैदापेड़ (डाकुमेट सं० 1763/78) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1978

को पुर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रमत्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रमत्तरकों) और प्रत्यक्षिती (प्रमत्तरितियों) के बीच ऐसे प्रमत्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रमत्तरण में कुड़ि किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रमत्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिसने भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनानं अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अधिकारियों, अवृत्तः:

(1) श्री श्री० जी० पारतसारती
श्रीमती राजलकण्ठी
पारतसारती

(अन्तरक)

(2) श्री आर० मौनद्वारा शूष्णनार

(अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पुर्वांकित सम्पत्ति के प्रधीन के लिये कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रधीन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पुर्वांकित अधिकारियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रश्नोद्दाक्षरी के पाम लिखित में किये जा सकेंगे।

उपर्योक्तरणः—इसमें प्रथम शब्दों प्रोटो पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधानाय 20-क में यथा परिचालित हैं, वही पर्यंत होंगा जो उस प्रधानाय में किया गया है।

प्रमुख

भूमि और घर—सं० 32, II मेयीन रोड कस्तूरबा नगर, काट्टूर मद्रास-20 (डाकुमेट सं० 1763/78)

श्री० श्रान्दराम,
मक्षम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज II, मद्रास

तारीखः 17-4-79

मोहरः

प्रकृष्ट प्राईंटी ० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 अप्रैल 1979

निदेश सं० 6511—यतः, मुझे ओ० आनन्दराम

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० 23, है तथा जो सुलिल्लम घारउन रोड, मद्रास-4 में स्थित है और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्ड अधिकारी के कार्यालय, मैलापूर (डाकुमेंट सं० 1111/78) में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख आगस्त 1978

पूर्वोंत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भारत अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से लिया नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुश्किल लिए;

यतः यह, उक्त अधिनियम को धारा 269व के अनुसरण में मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्त:—

(1) श्री डॉक्टर टी० आर० कमालकर राव

(अन्तरक)

(2) श्री एम० वेनकटेसम चेट्टी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन का सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या नसम्बन्धी व्यक्तियों 12 अन्तरकों की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपोइन्स्टाफरों के पास लिखित में किये जा सकेंग।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अन्याय 20क में परिभाषित है, वही पर्याप्त होगा जो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भग्नि और घर-23, सुलिल्लम घारउन स्ट्रीट, मद्रास-4 (डाकुमेंट्स सं० 1111/78)

ओ० आनन्दराम,

सक्रम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज II, मद्रास

तारीख: 17-4-79

मोहर:

प्रकृष्ट प्राइ. टी० एम० एस०—
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 अ (1) के प्रधीन सूचना
भारत सरकार
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज II, मद्रास
मद्रास, दिनांक 17 अप्रैल 1979

निवेश सं० 6504—यतः मुझे ओ० श्रान्तदराम
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-अ के प्रधीन संभास प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- इ० में प्रधिक है
और जिसकी सं० 4, विषम वाल्सरस अवेन्यू है तथा जो (वेस्ट)
मेलापुर, मद्रास में स्थित है (और इसमें वापवद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
मद्रास नारत (डाकुमेंट्स सं० 2975/78) में, रजिस्ट्रीकरण
प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख अगस्त,
1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यहांपूर्वीकृत सम्पत्ति ना उचित
बाजार मूल्य उम्रक दृश्यगान प्रतिफल ने, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का उद्देश्य प्रतिशोध से प्रधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए नव तरीका गया प्रतिकूल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में वास्तविक रूप से कर्यत
नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापर उक्त उक्त
प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमों करने वा उससे वर्धने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी नियोगी प्राप्त या किसी इन वा अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-ए अधिनियम, 1922
(1922 का 11) वा उक्त प्रधिनियम, या
अन्तरक अधिनियम, 1967 (1967 का 27)
के प्रयोगान्तर्भ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
वाला या या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः, यदि उक्त प्रधिनियम की धारा 269-अ के
अनुसरण में, वे, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की
उपबारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अवितर्मों, अवार्ततः:-

(1) यिन्हीयन मिशनरी सोसाइटी

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ओ० विजयलक्ष्मी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए,
कार्यवाहिका करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन से तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरियों पर
सूचना की नामील में 30 दिन की अवधि
जो भी प्रवधि वाद में समाप्त होती हो, के
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति
द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
15 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
डिस्क्रेड किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के नाम लिखित में किये जा सकेंगे।

लाप्दीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में पारापृष्ठ
हैं, वही पर्याप्त होगा जो उस प्रध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और घर-4, विषम वाल्सरस अवेन्यू, मेलापुर, मद्रास
(डाकुमेंट्स सं० 2975/78)

ओ० श्रान्तदराम,
संभास प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज II, मद्रास

तारीख . 17-4-79

मोहर :

प्रलय आई० टी० एम० एस०

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 अप्रैल 1979

निदेश सं० 8306:—यतः, मुझे श्रो० आनन्द्राम ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन अभय ग्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर ममति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

श्री जिसकी सं० 273/1, है, जो एम० टी० एच० रोड तिरुनिरंद्वूर में स्थित है (श्री और इसमें उपाबन्ध अनुसूची और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पुनमल्ली (डाकूमेंट सं० 1804/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक को पूर्वोक्त समति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिकार न तिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त समति का उचित बाजार मूल्य, उक्त दूश्यमान प्रतिकार से, ऐसे दूश्यमान प्रतिकार के पन्थ ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकार, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की शब्दत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के इतिवेष में कभी करने या उससे बचने में सुविधा क लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपमारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्गतः:—

(1) श्री दि रामविहर वेरिमिसिली कम्पनी।

(अन्तरक)

(2) श्री पी० एम० एस० अजीज और ए० अहमद जलाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त समति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त समति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर ममति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरीकरण:—इप्युक्त ग्रन्डों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और घर—273/1 एम० टी० एच० रोड, तिरुनिरंद्वूर (डाकूमेंट सं० 1804/78)

श्रो० आनन्द्राम,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 12-4-79

मोहर :

प्रस्तुप ग्राई० टी० एम० एस०--

(1) श्री एम० घोबिनदराजपिलै

(अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री पी० ए० परिमस्तान

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 अप्रैल 1979

निवेदण सं० 8304--यतः, मुझे, श्रो० आनन्द्राम, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाय करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो पिल्लायार नारत स्ट्रीट, नशीलम मे स्थित है (और इससे उपावन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नशीलम (डाक्टमेंट सं० 1379/78) मे, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाय करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त गम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रदर्शन प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें ज्ञाने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगान्तर्मुखी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

गतः ग्रन्त, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बम्ब में रोई भी प्राप्तेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख मे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंग।

स्वष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिमाणित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और घर—पिल्लायार नारत स्ट्रीट नशीलम (डाक्टमेंट सं० 1379/78) ।

श्रो० आनन्द्राम,
सक्षम प्राधिकारी
प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-, मद्रास

तारीख : 12-4-1979

मोहर :

प्राप्ति पाई दी एन एस—

आमकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269वाँ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रावकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 अप्रैल 1978

निवेश सं० 6562/अगस्त/78:—यतः मुझे, श्रो० श्रानन्द

राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वाँ के अंतीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है

और जिसकी सं० मद्रास 17, विजयगढ़वारि रोड, है डोर सं० 37 में स्थित है (और इसके उपांत्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर मद्रास (डाकुमेट सं० 934/78) में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24 अगस्त, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्क का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, जैसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा गाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से लिखा गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी गाय या शत्रु उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अवित्व में कार्य करने या उससे बचने में मूल्यांकन नहीं; और/या

(ख) ऐसी किसी गाय या किसी बत या शत्रु अस्तियों को, जिसने आर्टीय श्रावकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या अनन्तरक प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाम अन्तर्गत एवं प्रकट मर्मों किया गया या यह किया जता जातिगंथा, छिपाने में मूल्यांकन किया;

यतः पर, उक्त प्रायाराम की धारा 269वाँ के अनु-प्रण में, ये, उक्त प्रधिनियम की धारा 269वाँ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती सारा याचामनि (गरस्वति)

(अन्तरक)

(2) लासंत अण्ड टौबरो एम्पलाईम कोओपरेटिव हाउस विलिंग सोसायटी

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के निए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अंतर्गत के संबंध में सोई भी नाक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्समान व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रांटहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—उम्में प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के ग्रहणाय 20-४ में परिवर्तित हैं वही यर्थ होगा, जो ३७ ग्राम्य में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-17, टी० नगर विजयगढ़वा चारि रोड, डोर सं० 37 में 15 ग्राउण्ड और 1067 स्कूयर फीट (मकान और भूमि)

श्रो० श्रानन्दराम
मकान प्राधिकारी
सहायक श्रावकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II मद्रास

तारीख : 27-4-79

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

(1) सिंको मीटर्स लिमिटेड

(अन्तरक)

श्रावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(2) डुरामैट्रिलिक इंदिन्या लिमिटेड।

(अन्तरिती)

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक श्रावकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 अप्रैल 1979

निदेश सं० 6603/प्रगस्त/78—यतः मुझे, आ० आनन्दराम श्रावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 26-ब(ख) के अधीन सभी शास्त्रीयकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सैदापेट तालुका, कारपाक्कम गांव में 12-62 एकर में स्थित है (और इसमें उपाबूद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एम० आर०-, सैदापेट, डाकुमेंट 1109/78 में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-8-78

को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी श्राव की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या;

(ख) तेसी किसी श्राव या किसी घन या अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, तिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्त:—

12—66GI/79

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इम सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योत्तसाश्री के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एष्टोकरगः—इप्यमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उम अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सैदापेट तालुका, कारपाक्कम गांव, में 12-62 एकर (सर्वे सं० 128/1, 128/2, 128/3, 128/5, 129, 130, 131, 132, 133/1, 133/2, 133/3, 134/ए और 136/बी।

श्रो० आनन्दराम,
सक्षम प्राधिकारी,
महायक श्रावकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास.

तारीख : 27-4-1979

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एम० एस०—

(1) श्री एम० के० पारतसारती नायडू।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(2) श्री के० रघुनाथन।

269-घ (1) के प्रधीन सूचना

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

मद्रास, दिनांक 24 अप्रैल 1979

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

निदेश सं० 6512—यतः मुझे, श्री० आनन्दराम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, महि विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 53 है तथा जो राजा स्ट्रीट, तिळकोवीलूर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध प्रन्तुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास (डाकूमेंट सं० 3092/78) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख प्रगत्यस्त, 1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे महि विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया याया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधिया तक सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण में दुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्राहितियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या सन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अमृतस्त्री

भूमि और घर 53, राजा स्ट्रीट, तिळकोवीलूर (डाकूमेंट सं० 3092/78)।

श्री० आनन्दराम,
मक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 24-4-1979.

मोहर :

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

प्रकृष्ट प्राई•टी•एम•एस•---

(1) श्रीमती पी० सरस्वती अम्माल ।

(अन्तरक)

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

(2) श्रीमती राजम कृष्णन ।

(अन्तरिक्ती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 24 अप्रैल, 1979

निदेश सं० 6528—यतः मुझे ओ० आनन्दराम,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विवाह करने का कारण है कि
स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए
से अधिक है

और जिसकी सं० 60/21, है तथा जो एडवरडू एल्लियट्स
रोड, मद्रास-4 में स्थित है (और इससे उपावड़ ग्रनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी के
कार्यालय, मैलापूर (डाकूमेंट सं० 1149/78) में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख अगस्त, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरिक्त की गई है पीर मुझे यह विवाह करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ती (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त प्रन्तरा विविध में रासन्कित कर दें किंतु नहीं किया गया
है ।—

(क) अन्तरगते हुई किसी प्रारंभ की बाबत, उक्त प्रधिनियम,
के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिसमें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन-कर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाल
अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भूमि और घर 60/21 राडवरडू राल्लीथट्स रोड, मद्रास-4
(डाकूमेंट सं 1149/78)।

ओ० आनन्दराम,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज- , मद्रास.

तारीख : 24-4-1979.

मोहर :

अतः प्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में,
में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्वत :—

प्रख्याप प्राइ. टी. एन. एस.—

(1) शांति काननिस।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

(2) श्री विश्वा बलरामन।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यवाच, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 24 अप्रैल 1979

निदेश सं. 8317—यतः मुझे, श्रोता शान्तिराम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की आरा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,

और जिसकी सं. 12, है तथा जो लालबहादुर शास्त्री रोड, पांडिचेरी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायलिय, पांडिचेरी (डाकूमेंट सं. 1918/78) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टिगत के सिए प्रतिफल की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ये अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षों) और अस्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया गति प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विभिन्न वै बास्तविक काप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय वा किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाव अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः यदि उक्त अधिनियम की आरा 269-व के अनुदर्शन में, उक्त अधिनियम की आरा 269-व की उपकारा (1) के अधीन निम्नलिखित यथा में, अर्थात्:—

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवंत के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अवंत के सम्बन्ध में कोई जी जाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तस्वीरियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी प्रत्यय व्यक्ति द्वारा, पश्चोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के शब्दाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस शब्दाय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और धर सं. 12, लाल बहादुर शास्त्री रोड, पांडिचेरी (डाकूमेंट सं. 1918/78)।

श्रोता शान्तिराम,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण).
अर्जन रेज-III, मद्रास।

तारीख: 24-4-1979

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०————

(1) श्री आर० पानडीयन ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

ए० नागप्पन

(अन्तरक)

भारत सरकार

(2) श्री एस० स्त्रीदरन ।

(अन्तरिती)

कायालिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 24 अप्रैल 1979

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रष्ट व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, अहीं अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

निंदेश सं० 8327—यतः मुझे, आ० आनन्दराम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन नक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि एव्वल पर्याति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 24, II-मेयीन रोड रामलिंगपुर, पुतूर दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूरी रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायालिय, दिल्ली (डाकूमेंट सं० 2346/78) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मालिकों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भूमि और घर इलाई सं० 24, I-मेयीन रोड, रामलिंगपुर पुतूर, दिल्ली (डाकूमेंट सं० 2346/78)।

ओ० आनन्दराम,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-II, मद्रास.

ग्रन्त: ग्रन्त, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

तारीख : 24-4-1979.

मोहर :

प्रख्य प्राईटी एन० एस० ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II

मद्रास, दिनांक 24 अप्रैल 1979

निदेश सं० 8322—यतः मुझे ओ० आनन्दराम,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
ओर जिसकी सं० 2, है तथा जो नरसिंहपुरम, ओ० प्लाट
II-रो, कर्लूर में स्थित है (ओर इससे उपावद्ध अनुसूची में
ओर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, कर्लूर (जाकूमेंट सं० 2865/78) में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
अगस्त, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
ओर अन्तरिक्ति (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अस्तरण निखिल में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आप को बाबत, उक्त अधिनियम
के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी मात्र या किसी घन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ति द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाता चाहिए था, लिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अविक्तियों पर्वतः—

(1) सर्वश्री ओ० समनसननेन और ए० एल० नील-
कनटन।

(अन्तरक)

(2) सर्वश्री आर० मुतुमानिखम चेंट्रीयार और
ए० वल्लीयम्माल।

(अन्तरिक्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अज्ञन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के संबंध में कोई भी आलोचना:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितष्वद्ध किसी घन्य अविक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

उपर्योक्तरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और धर सं० 2, नरसिंहपुरम ओ० प्लाट,
II-रो, कर्लूर (जाकूमेंट सं० 2865/78)।

ओ० आनन्दराम,
सहायक प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, मद्रास।

तारीख: 24-4-1979.

मोहर:

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्राप्तुक (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर
जयपुर, दिनांक 25 अप्रैल 1979

निदण संख्या राज/महा० आ० अर्जन/528—प्रतः मुझे, हरी शंकर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सूचना प्राप्तिकारी को मह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० 3 है तथा जो फतेहपुर में स्थित है, (और इससे उपाबृंह अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फतेहपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 11-8-1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि व्याप्रवृत्ति संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्क (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिनियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नान्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से दित न दिया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी प्राय का बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में बमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी प्राय या किसी वन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या उनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती दुर्गा देवी पति स्व० श्री जयदयाल उर्फ जयदेवजी पुत्र बंशीधर जी एवं श्री कन्हैयालाल दलक पुत्र श्री दी० चंडी प्रसाद जाति माजन पोदार निवासी सर्वे फतेहपुर जिना सीकर (अन्तरक)

(2) श्री गुलाम खानानी, युसुफ पुत्र याकूब, अब्दूल रहमान पुत्र मेहनूदीन एवं श्री अब्दूल रजाक पुत्र श्री अब्दूल रहमान गोरी जाति मुमलमान व्यो-पारी फतेहपुर जिला सीकर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में बोई भी आश्रो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी अवित्यों पर सूचना भी तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बावध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से किसी अवित्य द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर संपत्ति में हितयद किसी अन्य अवित्य द्वारा अधोदस्ताभरी के पास लिखित में किए जा सकें।

हवालोकण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, और उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पार रखिए हैं, वर्ती अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का टुकड़ा जिसके प्लाट नं० 3 है और जो वाड़ नं० 12 में स्थित नोहरे का भाग है और उप पंजियक, फतेहपुर द्वारा क्रमांक: 275 दिनांक 11-8-78 पर पंजियक विक्रय में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

हरी शंकर
मन्त्री प्राधिकारी
सहायक आयकर प्राप्तुक (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक: 25-4-1979

मोहर:

प्रारूप धार्इ ० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन, रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 25 अप्रैल 1979

निर्देश सं० राज/महा० श्रा० अर्जन/527—प्रत : युहे,
हरी शंकर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 4 है तथा जो फतेहपुर में
स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फतेहपुर
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन
दिनांक 11-8-78

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और युहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्रत : ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती दूर्गा देवी पत्नि स्व० श्री जयदयाल उर्फ
जयदेवजी पुत्र बंगीधर जी एवं श्री कहैयालाल
दत्तक पुत्र श्री सी० चंडी प्रसाद जाति महाजन
पोदार निवासी सर्व फतेहपुर जिला सीकर।
(अन्तरक)

(2) श्री गुलाम खानानी, युसुफ पुत्र याकूब, अब्दुल
रहमान पुत्र महनुदीन एवं श्री अब्दुल रजाक पुत्र
श्री अब्दुल रहमान गौरी जाति मुसलमान
व्योपारी निवासी फतेहपुर जिला सीकर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उम अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का दुकड़ा जिसके प्लाट नं. 4 है और जो वार्ड
नं० 12 में स्थित नोहरे का भाग है और उप पंजियक,
फतेहपुर द्वारा अन्तर्कांक : 276 दिनांक 11-8-78 पर पंजियक
विक्रय में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

हरी शंकर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 25-4-1979

मोहर :

प्रलूप श्राई० टी० एन० एस०--
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर दिनांक 25 अप्रैल, 1979

निदण सं० राज/महा० आ० अर्जन/529—अन्तः मुझे
हरी शंकर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से
अधिक है।

और जिसकी सं० प्लाट नं० १ है तथा जो फतेहपुर में स्थित
है, (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण में वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फतेहपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
11-8-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने से अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मेरे उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

13—66GI/79

(1) श्रीमती दुर्गा देवी पति स्व० श्री जयदयाल उर्फ
जयदेवजी पुत्र बंशीधर जी एवं श्री कहौयालाल
दत्त गुरु श्री सी० चंडा प्रमाद जानि महाजन
पोदार निवारी गर्व फतेहपुर जिला मीकर
(अन्तरक)

(2) श्री गुलाम खानी, युसुफ पुत्र याकूब, रहमान
पुत्र मेहनुदीन एवं श्री अब्दुल रजाक पुत्र श्री
अब्दुल रहमान गोरी जानि मुमलामान व्योपारी
निवासी फतेहपुर जिला मीकर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजनन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजनन के मध्यवर्त में कोई भी ग्राहक:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तत्स्म्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त हो गी हो, के भोगर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का टुकड़ा जिसके प्लाट नं० 2 है और जो बाईं
नं० 12 में स्थित नोहरे का भाग र और उप पंजियक,
फतेहपुर द्वारा क्रमांक. 273 दिनांक 11-8-78 पर पंजिबद्ध
विक्रय में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

हरी शंकर
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर
दिनांक 25-4-1979
मोहर

प्रकृष्ट प्राई. टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 25 अप्रैल 1979

निर्देश सं० राजसभा० आ० अर्जन/526—अतः मुझे, हरी शंकर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 2 है तथा जो फतेहपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय फतेहपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-8-1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृह्यमान प्रतिकरण के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृह्यमान प्रतिकरण से, ऐसे बृह्यमान प्रतिकरण का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) पौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिकरण, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गास्त्रिक रूप में नहिं नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वापत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायद भी में किसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भव्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्रमती दुर्गा देवी पत्नि स्व० श्री जयदयाल उर्फ जयदेवजी पुत्र बंशीधर जी एवं श्री कन्हैयालाल दनक गुरु श्री सी० चडी प्रमाद जाति माजन पोदार निवासी मर्व फतेहपुर जिला सीकर (अन्तरक)

(2) श्री गुलाम खानी, युसुफ पुत्र याकुब, अब्दुल रहमान पुत्र मेहनदीन एवं श्री अब्दुल रजाक पुत्र श्री अब्दुल रहमान गोरी जाति मुसलमान ब्योपारी निवासी फतेहपुर जिला सीकर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को प्रवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोदत्ताशरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

उपलब्धकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का टुकड़ा जिसके प्लाट नं० 2 है और जो बाई नं० 12 में स्थित नोहरे का भाग है और उप पंजियक, फतेहपुर द्वारा क्रमांक: 273 दिनांक 11-8-78 पर पंजिबद्ध विक्रय में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

हरी शंकर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

दिनांक: 25-4-1979

मोहर:

प्रकृष्ट प्राई० टी० एन० एस०—
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269ष(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर दिनांक 25-4-1979

निवेद सं० राज/महा० आ० अर्जन/541—यतः मुझे
हरी शंकर,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवाह सरने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० में अधिक है

और जिमकी सं० प्लाट है तथा जो सिरोही में स्थित
है, (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्जित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिरोही में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन,
दिनांक 26-2-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रत्यरित का गई है और उसे यह विश्वाग
करने का कारण है कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरका)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यरित के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस स्थान
निवित में वासन्विक का न निवित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से हुई किसी भाग की वास्तु, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
बारीद म करने या उसमें वन्नमें में सुविधा
के लिए, आदि।

(ख) ऐसी विसी अ.य.पा. तसी. १० या कन्य आदितियों
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
प्रत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
में प्रयोजनार्थ अन्तरती द्वारा प्रकट नहीं हिया
गया था या किया जाता चाहूँ वा लियाने में
सुविधा के लिए;

यतः प्रब, ३१ प्रधिनियम की धारा 269-ष के
अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित अक्षियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती भगवती देवी पत्नि श्री धनराज नाथोरी
जाति जैन श्रीसवाल निवासी सिरोही जिला
सिरोही (राज०) (अन्तरक)

(2) श्री भिलाप चन्द्र पुत्र जवेरचन्द्र २, श्री जचन्ती
लाल एवं ३. श्रेष्ठ कुमार पुत्रान मिलाप चन्द्र
जाति जैन श्रीसवाल निवासी सिरोही (एच०
य० एफ०) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रति के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के पर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्तेः :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन की प्रवधिया तत्सम्बन्धी अक्षियों पर
सूचना की तारीख से ३० दिन की प्रवधिया, जो भी
प्रवधि बाब में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त
अक्षियों में में किसी अक्षिया द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अक्षिया द्वारा, प्रदोहनस्ताक्षरी के पास
निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टशीकरण :—इसमें प्रथमा शब्दों प्रीर पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रधायाय 20-क में परिभाषित
है, वही प्रथं होगा जो उस प्रधायाय में दिया
गया है।

अनुसूची

लाट का हिस्मा (नोहरे का) जिसका क्षेत्रफल 4778
वर्गफुट है और वहाँवा बास, सिरोही में स्थित है और उप
पंजियक, सिरोही द्वारा अमांक ७५ दिनांक 26-2-1979
पर पंजिबद्ध विक्षय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित
है।

हरी शंकर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 25-4-1979

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंट ट्री० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मोनीपत रोड रोहतक

रोहतक, दिनांक 13 फरवरी 1979

निदेश सं० के० एन० एल०/15/78-79—अत. मुझे, रवीन्द्र कुमार पठानिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० प्लाट नं० 12 रक्का 749 4/5 वर्गगज है तथा जो भैशन टाउन मार्ग, करनाल में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, करनाल में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तरण से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपाधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री एस० डी० नारंग पुत्र श्री भगवाम वास नारंग निवासी शक्ति कालोनी, करनाल। (अन्तरक)।
2. सर्वश्री अनिल कुमार गुप्ता, प्रशिवनी कुमार गुप्ता पुत्रान श्री विद्या मागर निवासी मकान नं० 9, नहीं मंडी, करनाल। (अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजनव में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजनव में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मंपति प्लाट न० 12 रक्का 749 4/5 वर्गगज तथा जो सैशन टाउन मार्ग, करनाल में स्थित है और जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता करनाल के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 4106 माम अक्टूबर, 1978 में दर्ज है।

रवीन्द्र कुमार पठानिया
मकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 13-2-1979

मोहर:

प्रक्रम ग्राइंड टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, गदायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, सोनीपत रोड, रोहतक
रोहतक, दिनांक 26 मार्च, 1979

निदेश सं० बी० जी० आर०/16/78-79—अतः मुझे
रवीन्द्र कुमार पठानिया,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर भम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० ल्लाट नं० 52, ब्लाक डी०, एन० एच०-3,
है तथा जो न्यू टाउनशिप, फरीदाबाद में स्थित है (ओर
इसमें पूर्वावाहन अनुसूची में और पूर्ण रूप में अणित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बक्सनभगड़, में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख प्रगत्त, 1978

को पूर्वावाहन सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का अद्वैत प्रतिशत से अधिक है और
पन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उन अन्तरण निष्क्रित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(ग) अन्तरण से दूर फिसी प्राप्त की जात्रन, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने पा उपर बचा में सुविधा
के लिए; और/या

(घ) ऐसा किसी पाया गा किस द्वाया अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाथं अन्तरिती द्वाया प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाता चाहिए था, लिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उन अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् '—'

1. श्री तेज बहादुर लाल पुत्र स्वर्गीय ईश्वर दास
निवासी 2/26 कालकाजी एक्सटेंशन, नई दिल्ली बजरमें
मुख्तयार आम श्री मोहन लाल महेन्द्रा पुत्र श्री देवी राम
निवासी 2/26, कालकाजी एक्सटेंशन, नई दिल्ली। (अन्तरक)।

2. सर्वेश्वरी (1) सुरेश चन्द्र गुप्ता, (2) चन्द्र भूषण
गुप्ता, (3) सुधीर चन्द्र गुप्ता, (4) हरीश चन्द्र गुप्ता
पुत्रान श्री संत लाल गुप्ता, निवासी 3-डी-42 बी० पी०,
न्यू टाउनशिप, फरीदाबाद। (अन्तरिती)।

को यह सूचना बारा करके राजपत्र सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के ममन्ध में कोई भी आकेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि बाद में ममाप्त होती हो, के भोतर पूर्वोत्तर
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भोतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सेदार
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्राप्तस्ताकरी के पास
निवित में किए जा सकें।

प्रब्लेम्स:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के प्रथमाय 20-क में परिभाषित
हैं, उन्हीं प्रयोग होता जो उन प्रथमाय में दिया
गया है।

अनुसूची

मंपत्ति बजट नं० 52, ब्लाक डी०, नेबर हूड-3, न्यू
टाउनशिप फरीदाबाद तथा जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता बलभगड़,
के कार्यालय में रजिस्ट्री नमांक 3273 तिथि 16-8-78
पर दर्ज है।

रवीन्द्र कुमार पठानिया
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 26-3-1979

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज सोनीपत रोड रोहतक
रोहतक, दिनांक 2 अप्रैल 1979

निदेश सं० के० टी० एन०/5/78-79—अतः मुझे,
रवीन्द्र कुमार पठानिया,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि रक्का 313 कनाल 15 मरले हैं
तथा जो पट्टी कामस्थान, कैथल में स्थित है (और इसमें
उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
प्राधिकारी के कार्यालय, कैथल में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण,
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बायत, उक्त आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी छिसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
सुविधा के लिए;

अतः ग्रन्त, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, प्रथातः :—

1. सर्वश्री (1) ईश्वर चन्द (2) बृज मोहन लाल,
(3) कृष्ण गोपाल पुत्रान् श्री बाबू राम, निवासी पट्टी काम-
स्थान, कैथल। (अन्तरक)।

2. दि कैथल विलिंग सर्विस कम्पनी मार्फत श्री ओम
प्रकाश पुत्र और धनपत राय निवासी कैथल। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़
किसी ग्रन्थ अवित्त द्वारा अधोइस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे

सपष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20 के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

संपत्ति भूमि रक्का 313 कनाल 15 मरले (जमावन्दी
1975-76), बैठठ नं० 185/280, किना नं० 52), जो
मि नटी हैःगां, (कैथल) में स्थित है तथा जैसे कि
रजिस्ट्रीकर्ता कैथल के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 1793
तिथि 2-11-78 पर दर्ज है।

रवीन्द्र कुमार पठानिया
मक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीखः 2-4-1979

मोहरः

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 2nd May 1979

Subject :—SUMMER VACATION—1979.

No. F.44/79-SCA(Genl).—Further to this Court's Notification No. F.44/79-SCA(Genl) dated 25th April, 1979 the Hon'ble Chief Justice of India has, under Rule 6 of Order II of the Supreme Court Rules, 1966 (as amended), been pleased to appoint Hon'ble Mr. Justice D. A. Desai and Hon'ble Mr. Justice R. S. Pathak to be vacation Judges to hear matters of an urgent nature, which under the above Rules may be heard by a Judge sitting singly, during the period shown against their names below :—

The Hon'ble Mr. Justice D.A. Desai from 7th May to 10th June, 1979.

The Hon'ble Mr. Justice R. S. Pathak from 11th June, 1979 to 15th July, 1979.

The Hon'ble Mr. Justice D. A. Desai will sit in Court on Tuesday, the 22nd May and 5th June, 1979 and the Hon'ble Mr. Justice R. S. Pathak on Tuesday, the 19th June and 3rd July, 1979. Sittings will, however, continue on the next succeeding day(s) if matters fixed for any day are not finished on that day.

R. SUBBA RAO
Registrar (Admn.)

New Delhi, the 1st May 1979

No. F.6/79-SCA(I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to promote and appoint Shri S. K. Atal, permanent Proof Reader, as Officiating Section Officer against an ex-cadre post with effect from the forenoon of 18 April, 1979, until further orders.

No. F.6/79-SCA(I).—Shri M. P. Saxena, Registrar, Supreme Court of India has retired from the services of this Registry with effect from the afternoon of 30 April, 1979.

2. The Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to promote and appoint Shri R. Subba Rao, Deputy Registrar to officiate as Registrar, Supreme Court of India with effect from the forenoon of 1 May, 1979 until further orders vide Shri M. P. Saxena since retired.

MAHESH PRASAD,
Deputy Registrar (Admn. J.)

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-11, the 20th April 1979

No. A.12024/3/78-Admn.I.—In partial modification of this Office Notification of even No. dated the 15th November, 1978, the Chairman, Union Public Service Commission is pleased to appoint Shri K. Subramanyam IAS, (Andhra Pradesh Cadre) to the post of Additional Secretary & Controller of Examinations, Union Public Service Commission in the scale of Rs. 2500-125/2 & 2750, in the office of the Union Public Service Commission with immediate effect until further orders.

No. A. 32013/2/77-Admn. I.—The Chairman, Union Public Service Commission hereby appoints Dr. R. Bhaskaran, lecturer in the Calicut Regional Engineering College, Calicut, and officiating as Under Secretary in the office of the Union Public Service Commission, to officiate as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission on ad hoc basis w.e.f. the forenoon of 20-4-1979 to 19-7-1979 or until further orders, whichever is earlier, vide proviso to Regulation 4 read with regulation 7 of the Union Public Service Commission (Staff) Regulations, 1958.

S. BALACHANDRAN

Under Secretary,
for Chairman

Union Public Service Commission

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 24th April 1979

No. 06 PRS 005(i).—On completion of his term of deputation in the Govt. of India, the services of Shri R. K. Sharma, IAS at present Secretary, Central Vigilance Commission are placed at the disposal of Govt. of Madhya Pradesh w.e.f. the afternoon of 24th April, 1979.

No. 06 PRS 005(ii).—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri Ramesh Chandra, IAS, as Secretary, Central Vigilance Commission w.e.f. the afternoon of 24th April, 1979 until further orders.

The 26th April 1979

No. 68 RCT 14.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri O. P. Sharma, an officer of the Indian Revenue Service (1960), as Deputy Secretary in the Central Vigilance Commission, in an officiating capacity, with effect from the afternoon of 12th October, 1978, till the afternoon of 6th March, 1979.

No. 68 RCT 14.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri O. P. Sharma, an Officer of the Indian Revenue Service (1960) as Director in the Central Vigilance Commission, with effect from the forenoon of 7th March, 1979 until further orders.

The 27th April 1979

No. 75 PRS 053.—Consequent upon his appointment as Secretary, Central Vigilance Commission, Shri Ramesh Chandra IAS, at present working as Commissioner for Departmental Inquiries in this Commission relinquished the charge of this post w.e.f. the afternoon of 24th April, 1979.

K. L. MALHOTRA
Under Secy.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DEPTT. OF PERSONNEL & A.R.

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 24th April 1979

No. C-3/68-AD. V.—The President is pleased to appoint Shri Charanjiv Lall, an Officer of Haryana State Police, to officiate as Supdt. of Police in the Central Bureau of Investigation/Special Police Establishment with effect from 16-4-1979 (F.N.) and until further orders.

The 25th April 1979

No. S-20/65-Ad. V.—The President is pleased to appoint Shri S. C. Angrish, Senior Public Prosecutor, CBI, on promotion as Dy. Legal Adviser in CB I/S PE in a temporary officiating capacity with effect from the forenoon of 11-4-1979 and until further orders.

He relinquished charge of the office of the Senior Public Prosecutor, CBI, S.I.U. in the afternoon of 31-3-1979.

S. K. JHA
Dy. Director (Admn.)
Central Bureau of Investigation

DIRECTORATE GENERAL, CRPF FORCE

New Delhi-110001, the 26th April 1979

No. O. II-1109/73-Estt.—Consequent on his retirement from Government service on attaining the age of superannuation Shri Atma Singh relinquished charge of the post of Dy. S.P., 39 Bn., CRPF on the afternoon of 31-3-1979.

The 27th April 1979

No. O. II. 1100/78-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. (Mrs.) Mongala Rajan as Junior Medical Officer on ad hoc basis with effect from 3/3/79 (F.N.) for a period of three months only or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

The 2nd May 1979

No. O. II-1173/74-Estt.—The President is pleased to allow Shri Arun Chatterjee, Dy. S.P. in the CRPF, to retire voluntarily from service under the scheme of voluntary retirement for Central Government Employees contained in the MHA (P&AR) O.M. No. 25013/7/77-Estt(A) dated 26-8-1977.

2. Shri Chatterjee relinquished charge of the post of Dy. S.P. 4th Bn., CRPF on 20-3-1979 (A.N.).

A. K. BANDYOPADHYAY
Assistant Director (Adm.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, PUNJAB

Chandigarh, the 6th October 1978

ORDER

No. Admn. I/A/183.—A notice under Rule 15(4) of the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965 alongwith copy of the inquiry report and findings of the Disciplinary Authority was issued to Shri Naunihal Singh, Selection Grade Auditor vide Memo. No. Admn. I/PF/Naunihal Singh/SGA/9422 dated 3-4-1978. The notice has been received back undelivered with the remarks of postal Authorities that Shri Naunihal Singh has refused to accept it.

The notice (alongwith connected documents) was also sent to him by Registered Post, Acknowledgement Due at the last known address of Shri Naunihal Singh as shown in his application received in this office on 18-10-1977. The envelope containing the said documents was also received back undelivered with the remarks by the Postal authorities as 'Refused'. I am satisfied that Shri Naunihal Singh, Selection Grade Auditor is wilfully evading the acknowledgement of memorandum No. Admn. I/PF/Naunihal Singh/SGA/9422 dated 3-4-1978. Further action is now to be taken as if the document has been served and due notice has been given to the employee concerned.

In the notice dated 3-4-1978 mentioned above, it had been concluded that Shri Naunihal Singh was not a fit person to be retained in service. Shri Naunihal Singh was also asked to make any representation which he might wish to make on the proposed penalty but he has not made any representation. Keeping all the facts in view, I as disciplinary authority have come to the conclusion that Shri Naunihal Singh, S.G.A. is not a fit person to be retained in Government Service and order his dismissal from service.

L. P. KHANNA
Accountant General, Punjab

Shri Naunihal Singh,
Village: Attari,
Post Office: Chack Janiwar,
Tehsil: Fazilka,
District: Ferozepur (Punjab)
No. Admn I/PF/Naunihal Singh/6737-45A Dt. 26-10-78

MINISTRY OF DEFENCE
DIRECTORATE GENERAL ORDNANCE FACTORIES
INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE
Calcutta, the 25th April 1979

No. 22/G/79.—The President is pleased to appoint the undermentioned Officers as Offg. Addl. DGOF with effect from the date shown against them, until further orders:—

- (1) Shri D. Sen, Offg. DDGOF/Level-I.—1st March, 1979.
- (2) Shri K. K. Bishnoi, Offg. DDGOF/Level-I—1st March, 1979.

No. 25/79/G.—On expiry of the notice of 3 months, Shri S. K. Dhar, Offg. Dy. G. M. Subst. & Permit. Manager voluntarily retired from service w.e.f. 31-7-1977 (A.N.).

The 26th April 1979

No. 24/79/G.—The President is pleased to appoint the under-mentioned officers as Asstt. Manager (Prob) with effect from the dates shown against them:—

Shri Ravindra KUMAR—28-12-1978.

Shri M. SELVARAJU—15-01-1979.

Shri Deb Ranjan CHATTERJEE—23-02-1979.

V. K. MEHTA

Assistant Director General, Ordnance Factories

MINISTRY OF LABOUR

COAL MINES LABOUR WELFARE ORGANISATION

Dhanbad, the 27th April 1979

No. P. 8(25)/67.—Whereas Sri O. Maheepathi, the Chief of Personnel Division, Coal India Ltd. Calcutta has ceased to represent the interest for which he was nominated as a member of the Finance Sub-Committee of the Coal Mines Labour Welfare Fund Advisory Committee vide Notification No. P. 8(25)/67 dated 21-12-1975, I, Chairman, Finance Sub-Committee in pursuance of Sub-rule (c) of Rule 12 of the Coal Mines Labour Welfare Fund Rules, 1949 read with sub-rule (7) of Rule 5 of Rules *ibid* hereby declare the said Sri O. Maheepathi to have vacated his office of membership of the said Finance Sub-Committee from the date he ceased to be a member.

Sd/- ILLEGIBLE
Chairman

Finance Sub-Committee &
Coal Mines Welfare Commissioner,
Dhanbad

DEPARTMENT OF EXPLOSIVES

Nagpur, the 27th April 1979

No. E-11(7).—In this Department's Notification No. E-11(7) dated the 11th July 1969:—

Under Class 3 Division 1

- (i) add "GELAMEX-B—U.K. Make" before the entry "GFLATINE".

Under Class 6 Division 2

- (i) add "SAF-T-DETS" before the entry "S. CORD 1"

Under Class 6 Division 3

- (i) the entry "SAF-T-DFTS" appearing after the entry "PERCUSSION PREMERS" shall be deleted.

I. N. MURTY
Chief Controller of Explosives

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS
(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 25th April, 1979

No. A-1/2(379).—The President is pleased to appoint the following Assistant Directors (Grade II) in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi/Dte. of Supplies & Disposals, Calcutta, to officiate as Assistant Director (Grade I) in the same Dte. General at New Delhi/DS&D, Calcutta with effect from the forenoon of 8-3-1979:—

S. No.	Name	Remarks
1	2	3
S/Shrl		
1. Om Prakash	At Hqrs. office.	
2. B.S. Ahluwalla	Do.	
3. S.K. Jain	Do.	
4. S. Venugopal	Do.	
5. Vikramaditya	Do.	
6. K.K. Haldar	DS&D Calcutta	
7. C.B.L. Bhatnagar	At Hdgrs office	
8. R.K. Gupta	Do.	

The above officers on promotion as Assistant Director of Supplies (Grade I) will be on probation for two years with effect from 8-3-79(FN).

K. KISHORE,
Deputy Director (Administration)
for Director General of Supplies & Disposals

(ADMN. SECTION A-6)

New Delhi, the 27th April 1979

No. A6/247(441)/63.—Shri S. Adhikari permanent Asstt. Inspecting Officer (Engg.) and officiating Inspecting Officer (Engg.) (Grade III of IIS Group A Engg. Branch) in the office of the Director of Inspection, Bombay retired from service w.e.f. 31-3-1979 (AN) on attaining the age of superannuation (i.e. 58 years). —

P. D. SETH
Dy. Director (Admn.)

MINISTRY OF STEEL AND MINES

DEPARTMENT OF MINES

Nagpur, the 24th April 1979

No. A-19012(39)/77-Estt. A.—The termination of lien of Shri G. D. Kalra in the post of Deputy Mineral Economist (Int.) in the Indian Bureau of Mines, having been accepted by the Ministry, on his being absorbed in the National Council of Applied Economics Research, New Delhi in the post of Mineralogist his name is struck off the strength of this department with effect from 1-2-1978.

S. BALAGOPAL
Head of Office

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 20th April 1979

No. 2088B A-19012(1-SNP)/78-19A.—Shri Satya Narayan Patel is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 14th December, 1978, until further orders.

No. 2100B A-19012(1BKS)/79-19A.—Shri Basab Kumar Siddhanta is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—FB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 19th January, 1979, until further orders.

No. 2112B A-19012(1-RAS)/78-19A.—Shri Ram Awatar Sharma is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 27th November, 1978, until further orders.

The 23rd April 1979

No. 2128B 1-32013(A-Assstt. Geol)/78-19A.—The following Senior Technical Assistants (Geology), Geological Survey of India are appointed on promotion as Assistant Geologists in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the dates shown against each, until further order :—

S/Shri

1. D. Ramachandriah . 27-1-1979 (F.N.)
2. Dipak Kumar Bose . 27-1-1979 (F.N.)
3. Sambodhi Gupta . 29-1-1979 (F.N.)
4. Barendra Mohan Banerjee 29-1-1979 (F.N.)
5. Kailash Misra . 29-1-1979 (F.N.)
6. Swapna Kr. Sinha Roy . 29-1-1979 (F.N.)
7. Mrs. Amala Maity . 27-1-1979 (F.N.)
8. Shyam Naryan . 29-1-1979 (F.N.)
9. Rashid Shamshad . 31-1-1979 (F.N.)
10. N.L. Yadava . 30-1-1979 (F.N.)
11. B.L. Srivastava . 30-1-1979 (F.N.)

V. S. KRISHNASWAMY
Director General

14—66GI/79

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 27th April 1979

No. A. 19011(125)/71-Estt. A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, the President is pleased to appoint Dr. V. J. Kubde, Assistant Controller of Mines, to the post of Deputy Controller of Mines in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the afternoon of 15-3-1979.

No. A. 19011(142)/76-Estt. A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, the President is pleased to appoint Shri Prem Singh, Assistant Controller of Mines, to the post of Deputy Controller of Mines in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 15th March, 1979.

No. A. 19011(151)/77-Estt. A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, the President is pleased to appoint Shri Kuber Dutta, Assistant Controller of Mines, to the post of Deputy Controller of Mines in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 17-3-1979.

S. BALAGOPAL
Head of Office

ARCHAEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

New Delhi, the 23rd April 1979

No. 14/3/79-M(T).—In exercise of the powers conferred under the Rule 6 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Rules, 1959, I, K. V. Soundara Rajan, Director (Monuments), hereby direct that no fee shall be charged for entry into the Rajagiri Hill Fort at Gingee, South Arcot District, Tamilnadu for a period of 10 days from 30-4-1979 to 9-5-1979 (both days inclusive) on account of annual festival of Devi Kamalakanni Amman.

K. V. SOUNDARA RAJAN
Director (Monuments)
for Director-General

NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi-1, the 25th April 1979

No. F. 11-19/77-A. 1.—The Director of Archives, Government of India hereby appoints the under mentioned Permanent Assistant Librarians to the post of Librarian (Class II Gazetted) on regular temporary basis w.e.f. 23rd April, 1979 (F.N.) until further orders.

1. Shri R. C. Puri.
2. Shri Anant Ram Singh.

Sd. ILLGIBLE
for Director of Archives

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 20th April 1979

No. 10/11/79-SU1.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri V. Ram Kumar of the cadre of Senior Engineering Assistant, All India Radio, to officiate on promotion in the cadre of Assistant Engineer, All India Radio, and post him at All India Radio, Madras with effect from 8-3-79 (F/N) till further orders.

J. R. LIKHI
Deputy Director of Administration
for Director General

New Delhi, the 23rd April 1979

No. A-12026/1/78-SV.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri M. Ramachandran, Senior Administrative Officer, All India Radio, Madras to officiate in the post of Inspector of Accounts in the Directorate General, All India Radio, New Delhi w.e.f. the forenoon of the 30th March, 1979.

S. V. SESADRI
Deputy Director of Administration
for Director General

(CIVIL CONSTRUCTION WING)

New Delhi, the 24th April 1979

No. A-12023/1/78-CW. I/1498.—The Director General, All India Radio, New Delhi is pleased to appoint Shri A. K. Magare as Assistant Engineer (Civil), Civil Construction Wing, All India Radio, Hyderabad in an officiating capacity in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- with effect from the forenoon of 5th March, 1979.

The appointment of Shri Magare will be governed, inter alia by the terms and conditions contained in the offer of appointment already issued to him.

S. RAMASWAMY
Engineer Officer to Addl. CE(C)
for Director General

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING
DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL PUBLICITY
CITY

New Delhi, the 23rd April 1979

No. A. 12026/23/78-Est.—On attaining the age of superannuation, Shri R. S. Johri, Section Officer retired from Government Service on the afternoon of 28th February, 1979.

R. NARAYAN
Deputy Director (Advertising)
for Director of Advertising & Visual Publicity

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 24th April 1979

No. A. 12026/30/78(RHTC)Admn. I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri Shingara Singh, Assistant of the C.S.S. belonging to the cadre of the Ministry of Labour to the post of Administrative Officer, Rural Health Training Centre, Najafgarh, Delhi, on deputation basis, with effect from the forenoon of the 3rd April, 1979, and until further orders.

The 27th April 1979

No. 22012/2/79-Admn. I—Shri R. Rajagopal, Assistant Director (Entomology), National Malaria Eradication Programme, Delhi assumed charge of the post of Assistant Director (Ent) Plague Surveillance Unit, National Institute of Communicable Diseases, Bangalore, with effect from the forenoon of 12th March, 1979.

Consequent on his transfer to the post of Assistant Director (Ent) Plague Surveillance Unit, National Institute of Communicable Diseases, Bangalore, Shri Rajagopal relinquished charge of the post of Assistant Director (Ent) National Malaria Eradication Programme, Delhi, with effect from the afternoon of the 28th February, 1979.

No. A. 38013/1/78(CSSS)Admn. I.—On attaining the age of superannuation, Shri B. L. Dhingra, officer of Grade 'A' of the Central Secretariat Stenographers' Service in the Directorate General of Health Services retired from Government Services on the afternoon of 31st January, 1979.

S. L. KUTHIALA
Deputy Director Administration (O&M)

STORES I SECTION

New Delhi, the 24th April 1979

No. A. 19012/1/78-SI.—On attaining the age of superannuation Shri S. P. Soni, Assistant Depot Manager, Govt. Medical Stores Depot Karnal retired from Service on the afternoon of 31st March, 1979.

S. K. KARTHAK
Deputy Director Admn. (Stores)

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION

(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)

DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 27th April 1979

No. A. 19023/51/78-A. III.—Consequent on his appointment to the post of Senior Marketing Officer (Extension), Shri B. K. Sudame handed over charge of the post of Marketing Officer (Group I) under this Directorate at Guntur in the afternoon of 12-4-1979.

B. L. MANIWAR
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser

Faridabad-121001, the 28th April 1979

No. A.-31014/3/78-A.I.—The Agricultural Marketing Adviser to the Govt. of India, is pleased to appoint the following officers substantively to the permanent posts of Marketing Officer (Group I) in the Dte of Marketing & Inspection, with effect from the date indicated against each :—

S/Shri						
(1) K.V. Parasada Rao	16-10-1978
(2) A.K. Guha	16-10-1978
(3) B.K. Ghosh	16-10-1978
(4) J.S. Sastry	16-10-1978
(5) G.S. Niranjane	16-10-1978
(6) J. V. Appa Rao	16-10-1978
(7) S.V.S. Sarma	25-11-1978

2. The lien of the above-mentioned officers in the lower posts, if any, shall stand terminated with effect from the date of confirmation in the post of Marketing Officer (Group I).

B. L. MANIWAR
Director of Administration

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 16th April 1979

No. PPF/3(283)/78-Adm./6676.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri N. Krishnakumar, a permanent Lower Division Clerk and officiating Asstt. Accountant in this Division as Asstt. Accounts Officer in the same Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of March 30, 1979 until further orders.

The 17th April 1979

No. PPED/3(262)/76-Adm. 66628.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri N. T. Varwani, a permanent Selection Grade Clerk of this Division as Assistant Personnel Officer in the same Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of April 16, 1979 to the afternoon of May 25, 1979 vice Shri P. B. Nair, Assistant Personnel Officer proceeded on leave.

No. PPED/3(262)/76-Adm. 66628.—The Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri A. H. Punwani, a permanent Selection Grade Clerk of this Division as Assistant Personnel Officer in the same Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of April 16, 1979 to the afternoon of May 19, 1979 vice Shri P. Venugopalan, Assistant Personnel Officer proceeded on leave.

B. V. THATTE
Administrative Officer

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500 762, the 19th February 1979

ORDER

No Ref NFC/PA V/20/321—Whereas, Shri S. A. Subhan, while employed as Driver Grade II, NFC, remained absent from duty without permission with effect from 21-5-1978,

And whereas, the said Shri Subhan sent a letter dated 8-7-1978 requesting for leave upto 23-9-1978 on medical grounds, in which he stated that he was leaving Hyderabad, but did not give his address,

And whereas, the memorandum No NFC/PAT/9(5)/189 dated 15-7-1978 directing the said Shri Subhan to furnish his leave address sent to the last known address of Shri Subhan at H No 2-4 1025, Nabeli Adda, Kachiguda, Hyderabad 500027, by registered post with acknowledgement due, was returned with a remark that the party left without instructions,

And whereas, the Commissioner of Police, Hyderabad whose assistance was sought by NFC, informed that Shri Subhan was stated to be residing at Bombay, C/o Shri Samdani 133 Sarang Street, Ground Floor, Room No 11, Bombay 400003,

And whereas, a memorandum (No PA II/S-115/TPT/116 dated 11-1-1979) directing the said Shri Subhan to report for duty was sent simultaneously to his last known address in Hyderabad, and to the address at Bombay, by registered post with acknowledgement due, and the said memorandum was returned by the postal authorities from both the destinations stating that the addressee was not available at the addresses,

And whereas the said Shri Subhan continued to remain absent,

And whereas, the said Shri Subhan has been guilty of remaining absent from duty without permission and voluntarily abandoning service

And whereas because of his abandoning the service without keeping the NFC informed of his present whereabouts, the undersigned is satisfied that it is not reasonably practicable to hold an inquiry as provided in para 41 of the NFC Standing Orders and/or Rule 14 of the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965

Now therefore the undersigned in exercise of the powers conferred under para 42 of the NFC Standing Orders read with DAE Order No 22(1)/68 Adm dated 3-12-1970 and/or Rule 19(u) of the CCS(CCA) Rules, 1965, hereby dismisses the said Shri S. A. Subhan with immediate effect

The 24th March 1979

Ref NFC/PA V 20/577—WHEREAS it was alleged that Shri S. A. Khader, while employed as Di Gr I, NFC, has been remaining absent from duty without prior intimation/permission with effect from 11-2-1979 thereby showing lack of devotion to duty

AND WHEREAS the said Shri Khader was directed to report for duty forthwith and furnish his explanation for the unauthorised absence vide memo No NFC PAT/8(5)/76/653, dated 23-2-79,

AND WHEREAS the envelope containing the said memo randum sent by registered post to the last known address of the said Shri Khader viz N No 11 4-73 Bazaighat Hyderabad has been received back undelivered with the remarks, "not found during delivery time",

AND WHEREAS the said Shri Khader has continued to remain absent and failed to keep the NFC informed of his whereabouts,

AND WHEREAS because the said Sh. Khader continued to remain absent from duty without keeping this office informed of his whereabouts, the undersigned is satisfied that it is not reasonably practicable to hold an inquiry as contemplated in the NFC Standing Orders and/or under rule 14 of the CCS (CCA) Rules, 1965,

NOW, THEREFORE, the undersigned in exercise of the powers conferred under para 42 of the NFC Standing Orders read with DAE Order No 22(1)/68 Adm, dated 3-12-1970 and/or under rule 19(u) of the CCS (CCA) Rules, 1965, hereby removes the said Shri Khader from service with immediate effect

P UNNIKRISHNAN, Si Admn Officer

Hyderabad-500762, the 31st March 1979

MEMORANDUM

Ref PA IV/MES C-50/878—In accordance with the Memorandum No BAR/0702/C-50 2971 dated 20-12-1978 read with offer of appointment letter No PAR/0702/2695, dated 1-12-1978, the Deputy Chief Executive, NFC has terminated with immediate effect the temporary appointment of Shri R. Chintalapudi as Tradesman (B) in NFC. Shri Chintalapudi is hereby advised to surrender his bus pass, security badge and other Government material issued to him immediately to the Manager, MES and collect his pay and allowance due from the Accounts Officer, NFC.

U VASUDEVA RAO
Administrative Officer

Hyderabad 500762, the 23rd March 1979

ORDER

Ref NFC/PA V/20/549—WHEREAS under No NFC/PA V/20/1783, dated 30-10-1978 the Deputy Chief Executive, the Disciplinary Authority passed an order dismissing Shri Srinivasulu from service with immediate effect,

AND WHEREAS the said Shri Srinivasulu submitted an appeal dated 23-11-1978 begging for pardon and requesting to be reinstated in service,

AND WHEREAS the undersigned as Appellate Authority, after considering the said appeal and all issues relevant to the case has come to the conclusion that the penalty imposed vide order No NFC/PA V/20/1783, dated 30-10-1978 be reduced as under—

'Reduction to the Minimum of the scale of Tradesman 'A', (Rs 260-350) for a period of 3 years and the reduction will operate to postpone future increments'

These orders will take effect from the date Shri Srinivasulu reports for duty. The said Shri Srinivasulu is hereby directed to report for duty within 15 days from the date of receipt of this orders

The period of absence from the date of dismissal to the date of reporting for duty will be treated as EOL as requested by Shri Srinivasulu

The 26th March 1979

ORDER

No NFC/PA V/20/595—WHEREAS Shri K. Ch. V. Narayana, SA 'B' SSTP, NFC was granted Leave for 40 days from 12-10-1978 to 20-11-1978 with permission to suffix 21-11-1978 to his leave,

AND WHEREAS Shri Narayana failed to report for duty on 22-11-1978 on the expiry of the leave,

AND WHEREAS letter No NFC/SSTP/1102, dated 21-12-1978 issued by the Administrative Officer, NFC directing Shri Narayana to report for duty and sent by registered post A/D to the address given by Shri Narayana in the leave application, viz, Shri K. Ch. V. Narayana, Dachepalli Post,

Palnedu Taluk, Guntur Dist. (A.P.) was returned undelivered by the postal authorities with the remark "not arrived—return to sender".

AND WHEREAS another letter No. NFC/SSTP/1102/18, dated 17-1-1979 issued by Administrative Officer asking Shri Narayana to report for duty immediately and sent by Registered post A/D to the last known local address, viz., Shri K. Ch. Narayana, H. No. 16-2-147/55/8, Anand Nagar Lane No. 4, Malakpet, Hyderabad-500036, was also returned undelivered by the postal authorities with the remark "party left without instructions, hence returned to sender".

AND WHEREAS the said Shri Narayana continued to remain absent and failed to keep the NFC informed of his whereabouts

AND WHEREAS because Shri Narayana has abandoned his duty without keeping NFC informed of his whereabouts the undersigned is satisfied that it is not practicable to hold an inquiry as contemplated under Rule 14 of the CCS (CCA) Rules 1965.

NOW, THEREFORE, the undersigned in exercise of the powers conferred under rule 19(n) of CCS (CCA) Rules, 1965 hereby removes the said Shri K. Ch. V. Narayana from service with immediate effect.

N. KONDAL RAO,
Chief Executive

Hyderabad-500 762, the 28th January 1979

ORDER

Ref. NFC/PA.V/20/167.—WHEREAS it was alleged that Shri M. N. Shamsheer Ali, while employed as T/A, PFP, has been remaining absent from duty without prior permission or any intimation with effect from 6-9-1977, and causing loss, inconvenience and dislocation of work. The said Shri Shamsheer Ali did not report for duty inspite of this office Memos No. NFC/PA. IV/PF/M-119/2579 dated 26-10-1977 and NFC/PA. IV/PF/M-119/2766 dated 21-11-1977 directing him to report for duty immediately.

By his aforesaid conduct, the said Shri Shamsheer Ali has disobeyed the orders contained in the aforesaid memos and indulged in unauthorised absence without sufficient cause and has thus committed acts of misconduct in terms of paras 39(1) and (5) read in conjunction with para 34 of the NFC Standing Orders.

2. AND WHEREAS the said Shri Shamsheer Ali was informed of the charges levelled against him, vide Memo No. NFC/PA.V/20/371 dated 11-3-1978 wherein he was given an opportunity to make representation against the proposed action within a period of 7 days from the date of receipt of the said Memo,

3. AND WHEREAS the said chargesheet sent to the last known address of the said Shri Shamsheer Ali, i.e., C/o Shri M. S. A. Baig, H. No. 23-1-276/1, Kotla Aligah, Hyderabad, was returned undelivered by the postal authorities with the remark, "Left without instructions".

4. AND WHEREAS as required under para 41.2(ii) of the NFC Standing Orders, an Inquiry Officer was appointed to conduct the inquiry, vide order dated 1-4-1978,

5. AND WHEREAS the said order dated 1-4-1978 sent to the said Shri Shamsheer Ali was returned undelivered by the postal authorities with the remark, "left".

6. AND WHEREAS the notices, vide No. NFC/Adm/IRO/241/78-18 dated 10-6-1978 and NFC/Adm/IRO/2W/78-18 dated 20-11-1978 requiring Shri Shamsheer Ali to appear for inquiry on 24-6-1978 and 30-11-1978 sent by the Inquiry Officer to the last known address of Shri Shamsheer Ali, i.e., House No. 23-1-276/1, Kotla Aligah, Hyderabad were returned undelivered by the postal authorities with the remarks, "Left" and "Party left without intimation", respectively,

7. AND WHEREAS the inquiry proceedings were held ex parte on 13-12-1978,

8. AND WHEREAS the Inquiry Officer submitted his inquiry report, vide No. NFC/Adm/IRO/24 dated 15-12-1978 holding the articles of charge as proved,

9. AND WHEREAS after careful consideration of the inquiry report the undersigned agrees with the findings of the Inquiry Officer and holds that the article of charge is proved, and considers that Shri Shamsheer Ali is not a fit person to be retained in service and should be dismissed.

10. AND WHEREAS because of his abandoning service without keeping the NFC informed of his whereabouts, the undersigned is satisfied that it is not reasonably practicable to give a notice to Shri Shamsheer Ali as contemplated under para 41.5 of the NFC Standing Orders.

11. NOW, THE RI-FORT, the undersigned in exercise of the powers conferred under para 42 of the NFC Standing Orders and/or under rule 19(ii) of the CCS(CCA) Rules, 1965, hereby dismisses the said Shri Shamsheer Ali from service with immediate effect.

H. C. KATIYAR
Dy. Chief Executive

Shir M. N. Shamsheer Ali Baig,
House No. 23-1-276/1,
Kotla Aligah,
Hyderabad

MADRAS ATOMIC POWER PROJECT
Kalpakkam-603 102, the 31st March 1979

No. MAPP/3(1211)/77-Adm.—Consequent on acceptance of resignation Shri A. Kameswar Rao, a temporary Scientific Officer/Engineer—Grade SB in Madras Atomic Power Project relinquished charge of his post in Grade SB on the afternoon of February 28, 1979.

The 18th April 1979

No. MAPP/3(1221)/77-Adm.—Consequent on acceptance of resignation Shri A. D. Gupta, a permanent Scientific Assistant (B) in Power Projects Engineering Division and officiating Scientific Officer Engineer SB in Madras Atomic Power Project relinquished charge of his post in grade SB on the afternoon of November 10, 1978.

K. BALAKRISHNAN
Administrative Officer

TARAPUR ATOMIC POWER STATION

TAPP (401 504), the 19th March 1979

No. TAPS/1/19(3)/76-R.—The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy appoints Shri Y. R. Velankar, a temporary Assistant Accountant in the Tarapur Atomic Power Station as Assistant Accounts Officer in the same Power Station on a purely *ad hoc* basis with effect from 17-3-1979 and upto 20-4-1979 *v/e* Shri D. G. Kataria, Assistant Accounts Officer proceeded on leave.

A. D. DESAI
Chief Administrative Officer

Bangalore, the 22nd February 1979

No. 020/3(061)/A/79—Director ISRO Satellite Centre is pleased to appoint the undermentioned persons to posts and with effect from the forenoon of the dates indicated against each in the ISRO Satellite Centre, Bangalore of the Department of Space on a purely temporary and provisional basis and until further orders :

Sl. No.	Name	Designation	Date
S/Shri			
1. G.S. Venugopal	Engineer SB	4-10-1978	
2. D.P. Jagannatha	Engineer SB	16-10-1978	
3. V. Nagesh	Engineer SB	13-11-1978	

1	2	3	4
4. Srinivasan Ramanujam	Engineer SB	23-11-1978	
5. K.B. AnanthaRamaSarma	Engineer SB	24-11-1978	
6. Ashok Kumar Das	Engineer SB	7-12-1978	
7. K. Vijaya Prakash Rao	Engineer SB	14-12-1978	
8. P.M. Mohan	Engineer SB	14-12-1978	
9. Vishram Prasad Dewangan	Engineer SB	22-12-1978	

K.S. KRISHNAN
Administrative Officer

Benglore the 20th April 1979

No. 020/3(061)/A/79—Director ISRO satellite Centre is pleased to appoint the undermentioned persons to posts and with effect from the forenoon of the dates indicated against each in the ISRO Satellite Centre, Bangalore of the Department of Space in a purely temporary and provisional basis and until further orders :

Sl. No.	Name	Designation	Date
1	2	3	4
S/Shri			
1.	T. Ravinder Rao	Engineer SB	21-3-1979
2.	Kum S. Fathima Bathul	Do.	4-4-1979
3.	Rajeevkumar Kalra	Do.	9-4-1979
4.	N. Viswanatha	Do.	11-4-1979

The 21st April 1979

No. 020/3(061)/R/79.—The Director ISRO Satellite Centre is pleased to accept the resignation from service of Shri S. S. Avalaskar, Engineer SB in the ISRO Satellite Centre, Bangalore of the Department of Space with effect from the afternoon of 23rd March 1979.

S. SUBRAMANYAM
Administrative Officer II

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 24th April 1979

No. A 22012(i)/II/79-E.I.—The President is pleased to appoint Shri S. K. Das, Dy. Director General of Meteorology (Planning & Telecommunications) in India Meteorological Department, New Delhi to perform the functions of the Dy. Director General of Meteorology (Administration & Stores) in the same Department with effect from 6-4-1979, until further orders, in addition to his own duties.

P. K. DAS
Director General of Meteorology

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL
AVIATION

New Delhi, the 25th April 1979

No. A. 32013/1/78-EC.—In continuation of this Department Notification No. A. 32013/1/78-EC, dated 12-3-1979 the President is pleased to accord ex-post-facto sanction to the continued ad hoc appointment of Shri R. Sampath Kumaran, Technical Officer, Aeronautical Communication Station, Madras to the grade of Senior Technical Officer beyond 3-2-1979 and upto 1-3-1979 vice Shri S. Jayaraman, Senior Technical Officer, Aeronautical Communication Station, Madras granted earned leave.

The 26th April 1979

No. A. 32013/4/77-EC.—The President is pleased to appoint Shri S. L. Mehra, Assistant Communication Officer, Aero. Communication Station, New Delhi to the grade of Communication Officer on ad hoc basis w.e.f. 31-3-1979 (FN) and upto 26-9-1979 and to post him at the same station.

No. A. 32013/7/78-EC.—The President is pleased to appoint Shri K. P. B. Nayar, Technical Officer in the office of the Controller, Central Radio Stores Depot, New Delhi to the grade of Senior Technical Officer on ad hoc basis w.e.f. 31-3-1979 (FN) for a period of six months or till regular appointments to the grade are made, whichever is earlier and to post him in the office of the Director, Radio Const. & Dev. Units, New Delhi.

No. A. 38013/1/79-EC.—Shri T. N. Mehta, Technical Officer (ad-hoc) in the office of the Director, Radio Const. & Dev. Units, New Delhi relinquished charge of his office on the 31-12-78 (AN) on retirement from Govt. service on attaining the age of superannuation.

No. A. 38012/1/79-EC.—Shri U. V. Radhakrishnan, Assistant Technical Officer in the office of the Controller of Communication, Aero. Comm. Sta, Madras relinquished charge of his office on the 31-3-1979 (AN) on retirement from Govt. service on attaining the age of superannuation.

S. D. SHARMA
Deputy Director of Administration

New Delhi, the 9th April 1979

No. A. 32013/1/78-E.I.—The President is pleased to appoint Shri N. S. Kumarswamy, Offg. Communication Officer, Civil Aviation Department, to the post of Deputy Director (Tariffs Examination), (pay scale Rs. 1500—60—1800/-) in the Civil Aviation Department with effect from the 7th March 1979 and until further orders.

The 16th April 1979

No. A. 12025/3/71-E.I.—In continuation of this Office Notification No. A. 12025/3/71-E.I., dated the 11th April, 1972, the Director General of Civil Aviation is pleased to sanction continued ad hoc appointment of Shri K. K. Sharma, to the post of Hindi Officer, in the Civil Aviation Department, beyond 31-12-1978 for a period of six months or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

No. A. 32013/2/77-E.I.—In continuation of this Department Notification No. A. 32013/2/77-E.I., dated 17-2-1978, the President is pleased to sanction continued ad hoc appointment of Shri V. Ramasubramanyam, Director, Training & Licensing, Civil Aviation Department to the post of Director, Communication (Planning & Evaluation), in the Aeronautical Communication Organization of the Civil Aviation Department, beyond 31-1-1979 for a period of six months or till regular appointment to the post is made, whichever is earlier.

V. V. JOHRI
Assistant Director of Administration

New Delhi, the 24th April 1979

No. A. 32014/1/78-EA.—The Director General of Civil Aviation is pleased to continue the ad-hoc appointment of the following Assistant Aerodrome Officers for a further period of six months i.e. upto the dates, indicated against each or till the posts are filled on a regular basis, whichever is earlier.

S. No.	Name	Period	Station of posting
1	2	3	4
S/Shri			
1.	Gopal Singh	9-10-79	Amritsar.
2.	M. Gopal	13-10-79	Bangalore.
3.	C.G. Page	9-10-79	Santacruz

1	2	3	4
4.	Y.L. Soni	9-10-79	Dumdum
5.	M.M. Bhardwaj	10-10-79	Delhi Airport, Palam.
6.	K.C. Biswas	9-10-79	Dum Dum
7.	V.V. Devkar	9-10-79	Ahmedabad
8.	S. Manian	13-10-79	Tiruchirapalli
9.	S.L. Biswas	9-10-79	Dum Dum.

S. L. KHANPUR

Assistant Director of Administration

**VANA ANUSANDHAN SANSTHAN EVAM
MAHAVIDYALAYA**

Dehra Dun, the 27th April 1979

No. 16/236/75-Ests-I.—The resignation tendered by Shri V. K. Deshpande, Assistant Lecturer in Engineering and Surveying, Central Forest Rangers College, Chandrapur has been accepted w.e.f. 15-3-1979 (AN) and he has been relieved from the same date.

No. 16/319/79-Ests-I.—The President, Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun, is pleased to appoint Shri Chhabu Nath Pande, Research Assistant Gr. I, Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun as Research Officer at the Forest Research Laboratory, Bangalore with effect from the forenoon of 22nd March, 1979 until further orders.

No. 16/327/79-Ests-I.—The President, Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun is pleased to appoint Shri O. P. Rajora, Research Assistant Gr. I as Research Officer (i) Seed Bank and (ii) Seed Improvement and Tree Breeding Centre, Hyderabad, at its Regional Centre at Jabalpur, under the Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun with effect from the forenoon of 28th March, 1979 until further orders.

GURDIAL MOHAN
Kul Sachiv,

OFFICE OF THE COLLECTOR CENTRAL EXCISE & CUSTOMS

Baroda, the 21st April 1979

No. 6/79.—Shri N. R. Joshi, Superintendent Group-B working under Assistant Collector of Central Excise, Ahmedabad Division-I has retired on attaining the age of superannuation pension in the afternoon of 31-3-1979.

No. 8/79.—Shri G. M. Desai, Administrative Officer Group-B working under office of Assistant Collector of Central Excise, Ahmedabad Division-II has retired on attaining the age of superannuation pension in the afternoon of 31-3-1979.

K. SRINIVASAN
Collector of Central Excise,
Baroda

Patna, the 21st April 1979

C. No. II(7)2-FT/FT/79/4196.—Capt. Vinod Kumar Berry appointed, on re-employment basis, as Communication Officer in the Directorate of Communication, Department of Revenue vide Ministry of Finance's order No. 79/78 dated 24-5-78 in the pay scale of Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300/- plus Special pay of Rs. 100/- per month, assumed charge as Communication officer of Customs at Land Customs Station, Raxaul in the afternoon of 13-11-78 as per Directorate of Communication, New Delhi's order No. 8/78 dated 30-5-1978.

D. K. SARKAR
Collector,
Central Excise, Patna

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING

Bombay-38, the 27th April 1979

No. 11-TR(4)/79.—The President is pleased to appoint Shri Ravindra Kumar Suri as Engineer Officer in the Directorate of Marine Engineering Training, Calcutta on *ad hoc* basis with effect from 1st March 1979 forenoon), until further orders.

K. S. SIDHU

Dy. Director General of Shipping

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF WORKS

CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 2nd March 1979

No. 27/29/76-ECIX.—The President is pleased to appoint Shri A. N. Devkar a nominee of the U.P.S.C. against the temporary post of Deputy Architect (G.C.S. Group A) in the CPWD on a pay of Rs. 700/- P.M. in the scale of Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300/- (plus usual allowances) with effect from 20-12-1978 (FN).

2. Shri Devkar is placed on probation for a period of two years with effect from 20-12-1978 (FN).

3. Shri Devkar is posted in SA(EZ)I Unit, CPWD, Calcutta with effect from 20-12-1978 (FN).

KRISHNA KANT

Dy. Director of Administration

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Amishu Savings Unit Private Limited*

Ahmedabad, the 25th April 1979

No. 2074/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s Amishu Savings Unit Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s Ahmedabad Finance Trading Private Limited*

Ahmedabad, the 24th April 1979

No. 2186/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s Ahmedabad Finance Trading Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Ratanpole Choksi Saving Unit P. Ltd.*

No. 2318/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. The Ratanpole Choksi Savings Unit Pvt. Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Vishwanath Textiles Private Limited*

Ahmedabad, the 25th April 1979

No. 2208/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Vishwanath Textiles Pvt. Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

J. G. GATHA
Registrar of Companies,
Gujarat

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s Apradnya Chemicals Pvt. Ltd.*

Bombay-2, the 21st April 1979

No. 17327/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Apradnya Chemicals Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

L. M. GUPTA
Asstt. Registrar of Companies,
Maharashtra, Bombay

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Nandalal Koppers Limited*

Cuttack, the 23rd April 1979

No. S.O./463/278(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Nandalal Koppers Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

D. K. PAUL
Registrar of Companies, Orissa

INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL
CENTRAL GOVT. OFFICES BUILDING
Bombay-400 020, the 24th April 1979

No. F. 48-Ad(AT)/79.—Shri K. K. Misra, a Chief Assistant in the Indian Telephone Industries, Ltd., Naini Unit, Allahabad is appointed to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Calcutta Benches, Calcutta in a temporary capacity with effect from 16-4-1979 (forenoon) in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- until further orders.

He will be on probation for two years with effect from 16-4-1979 (forenoon).

P. D. MATHUR
President
Income-tax Appellate Tribunal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE III

4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi-110001

New Delhi, the 27th April 1979

Ref. No. IAC/Acq-III/4-79/338.—Whereas, I, D.P. GOYAL being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. D-16 situated at Masjid Moth (Panchsheel Enclave) New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 22-8-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Dr. Pavan Kumar Chandra S/o Brig. Brij Chandra R/o D-16, Masjid Moth, (Panchsheel Enclave) New Delhi-17, through his attorney Brig. Brij-Chandra S/o Maj. Genl. Amir Chand R/o C-384, Defence Colony New Delhi

(Transferor)

(2) Shri Lajpat Rai Khaneja and Shri Kewal Krishan Khaneja both sons of Sh. Lal Chand Khaneja C/o Khaneja Motors, 697, Hamilton Road, Kashmere Gate, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Property on lease hold plot No. 16 in Block 'D' situated in the residential colony known as Masjid Moth (Panchsheel Enclave) New Delhi-17, bounded as under :—

North :
South :
East :
West :

Plot No. D-17
Plot No. D-15
Road
Service Lane

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1952) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

D. P. GOYAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range III
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 27-4-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE III
4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi-110001

New Delhi, the 27th April 1979

Ref. No. IAC/Acq-III/4-79/339.—Whereas, I, D. P. GOYAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 9 Bigha 12 biswas Agricultural land in Khsara Nos. 1847 & 1848 in Vill. Chhattarpur situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 13-9-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—
15—66GI/79

(1) Shri (1) Rajinder Pal (2) Sudershan Kumar
(3) Sh. Rajiv Malhotra (4) Anju Malhotra R/o
4-C/4, New Rohtak Road, New Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Lachman Dass Kateria (2) Smt. Sheela
Kateria R/o H-15/14, Malviya Nagar, New Delhi
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land area consisting of 9 bighas 12 Biswas, in Khasra Nos. 1847 (4-16) and 1848 (4-16) situated in the Village Chhattarpur, near Mehrauli in the Union Territory of Delhi.

D. P. GOYAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range III
Delhi/New Delhi.

Date : 27-4-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE III
4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi-110001

New Delhi, the 27th April 1979

Ref. No. IAC/Acq-III/4-79/337.—Whereas, I, D. P. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land Mg. 2 bigha 6 biswas vide khasra No. 491 situated in village Burari Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 9-8-78 which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(1) M/s Sahni Enterprises (P) Ltd., Regd. Office : 14, Hind Phasc, Hind Market, Ashok Vihar Delhi through its Mg. Director Shri Kesho Dass Sawhney.
(Transferor)

(2) Shri (1) Basheshar Lal Aggarwal & (2) Shri Rameshwar Lal Aggarwal R/o C-22, Model Town, Delhi-9.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 2 bigha 6 biswas vide Khasra No. 491 situated in the area of village Burari Delhi

D. P. GOYAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range III
Delhi/New Delhi.

Date : 27-4-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE - I

4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi-110001

New Delhi, the 30th April 1979

Ref. No. IAC. Acq.I/S.R. III/Aug. 11/583/1978-79.—
 Whereas, I, D. P. GOYAL,
 being the Competent Authority under Section 269B of
 the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
 to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
 property having a fair market value exceeding Rs.
 25,000/- and bearing No.

C-11 situated at Chirag Enclave, New Delhi
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
 1908) in the office of the Registering Officer at
 New Delhi on 30-8-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shrimati Lina Mayadas wife of Shri Karam Mayadas, R/o 93 Chiterkout Altamound Road, Bombay-26
 (Transferor)

(2) Shri Rishi Virmani son of Late Dr. D.C. Virmani and Mrs. Dr. Laaj Virmani wife of Shri Rishi Virmani R/o C-11 Chirag Enclave, New Delhi
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A 2½ storeyed building constructed on the plot of land bearing No. C-11 Chirag Enclave, New Delhi measuring 500 Sq. yards and bounded as under

East	C-12
West	C-10
North	Service lane,
South	Road Facing park.

D. P. GOYAL
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-I
 Delhi/New Delhi.

Date : 30-4-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shrimati Ram Dulari wd/o Shri Badri Nath Talwar
Resident of C-48 Greater Kailash-I,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Tirath Ram Tuli son of Shri Khushi Ram
R/o. C-48 Greater Kailash-I, New Delhi

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE - I
4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi-110001

New Delhi, the 30th April 1979

Ref. No. IAC. Acq.I/S.R.III/Sept.II(36)/673/1978-79.—
Whereas, I, D. P. GOYAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
C-48 situated at Greater Kailash-I, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on 25-9-1978
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the purposes
of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957
(27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

A 2½ storeyed building constructed on a plot of land bearing No. C-48 measuring 500 Sq. yards situated at Greater Kailash-II, New Delhi

D. P. GOYAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 30-4-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Faqir Chand Rastogi, 25 Manu Marg, Alwar.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Mohini Trikha, N-227 Greater Kailash-I,
New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE - I
4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi-110001

New Delhi, the 30th April 1979

Ref. No. I.A.C. Acq. I/S.R.III/Sept.1(33)/1978-79.—

Whereas, I, D. P. GOYAL,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

227—N situated at Greater Kailash, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 24-9-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A single storeyed house on Plot of land No. N—227 measuring 300 Sq. yards situated at Greater Kailash-I, New Delhi.

D. P. GOYAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi.

Date : 30-4-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. D.L.F. United Limited, 21-22 Narindra Place, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE - I
4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi-110001

New Delhi, the 30th April 1979

Ref. No. I.A.C. Acq.-1/S.R.III/Sept/II(41)/1978179-678.
—Whereas, I, D. P. GOYAL,
being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 21 situated at Savitri Cinema Complex, Greater Kailash-II, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 29-9-1979
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri Dharambir Nangia son of Shri Tulsidas Nangia (2) Shri Vinay Nangia (Minor) and (3) Shri Jayant Nangia (minor) through their father Shri Dharambir Nangia, Resident of E-215 Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A shop No. 21 on ground floor of the building known as Savitri Cinema Complex, situated at Greater Kailash-II, New Delhi measuring 209 Sq. ft.

D. P. GOYAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi.

Date : 30-4-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) D.L.F. United Limited, 21-22 Natindra Place, Parliament Street, New Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Prem Lata Soni wife of Shri O. P. Soni, Rajinder Kumar Soni son of Shri O. P. Soni, H-14 Lajpatnagar-III, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE - I
4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi-110001

New Delhi, the 30th April 1979

Ref. No. I.A.C. Acq.I/S.R.III/Sept.II(40)/677/78-79.—
Whereas, I, D. P. GOYAL,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 20 (ground floor) situated at Cinema Complex building, Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 26-9-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1921 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A shop No. 20 (ground floor) measuring 227—1 Sq. ft. situated at Cinema Complex building, Greater Kailash-II New Delhi.

D. P. GOYAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 30-4-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. D.I.F. United Limited, 21-22 Narindra Place,
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE - I
4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi-110001
New Delhi, the 30th April 1979

Ref. No. I.A.C.Acq.I/S.R.III/Sept.II(24)/1978-79/666.—
Whereas, I, D. P. GOYAL,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 307 situated at Savitri Cinema Complex, Greater Kailash-II, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 21-9-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Shri Vijay Kumar Kajla son of Maj. L.C. Kajla
Resident of : 20-Chanan Singh Park, Delhi Cantt.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An Office Flat No. 307 on the third floor of Savitri Cinema Complex, situated at Greater Kailash-II New Delhi measuring 615.6 Sq. ft.

D. P. GOYAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date : 30-4-79
Seal :

FORM ITNS

(1) D.L.F. United Limited, 21/22 Naresh India Place, Parliament Street, New Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Vinod Bhushan Gupta, son of Shri B. B. Gupta, Resident of 31-F Connaught Place, New Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
4/14, Asaf Ali Road, New Delhi-110001

New Delhi, the 30th April 1979

Ref. No. I.A.C.Asq.I/S.R.III/Sept.II(18)/660/1978-79.—
Whereas, I, D. P. GOYAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 101(1st Floor) situated at Savitri Cinema Complex, Greater Kailash-II, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at New Delhi.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An Office Flat No. 101 (1st Floor) measuring 554.6 Sq. ft. situated at Savitri Cinema Complex, building, Greater Kailash-II, New Delhi.

D. P. GOYAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi.

Date : 30-4-79
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 30th April 1979

Ref. No. I.A.C.Acq.I/S.R..III/Sept.II(8)/656/1978-79.—
Whereas, I, D. P. GOYAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

Basement situated at
Savitri Cinema Complex, Greater Kailash-II, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on 18-9-1978

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income
or any moneys or other assets which have
not been or which ought to be disclosed by
the transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said
Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the
following persons, namely:—

(1) M/s. D.L.F. United Limited,
21-22, Narindra Place, Parliament Street,
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s R. R. Enterprises through
Shri Rakesh Khosla,
Managing Partner and
Shrimati Kamal Khosla
w/o Shri Rakesh Khosla
r/o C-4/49 Safdarjang Development Scheme,
44 Ratendor Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within the period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

The basement area of Savitri Cinema Complex Building,
measuring 3287 Sq. ft. situated at Greater Kailash-II, New
Delhi.

D. P. GOYAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 30-4-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 30th April 1979

Ref. No. IAC.Acq.I/S.R.III/Sept.II(5)/1978-79/655.—
 Whereas, I, D. P. GOYAL,
 being the Competent Authority under Section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
 as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
 property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
 and bearing

No. Office Flat No. 206 situated at
 Savitri Cinema Complex, Greater Kailash-II, New Delhi
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
 of 1908) in the office of the Registering Officer at
 New Delhi on 18-9-1978

for an apparent consideration which is less than the
 fair market value of the aforesaid property, and I have reasons
 to believe that the fair market value of the property as
 aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
 more than fifteen per cent of such apparent consideration
 and that the consideration for such transfer as agreed to
 between the parties has not been truly stated in the said
 instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 to pay tax under the said Act, in respect of any
 income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
 any moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
 Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
 (1) of Section 269 D of the Income-tax Act, to the following
 persons, namely:—

(1) M/s. D.L.F. United Limited,
 21-22, Narindra Place, Parliament Street,
 New Delhi.

(Transferor)

(2) Lt. Col. Siddharth Kumar (H.U.F.)
 s/o Shri Mattoo Ram,
 r/o C-4/49 Safdarjang Development Scheme,
 New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
 property, within 45 days from the date of publication
 of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said Act,
 shall have the same meaning as given in
 that Chapter.

THE SCHEDULE

A Office Flat No. 206 measuring 481.7 Sq. ft. on second
 floor of Savitri Cinema Complex, situated at Greater
 Kailash-II, New Delhi.

D. P. GOYAL,
 Competent Authority,
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-I,
 Delhi/New Delhi.

Date : 30-4-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 27th April 1979

Ref No I.A.C.Acq 1/S R III/Sept II(3)/78-79/653 —

Whereas, I, D P GOYAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs 25,000/- and bearing No
Office Flat No 201 situated at
Savitri Cinema Complex, Greater Kailash-II, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on 16-9-1978
for an apparent consideration which is less than the fair market
value of the aforesaid property and I have reason to believe
that the fair market value of the property as aforesaid ex-
ceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen
per cent of such apparent consideration and that the con-
sideration for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transfer to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) M/s DLF United Limited,
21-22, Narindra Place, Parliament Street,
New Delhi
(Transferor)

(2) 1 Col Joginder Singh Puri
s/o Shri Dewan Singh Puri
2 Shri Adarsh Puri
s/o Shri Joginder Singh Puri
3 Shrimati Charanjit Puri,
w/o Shri Joginder Singh Puri
4 Flt Lt Dr Shashi K S Puri
s/o Shri Joginder Singh Puri
All r/l E/476 Greater Kailash-I,
New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette

EXPLANATION — The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

A Office Flat No 201 on second floor measuring 556-6
Sq ft situated at Savitri Cinema Complex, Greater Kailash-II, New Delhi.

D P GOYAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date 27-4-1979
Seal

FORM ITNS—

(1) M/s. D.L.F. United Limited,
21-22, Narindra Place, Parliament Street,
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

(2) Shrimati Shanti Devi
w/o Shri B. L. Ahuja
r/o E-275 Greater Kailash-II,
New Delhi.

(Transferee)

New Delhi, the 27th April 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. I.A.C. Acq.I/S.R.III/Sept.I(30)/641/1978-79.—
Whereas, I, D. P. GOYAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- Office Flat No. 105 situated at Savitri Cinema Complex, Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 9-9-1978
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

An Office Flat No. 105 on the first floor of the Savitri Cinema Complex, measuring 481.7 Sq. ft. situated at Greater Kailash-II, New Delhi.

D. P. GOYAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 27-4-1979
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) M/s. D.L.F. United Limited,
21-22, Narindra Place, Parliament Street,
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI

(2) Shri J. P. Gupta
s/o Shri Hari Ram
r/o 604 Akashdeep Building,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

New Delhi, the 30th April 1979

Ref. No. I.A.C Acq.I/S.R.III/Sept.I(29)/1978-79/640.—
Whereas, I, D. P. GOYAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 9 situated at Savitri Cinema Complex, Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 14-9-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A shop No. 9 on ground floor of the Savitri Cinema Complex, measuring 282-1 Sq. ft situated at Greater Kailash-II, New Delhi.

D. P. GOYAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 30-4-1979

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 30th April 1979

Ref. No. I.A.C. Acq.I/S.R.III/Sept.I(22)/1978-79/636.—
Whereas, I, D. P. GOYAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. 22 (Shop) situated at
Savitri Cinema Complex, Greater Kailash-II, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer
New Delhi on 17-9-1978
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

(1) M/s. D.L.F. United Limited,
21-22, Narindra Place, Parliament Street,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Rattan Krishan Sukhani
s/o Shri B. K. Sukhani,
r/o B-31, Kailash Apartments,
Lajpat Rai Marg, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

A shop No. 22 (ground floor) measuring 193.9 Sq. ft.
situated at Cinema Complex, building, Greater Kailash-II,
New Delhi.

D. P. GOYAL,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 30-4-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. D.L.F. United Limited,
21-22, Narindra Place, Parliament Street,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Master Arun Khanna (Minor)
s/o Shri Vijay Kumar Khanna
r/o 33/30 East Patel Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAFA ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 30th April 1979

Ref. No. I.A.C. Acq.I/S.R.III/Sept.I(7)/629/1978-79.—
Whereas, I, D. P. GOYAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to
believe that the immovable property having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 202 situated at
Savitri Cinema Complex, Greater Kailash-II, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on 4-9-1978

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been
or which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

An Office Flat No. 202 (2nd Floor) measuring 617.9 Sq. ft. situated at Cinema Complex, Greater Kailash-II, New Delhi.

D. P. GOYAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 30-4-1979
Seal :

FORM ITNS —

(1) M/s. D.L.F. United Limited,
21-22, Narindra Place, Parliament Street,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shrimati Subhashini Kumari
w/o Shri Nand Kumar
10 15 Mahadev Road, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAFAU ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 30th April 1979

Ref. No. I.A.C. Acq./S.R.III/Sept.I(6)/628/1978-79.—
Whereas, I, D. P. GOYAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- Flat No. 502 situated at Savitri Cinema Complex, Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on 4-9-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

17—66GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Office Flat No. 502 on Fifth Floor of multi-storeyed commercial building known as Savitri Cinema Complex, situated at Greater Kailash-II, New Delhi measuring 613-9 Sq. ft

D. P. GOYAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date : 30-4-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 19th March 1979

Ref. No. ASR/78-79/151.—Whereas, I, G. L. GAROO, IRS being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot of land measuring 1 K. 18M (950 sq. yds.), Khasra No. 3041/1511/5, situated at Sultanwind urban, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar City on August 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Mansa Devi wd/o Sh. Shori Lal R/o H. No. 1093, outside Kucha Khai Wala, Katra Khazane, Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Satish Kumar s/o Shri Roshan Lal, R/o Ram Gali, Kt. Ahluwalia, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sl. No. 2 above mentioned and tenant(s) if any.

(Person in occupation of the property).

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 1 Kanal 18 Marlas (950 sq. yds.) khasra No. 3041/1511/5, situated at in area Sultanwind Urban, Amritsar as mentioned in the Regd. Deed No. 1670/1 dated 4-8-78 of Registering Authority, Amritsar City.

G. L. GAROO, IRS.
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Dated : 19-3-78.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 16th March 1979

Ref. No. ASR/78-79/152.—Whereas, I, G. L. GAROO, IRS being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot measuring 341.7 sq. mts (410 sq. yds) with one shed, Chimney & Boundary wall at Chamrang Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Amritsar city on August 1978 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269 C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Narinder Singh s/o Sh. Natha Singh r/o Kot Baba Deep Singh, Gali No. 2, House No. 3806, Amritsar.

(Transferor)

(2) Firm National Iron Scrap Company, Plot No. 267, Chamrang Road, Amritsar (Khasra No. 627) Amritsar City.

(Transferee)

(3) As at Sl. No. 2 above mentioned and tenant(s) if any.

(Person in occupation of the property).

(4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 341.7 sq. metres (say 410 sq. yards) with one Shed, Chimney & Boundary walls situated at Chamrang Road, Amritsar (Khasra No. 627) Amritsar City registered with the S.R. Amritsar vide sale deed No. 1930/1 dated 28-8-78.

G. L. GAROO, IRS.
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Dated : 19-3-78,

Seal :

FORM ITNS —

(1) Smt Pritam Kaur wd/o Sh Sewa Singh Gali No 2, Hukam Singh Road, Amritsar
(Transferor)

(2) Sh Jatinder Nath Bhandari, s/o Sh Balmukand Bhandari, Gopal Nagar, Amritsar
(Transferee)

(3) As at Sl No 2 above mentioned and tenant(s) if any
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 17th April 1979

Ref No ASR/79 80/3—Whereas, I,
M K DHAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No 1/4th share in plot measuring 1336 sq Mts situated at Gopal Nagar Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Amritsar City on Sept 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One fourth share in plot measuring 1336 sq mts bearing khasra No 336, 10 337, 2 2, Khata No 801/863 Jamabandi year 1971 72, i.e 334 sq mts situated in Gopal Nagar Amritsar as mentioned in the Registered Deed No 2283/1 dated 20 9-1978 of Registering Authority, Amritsar City

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

M K DHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Amritsar

Dated 20 4-79

Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. Pritam Kaur wd/o Shri Sewa Singh, Gali No. 2, Hukam Singh Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Lila Wanti wd/o Shri Arjan Dass, R/o Barsat, Distt. Karnal.

(Transferee)

(3) As at Sl. No. 2 above mentioned and tenant(s) if any.

(Person whom the undersigned knows to

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One fourth share in plot measuring 1336 sq mts. bearing khasra No. 336, 1-0, 337, 2-2, Khata No. 801/865 jambandi years 1971-72, i.e. 334 sq. mts. situated in Gopal Nagar, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 3400/1 dated 15-12-1978 of Registering Authority, Amritsar City.

(1) Smt. Rajita Devi wd/o Mohan Lal, Gopal Nagar, Amritsar.

(2) Sh. Bhagwan Dass s/o Mohan Lal, Gopal Nagar, Amritsar.

M. K. DHAR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Dated : 20-4-79.

Seal :

FORM ITNS —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 17th April 1979

Ref. No. ASR/79180/5.—Whereas, I, M. K. DHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 1/4 share in plot measuring 1336 sq. mts. situated at Gopal Nagar, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration officer at Amritsar city on 15 Dec. 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Smt. Pritam Kaur wd/o Shri Sewa Singh R/o H. No. 21, Gali No. 2, Hukam Singh Road Amritsar. (Transferor)
- (2) Smt. Asha Rani D/o Shri Amar Nath Plot No. 42, Gopal Nagar, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sl. No. 2 above mentioned and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One fourth share in plot measuring 1336 sq. mts. bearing khasra No. 336, 1-0, 337, 2-2, Khata No. 801/865 jamabandi years 1971-72, i.e. 334 sq. mts. situated in Gopal Nagar, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 3400/1 dated 15-12-1978 of Registering Authority, Amritsar City.

M. K. DHAR,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Dated : 17-4-79.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

- (1) Sh Baldev Raj Kewal Krishan s/o Lala Ram V Batala Mohalla Prem Nagar Tehsil Batala Distt Gurdaspur
(Transferor)
- (2) Smt Pushpa Rani w/o Ved Parkash 1/2th share Smt Kamlesh Rani w/o Sudarshan Kumar 1/2th share Batala, Teh Batala, Distt Gurdaspur
(Transfree)
- (3) As at S No 2 overleaf and tenant(s) if any
(Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, dated 19th April 1979

Ref No ASR/BTL/79-80/6—Whereas, I,
M K DHAR,
being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

One building at Batala situated at G T Road, Batala (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Batala on 21-8-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One building situated at G T Road, Batala as mentioned in the Registered Deed No 3663 of August, 1978 of the Registering Officer, Batala

M K DHAR,
Competent Authority
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Dated : 19-4-1979
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 20th April 1979

Ref. No ASR/79-80/7—Whereas, I, M K DHAR, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing 1 and measuring 43 kanals situated at Kala Ghanupur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar on 31-8-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Sh. Chanan Singh s/o Narain Singh Village Dhand, Teh Jhabal, Distt Amritsar Now Sharifpura, Amritsar.
(Transferor)
- (2) Sh Sucha Singh, Natha Singh s/o Kartar Singh, Village Kala Ghanupur Teh Amritsar
(Transferee)
- (3) As at Sr No 2 overleaf and tenant(s) if any
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person(s) interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 43 kanals (Nehri) bearing Khasra No 51/2 7-12, /9 6-8, 12/2 6-19, 18/1 0-2, /12 3 7 /13 8, /19 6-7, 22/1 3-19, 23/2 0-6 situated in village Kala Ghanupur, Teh Amritsar, as mentioned in Registered Deed No 613 dated 31-8-78 of the Registering Officer, Amritsar

M K DHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 20-4-79

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 20th April 1979

Ref. No. ASR/79-80/8.—Whereas, I, M. K. DHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No One plot of land situated at Sultanwind Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar on 7-8-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Sh. Dev Raj s/o Sh. Gopal Dass 10 Charsit Attari, Gali Julian House No. 314/11, Amritsar. (Transferor)
- (2) Sh. Ravi Mohan Kapur s/o Sh. Mabohar Lal Kapur R/o Kucha Tawarian House No. 3561/11, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any, (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person(s) interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 954 sq. yds. situated on Sultanwind Road, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 1707/1 dated 7-8-78 of the Registering Officer, Amritsar City.

M. K. DHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Dated : 20-4-79
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

18—66G1/79

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 20th April 1979

Ref. No. ASR/79-80/9.—Whereas, I, M. K. DHAR, being the competent authority under section 269 of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One Plot of land No. 24 situated at Garden Colony, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar on 14-8-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s Pioneer Industrial Corporation Amritsar thorough Sh. Rakesh Chand, Sobha Khanna & Sushma Khanna r/o 61 Dasundha Singh Road, Amritsar. (Transferee)
- (2) Sh. Raj Kumar s/o Sh. Mahesh Dass and Sh. Ashok Kumar s/o Sh. Raj Kumar r/o Cooper Road, Amritsar c/o Beri & Co. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person(s) interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land No. 24 measuring 454.17 S. Mtrs. bearing Khasra No. 1332 situated at Circular Road Amritsar as mentioned in the Registered deed No. 1801/1 dated 14-8-78 of the Registering Officer Amritsar.

M. K. DHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Amritsar

Dated : 20-4-79

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 20th April 1979

Ref No. ASR/79-80/10.—Whereas, I,
M. K. DHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No.

Agricultural land measuring 25 kanals 18 marlas situated at Village Tarsikka (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar on 4-8-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Dharam Singh s/o Nand Singh s/o Hira Singh R/o Village Tarsikka, Teh. Amritsar Distt. Amritsar. (Transferor)

(2) S/Shri Dharam Singh, Maluk Singh, Amrik Singh, Pritam Singh ss/o Sh. Surjan Singh of Village Tarsikka, Teh. Amritsar Distt. Amritsar. (Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property).

(4) Any other person(s) interested in the property. (Person whom the undersigned know to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 51 kanals 16 marlas 1/2 share i.e. 25 kanals 18 marlas situated in village Tarsikka Teh. Amritsar as mentioned in Registered deed No. 2964 dated 4-8-78 of the Registering Officer, Amritsar.

M K. DHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Dated : 20-4-79

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar the 20th April 1979

Ref No ASR 74 50/11—Whereas, I, M K DHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No Agricultural Land measuring 45 kanals 4 marlas situated at Village Galowali (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amritsar on 21-8-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any property or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh Basant Singh s/o Harnam Singh Village Majitha Teh Amritsar
(Transferor)
- (2) S/Shri Gurdip Singh, Surjit Singh, ss/o Shingara Singh, Maluk Singh, Amrik Singh, Virsa Singh, Sarabjit Singh ss/o Mukhtar Singh, Lakha Singh, Balkan Singh, Harbhajan Singh, ss/o Upkar Singh R/o Kala Ghanupur Teh Amritsar Distt Amritsar
(Transferee)
- (3) As at Sr No 2 overleaf and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person(s) interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 45 kanals 4 marlas situated in village Galowali Teh Amritsar as mentioned in Registered Deed No 3141 dated 21-8-78 of the Registering Officer, Amritsar

M K DHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Amritsar

Dated 20 4-79
Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 20th April 1979

Ref. No. ASR-BT1/79-80/12—Whereas, I,

M. K. DHAR,
being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One house situated at Batala
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Batala on 9-8-78
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Sh. Vaid Kartar Singh, s/o Jaswant Singh Batala
Teh. Batala, Distt. Gurdaspur,
Krishna Abadi, Circular Road, Batala.
(Transferor)
- (2) Sh. Madan Lal Mohinder Kumar s/o Sh. Dev Ray
and Smt. Pushpwanati w/o Sh. Madan Lal R/o
Batala, Teh. Batala, Distt. Gurdaspur Krishna Abadi,
Circular Road, Batala.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

One House situated at Krishna Abadi, Circular Road, Batala, as mentioned in the Registered Deed No. 3585 dated 9-8-78 of the Registering Officer, Batala.

M. K. DHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

Dated : 20 4-79
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 20th April 1979

Ref. No. ASR/77/79 80/13. - Whereas, I, M. K. DIHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agil land measuring 39K 2 M situated at Village Lalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Taran Taran on 8-8-78 consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
Seal :

- (1) Sh. Darshan Singh s/o Jodh Singh Village Lal Pur Teh. Taran Taran Distt. Amritsar, (Transferor)
- (2) Sh. Jagtar Singh s/o Mangal Singh, Village Lal Pur Teh. Taran Taran, Distt. Amritsar (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any, (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person(s) interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 39 kanals 2 mallas situated in Village Lal Pur Teh. Taran Taran as mentioned in the Registered Deed No. 383 dated 8-8-78 of the Registering Officer, Taran Taran

M. K. DIHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Dated : 20-4-79
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Raj Bhalla wd/o Sh. Brij Bhushan Bhalla r/o Chandigarh, Sector No. 21, Kothi No. 320.
(Transferor)

(2) Smt. Kamla Vati wd/o Sh. Madan Mohan r/o Lakkar Mandi, Gali Kambojan, House No. 2126, Amritsar.
(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

One building No. 5 situated at Bazar Tahli Sahib, Gali Vakilan, Amritsar, as mentioned in the Registered deed No. 2165 dated 13-9-78.
S/Shri

1. Sain Dass 2. Hajari Lal & Sons 3. Munshi Ram Behari Lal 4. Faqir Chand 5. Sham Lal Aggarwal 6. Hira Lal c/o Building No. 5 situated at Bazar Tahli Sahib, Gali Vakilan, ASR.

M. K. DHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Dated : 20-4-79
Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 20th April 1979

Ref. No. ASR. 79-80, 14.—Whereas, I,

M. K. DHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One building No. 5 situated at Bazar Tahli Sahib, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Amritsar on 13-9-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 20th April 1979

Ref No ASR/79 80/15—Whereas, I, M K DHAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding One plot of land situated at Majitha Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar on 14-9-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Chander Mohni w/o Sh. Prithvi Lal d/o Smt. Kumari 1/o 9, Majitha Road, Amritsar. (Transferor)
- (2) Dr. Gurmukh Singh Bawa s/o Sh. Gurdial Singh Bawa r/o Amritsar Majitha Road, House No. 2 Raghunathpura. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property Shri Jagan Nath s/o Shri Nand Lal R/o Majitha Road, Amritsar. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 500 sq mtr. (600 sq. yds) No. Kh 1378, 1376 & 1379 situated at Majitha Road Oppst. Raghunath Pura, Amritsar, as mentioned in the Registered Deed No 2188 dated 14-9-78 of the Registering Officer Amritsar

M. K. DHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Dated : 20-4-79
Seal :

FORM ITNS

- (1) Smt. Pritam Kaur wd/o Sh. Sewa Singh Gali No. 2 Hukam Singh Road, Amritsar. (Transferor)
- (2) Smt. Tulsi Devi d/o Lala Topan Dass, Kucha Lamba, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 20th April 1979

Ref. No. ASR/79-80/16.—Whereas, I, M. K. DHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/4th Share in Plot of land measuring 1336 sq. Mts. situated at Gopal Nagar Amritsar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S. R. Amritsar on 9-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

15—66GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One fourth share in plot measuring 1336 sq. mts. bearing Khasra No. 336, 1-0, 337, 2-2, Khata No. 801/363 Jamabandi year 1971-72 i.e. 334 sq. Mts situated in Gopal Nagar, Amritsar, as mentioned in Recd. Deed No. 2282 dated 20-9-78 of Registering Authority, Amritsar city.

M. K. DHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Dated : 20-4-79

Seal :

FORM ITNS

- (1) Sh Chanan Singh s/o Sh Narain Singh, Village Dhand Teh Jhabal, Distt Amritsar
(Transferor)
- (2) Sh Kartar Singh s/o Sh Sewa Singh R/o of Village Kala Ghanupur, Tehsil Amritsar
(Transferee)
- (3) As at Sr No 2 overleaf and tenant(s) if any
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person(s) interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 21st April 1979

Ref No ASR/79-80/17—Whereas, I,
M K DHAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing a
Land measuring 32 kanals 10 marlas situated at Kala Ghanupur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, Amritsar on 24-8-78
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Agricul Land measuring 32 kanals 10 marlas (Nehri) bearing Khasra No 51/7/1 2-12 7/3 0-17 7/2 3-3, 8/7-11, /14 8-00, 17/2 2-7 /3 8- situated in Village Kala Ghanupur Teh Amritsar as mentioned in Registered Deed No 601 dated 24 8 78 of Registering Officer, Amritsar

M K DHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Dated : 21-4-79

Seal :

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 26th April 1979

Ref. No. AP551/FDK/79-80.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per Schedule situated at Dogar Basti (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Faridkot on Sept. of 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely : —

- (1) S/Shri Jatinder Pal Singh, Parampal Singh, Sukpal Singh ss/o Hoshiar Singh s/o Gurdit Singh & Smt. Manmohan Kaur w/o Hoshiar Singh, Faridkot. (Transferor)
- (2) Sh. Bhagat Ram c/o M/s Bhagat Ram Mohan Lal, Grain Handi, Kotkapura. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One building in Dogal Basti, Faridkot as per sale deed No. 2261 September, 1978 registered with the S.R. Faridkot.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Dated : 26-4-79
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 26th April 1979

Ref. No. AP552/MGA/79-80.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per Schedule situated at Old Kothapura (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Moga on October 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any incomes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

(1) Sh. Haridyal Singh s/o Bahal Singh (2) Smt. Hamir Kaur wd/o Sh. Bahal Singh s/o Kishan Singh, Moga, (Transferor)

(2) Sh. Surinder Kumar Manocha s/o Jagdish Rai Manocha s/o Barkat Ram, H. No. 716, Mohalla Kumika Gowar, Moga. (Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One residential house in Old Kotkapura, near Bus stand, Moga as per sale deed No. 5222 October 1978 registered with the S.R. Moga.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Dated : 26-4-79
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX -

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 26th April 1979

Ref. No. AP553/MGA/79-80.—Whereas, I,
P. N. MALIK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per Schedule situated at Gandhi Road, Moga (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Moga on November 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Kishan Lal s/o Mathura Das s/o Prithi Mal 2. Sh. Lajpat Rai s/o Labhu Ram s/o Prithi Mal r/o Moga Mandi.

(Transferor)

(2) S/Sh. Anrit Lal, Vishav Bandhu & Vijay Kumar ss/o Sh. Mukand Lal s/o Prithi Mal c/o Kulwant Rai Mukand Lal Purani Mandi, Moga.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot measuring 5 kanals on Gandhi Road, Moga as per scale deed No. 5785 of Nov. 1978 registered with the S.R. Moga.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Dated : 26-4-79

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER, OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 26th April 1979

Ref. No. AP554/MGA/79-80.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Gandhi Road, Moga (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Moga on November 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269 D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Kishan Lal s/o Mathura Das s/o Prithi Mal 2. Lajpat Rai s/o Labhu Ram s/o Prithi Mal r/o Moga Mandi.

(Transferor)

(2) S/Sh. Amrit Lal, Vishav Bandhu & Vijay Kumar ss/o Sh. Mukand Lal s/o Prithi Mal c/o Kulwant Rai Mukand Lal, Purani Mandi, Moga.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot measuring 5 kanals on Gandhi Road, Moga as per sale deed No. 5784 Nov., 1978 registered with the S.R. Moga.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhatinda.

Dated : 26-4-79

Seal :

FORM ITNS

(2) Anamika Builders Pvt. Ltd.,
20 Ganesh Ch. Avenue, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD,
CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 22nd February 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

Ref. No. 454/Acq.R-III/78-79/Cal.—Whereas, I, VASKAR SEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 2B situated at
33, Dr. Rajendra Road, Calcutta.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 3-8-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that entire flat No. 2B on the second floor of the building situated at 33, Dr. Rajendra Road, Calcutta.

VASKAR SEN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road (3rd floor),
Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

Date : 22-2-1979

Seal :

FORM ITNS—

(2) Anamika Builders Pvt. Ltd.,
20 Ganesh Ch. Avenue, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III,
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD,
CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 22nd February 1979

Ref. No. 455/Acq.R-III/78-79/Cal—Whereas, I, VASKAR SEN, Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 6B situated at
33, Dr. Rajendra Road, Calcutta,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Calcutta on 12-8-1978
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that entire flat No. 6B on the sixth floor of the building situated at 33, Dr. Rajendra Road, Calcutta.

VASKAR SEN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road (3rd floor),
Calcutta-16.

Date : 22-2-1979
Seal :

FORM ITNS

(2) Anamika Builders Pvt. Ltd.,
20, Ganesh Ch. Avenue, Calcutta.

(Transferor)

(2) Smt. Rina Ghosh Dastidar,
33, Dr. Rajendra Road, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD,
CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 22nd February 1979

Ref. No. 459/Acq.R.III/78-79/Cal.—Whereas, I, VASKAR SEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 5B situated at 33, Dr. Rajendra Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 3-8-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
20—66GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that entire flat No. 5B on the fifth floor of the building situated at 33, Dr. Rajendra Road, Calcutta.

VASKAR SEN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road (3rd floor),
Calcutta-16.

Date : 22-2-1979
Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Mahadananda Das

(Transferor)

(2) Sri Makhan Lal Sen
Sri Prabir Kumar Sen
Sri Sutanu Sen

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV

Calcutta, the 6th February 1979

Ref. No. AC-53/Acq. R-IV/Cal/78-79.—Whereas I,
S. K. DASGUPTA,Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing
No. P-148, situated at Block 'B' Lake Town, Calcutta-55 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 16-8-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of vacant land measuring 4 K. O Ch. 2 sft. situated at P-148, Block 'B', Lake Town Calcutta-55 more particularly as per deed no. 4102 of 1978.

S. K. DASGUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 6-2-1979.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Shri Ganpatrai Patni

(Transferor)

(2) Shri Gyan Chand Patni

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-IV

Calcutta, the 6th April 1979

Ref. No. AC-5/Acq.R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing J. L. No. 18 situated at P. S. Maynaguri, Dist : Jalpaiguri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 1-8-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

All that piece or parcel of land measuring 15.124 bigha and all constructions thereon within settlement Touzi No. 84 J. L. No. 11, P. S. Maynaguri, Pargana-South Maynaguri, as more particularly described in the deed being no. 3819 for the year 1978.

S. K. DASGUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 6-4-1979
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) 1. Shri Durgadas Chatterjee, 2. Dharmadas Chatterjee & 3. Chandidas Chatterjee
(Transferor)

(2) Shri Basdeo Shaw
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 6th April 1979

Ref. No. AC-6/Acq.R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA,
being the Competent Authority under Section 269-B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Dag No. 435 situated at Bhiringhee, Durgapur-13
(and more fully described in the
Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Calcutta on 16-8-1978
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land measuring 5 cottahs only at Nachan Road, Bhiringhee, Durgapur-13, Kh. No. 1235, Dag no. 435, District Burdwan.

S. K. DASGUPTA
Competent Authority,
Acquisition Range-IV
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 6-4-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 6th April 1979

Ref. No. AC-7/Acq.R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing J.L. No. 110 situated at P. S. Siliguri, Dist : Darjeeling (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Siliguri on 9-8-78 & 22-8-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Jhabarmull Pipalwa @ Sharma Gandhar Pipalwa @ Sharma, Kishore Kumar Pipalwa @ Sharma, Ashoke Kumar Pipalwa @ Sharma, Pawan Kumar Pipalwa @ Sharma and Lalit Kumar Pipalwa @ Sharma
(Transferor)

(2) Smt. Puspa Devi Agarwala
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring .070 acre and building thereon situated at Dist : Darjeeling, P. S. & Mouza Siliguri, J. L. No. 110, Kh. No. 2395, Plot no. 8486 as more particularly described in and covered and transferred by the deeds being no. 4726 dated 22-8-78 and 4624 dated 9-8-1978.

S. K. DASGUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 6-4-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I

Madras-6, the 19th January 1979

Ref. No. 39/Aug./78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and 7-6-8 situated at Venkataramasamy Koil Street, Dharmapuri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Dharmapuri (Document No. 1601/78) on 17th Aug. 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) 1. Shri R. Narasinga Rao; 2. Shri R. Subba Rao, Ss./o. late B. Ramachandra Rao; 3. Smt. R. Lakshmi, W/o. late R. Rajamani; 4. Miss R. Devakumar, D/o. Sl. No. 3; 5. Minors N. Venkatesaprasad; 6. N. Jayashree; 7. N. Padmashree, by fr. & gdn. Sl. No. 1; 8. Minors Sathyashree; 9. Sri Vidya; 10. Sri Priya; & 11. Srimathi; by fr. & gdn. Sl. No. 2, All residing at Dharmapuri Town.
- (2) Smt. G. Lakshmi Ammal, W/o. Shri V. Govinda Gounder, 33, Bazaar Street, Dharmapuri. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Land & Buildings situate at No. 7.6.8, Venkataramasamy Koil Street, Dharmapuri Town.

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 19 Jan 1979
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri R. E. Xavier, Nutshell Cottage, Yercaud PO, Salem Distt.
(Transferor)

(2) Minors SP Meenakshi V. Valliammal & L. Valirayaki, 7/26, Ramakrishna Chettiar Road, Nattarasankottai PO, Ramanadhapuram District.
(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Madras-6, the 19th January 1979

Ref. No. 47/Aug/78.—Whereas, I, O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

Coffee Estates, situated at Yercaud Salem District (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO, Yercaud (Document No. 160/78) on 31-8-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

18.42 acres of coffee estates at Yercaud, Salem District.

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I.
Madras-6.

Date : 19 Jan 1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I

Madras, the 20th January 1979

Ref. No. 53/Aug/78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at Doraisamipuram Village, Kakkivadampatti Panchayat
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SRO, Sivakasi (Document No. 2144/78) on 19-8-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(1) Shri K.A.P.A. Balakrishnan, 156, Palaniyandavar-puram Colony, Sivakasi.
(Transferor)

(2) Shri S. S. Sankaralingam, M/s Sriram Match Industries, Sivakasi Palaniyandavar-puram Colony, Sivakasi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1.06 acres of lands and buildings situate therein in S. Nos. 1288/2, 1288/2.B, 1310, 1311, 1312/2 at Doraisamipuram Village, Kakkivadampatti Panchayat.

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20-1-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Miss T. N. Geetha, D/o. Shri T. S. Narasimhan,
Bungalow Street, Salem-1.
(Transferor)

(2) Shri E. M. Gutharathulla,
84, Bazar Street, Salem-1.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I

Madras-600 006, the 24th February 1979

Ref. No. 12/Aug./78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Farm house situated at Vellakadai Village, Yercaud Tk. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at SRO, Yercaud (Document No. 144/78) on 9-8-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

11 acres of coffee estate land with farm house situate at Vellakadai, Yercaud Tk., Salem District.

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I,
Madras-600 006.

Date : 24-2-1979
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
21—66GI/79

FORM ITNS

(1) Shri T. N. Vairamani, W/o. T. S. Narasimhan,
Bungalow Street, Shevapet, Salem-2.

(Transferor)

(2) Shri E. M. Gudhrathulla, S/o Mohammed Ebrahim,
84, Bazaar Street, Salem-1.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I

Madras-600 006, the 24th February 1979

Ref. No. 13/Aug./78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Coffee Estate situated at Vellakadai, Yercaud Tk.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO, Yercaud (Document No. 145/78) on 9-8-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

29.82 acres of coffee estate situate at Vellakadai, Yercaud Tk.

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-600 006.

Date : 24-2-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I

Madras-600 006, the 15th March 1979

Ref. No. 21/Aug./78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/74.2 situated at Main Bazaar Street, Salem Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR I, Salem (Document No. 2766/78) on 14-8-1978 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Rahamathjan, W/o G. Abdul Subhan, 28, Muthuramalingam Thevar St., Gandhi Nagar, East Tambaran, Madras-59.
(Transferor)

(2) 1. Shri K. V. Mommed Koya; 2. Shri K. V. Aboobacker 3. K. V. Ummer Koya, Ss/o Koyatti Hajee; and 4. N. Abdul Kareem, S/o. P. A. Ahmed Koya, All residing at Yercaud Main Road, Gorimedu, Salem-8.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & buildings situate at Main Bazaar Street, Salem Town bearing Door No. 1/74.2 measuring 900.1 s.f.

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-600 006.

Date : 15-3-1979.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Maria Augusta Marceliana, D'Silva John, 5, North Mada Church Street, Madras-13.

(Transferor)

(2) Shri Ali Nasir Rusdi, S/o. Shri Nazcon Rushdi, Old No. 5, North Mada Church Street, Royapuram, Madras-13.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 9th March 1979

Ref. No. 22/Aug./78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Old No. 5 situated at North Mada Church Street, Royapuram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SRO, Royapuram (Document No. 926/78) on 4th Aug. 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Land & Buildings situate at Old No. 5, North Mada Church Street, Royapuram, Madras-13

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-600 006.

Date : 9-3-1979.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri V. S. Ramanathan Chr. & others, 16, Workshop Road, Madurai.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri A. S. A. Somasundaram Chr., 15, Munichalai Road, Madurai-9.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 2nd March 1979

Ref. No. 51/Aug./78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 67 situated at Tamil Sangam Road, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO, Pudumandapam (Document No. 1475/78) on 17-8-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land & buildings situate at No. 67, Tamil Sangam Road, Madurai.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Date : 2-3-1979.

Seal :

FORM ITNS

(1) M. Kanakasabapathy
 M. Dakshinamurthy
 M. Rajagopalan
 S/o Marimuthu gounder,
 32, Pollachi Road, Udumalpet.

(Transferor)

(2) S. Bangarawamy Naidu
 S. Subramaniam,
 82, Darapuram Road, Udumalpet.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
 TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
 OF INCOME TAX
 ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 12th April 1979

Ref. No. 4803.—Whereas, I. O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

T.S. No. 27 situated at Periakottai Village,
 Udumalpet 5.85 Acres

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Udumalpet (Doc. No. 2374/78) on August 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural lands in T.S. No. 27, at Periakottai Village, Udumalpet 5.85 Acres in extent.
 (Doc. No. 2374/78)

O. ANANDARAM,
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 20-4-1979
 Seal :

FORM ITNS

(1) A. Mohammed Imam Sahib,
151, Greames Road,
Madras-6.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) V. N. A. S. Chandran,
No. 4/8, Damu Nagar,
Coimbatore-18.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 12th April 1979

Ref. No. 6557.—Whereas, I, O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 152, situated at Greames Road, Madras-6 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been, transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar, (Doc. No. 919/78) on August 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House and Ground No. 152, Greames Road, Madras-6.
(Doc. No. 919/78)

O. ANANDARAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date : 20-4-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Mohanasundaram, Balasubramaniam and
Arumugham,
Vannanthurai, Road,
Pollachi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Savithiri,
60B. LIG Colony,
Mahalingapuram, Pollachi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 12th April 1979

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Ref No 4857.—Whereas, I O ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 37 (part) situated at Goods Shed Road, Pollachi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pollachi (Doc No 1768/78) on August 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Land and building at No. 37 (part) Goods Shed Road, (Doc No. 1768/78).

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20-4-1979

Seal :

FORM JTNS

(1) Mohanasundaram, Balasubramanian, and
Arumugham,
Vannanthurai Road, Pollachi.

(Transferor)

(2) R.Rajagopal
60B, LIG Colony, Mahalingapuram,
Pollachi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 12th April 1979

Ref. No. 4857.—Whereas, I. O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 37 (part) situated at Goods Shed Road, Pollachi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pollachi (Doc. No. 1769/89) on August 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 37 (part), Goods Shed Road Pollachi.

(Doc. No. 1769/78)

O. ANANDARAM.
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
22—66GI/79

Date : 12-4-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) 1. F. Rosemary, 2. F. James Anthony,
 3. F. Maria Biran Chijohn 4. F. Daily Mariya
 5. F. John Jihya Mary
 Somanur, Ichchipatty Village,
 Kombakadu (P.O.)

(Transferor)

(2) N. Rajan,
 S/o. C. R. Narayanaswamy Naidu,
 52, Kumaran Road, Thiruppur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600 006, the 12th April 1979

Ref. No. 4806.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 163, situated at Kumaran St., Thiruppur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thiruppur (Doc. No. 1958/78) on August 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at No. 163, Kumaran St., Thiruppur (Doc. No. 4806/78)

O. ANANDARAM,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date : 20-4-1979
 Seal :

FORM ITNS

(1) Susila Ramachandran
D/o A. T. Krishnaswamy Mudaliar,
3, Crescent Road, Bangalore-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Kirubachandran
S/o D. Isaiah,
10, Huzur Road, Coimbatore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600 006, the 12th April 1979

Ref. No. 4797.—Whereas, I, O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 11 (TS. No. 596) part, situated at A.T.T. Colony, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. No. 2528/78) on August 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 11, A.T.T. Colony, Coimbatore. (Doc. No. 2528/78).

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Ass't. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date : 12-4-1979
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600 006, the 12th April 1979

Ref. No 4786.—Whereas, I, O ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000 and bearing S. No. 37/1A, situated at O'Valley Village, Gudalur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gudalur (Doc. No 645 78) on August 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(1) 1. A. J. Gonsalves, 2. Mrs. E. Saldanha
3. Mrs. M. Mascarenhas
C/o Gonsalves & Gonsalves,
Ootacamund.

(Transferor)

(2) Panchura Estates Ltd.,
Club Road, Coonoor-I.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

Land and building with Machinery, goodwill etc. at S. No. 37/1A, of O'Valley Village, Gudalur.

(Doc. No. 645/78)

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date : 12-4-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 12th April 1979

Ref. No. 4785.—Whereas, I O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 28/13A, situated at Periaswamy Road, R. S. Puram, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. No. 2350/78) on August 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) C. A. Razack, S. Hajaramma, S. Zubaida, S. Nabiyunnisa, S. Sobiya, 28/13A, Periaswamy Road, Coimbatore.

(Transferor)

(2) N. K. Abdul Wahab, 16/11, Mill Road, Coimbatore.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 28/13A, Periaswamy Road, R. S. Puram, Coimbatore.

(Doc. No. 2350/78).

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Date : 12-4-1979
Seal :

FORM ITNS—

(1) Jagarthi Kalingarayan
W/o Shri R. Mohanraj Kalingarayan
85, S.R.P. Nagar, Coimbatore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) R. K. Nanda,
S/o H. L. Nanda,
85, S.R.P. Nagar,
Coimbatore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-JI, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 12th April 1979

Ref. No. 4849.—Whereas, I O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 15/85, at situated at S.R.P. Nagar, Saibaba Mission (P.O.), Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhipuram, Coimbatore (Doc. No. 1972/78) on August 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at Door No. 15/85, S.R.P. Nagar, Saibaba Mission (P.O.) Coimbatore.

(Doc. No. 1972/78).

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-4-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) S. Prema, No 2, Zackria Colony,
IVth St., Kodambakkam, Madras.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S. Venugopal, 135, P V Koil St.,
Madras-13.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 20th April 1979

Ref No 6578—Whereas, I O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No 2, (part), situated at Zackria Colony IV St. Kodambakkam, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodambakkam (Doc No 2594/78) on August 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land and building at No 2 (part) Zackria Colony, IVth Street, Kodambakkam, Madras.

(Doc No 2594/78)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

O ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras 600 006

Date . 20-4-1979

Seal .

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras 600 006 the 20th April 1979

Ref No 6578—Whereas, I O ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No 2, (part), situated at Zackria Colony IVth St, Kodambakkam Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodambakkam (Doc No 2595/78) on August 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Padma Loachani
No 2, Zackria Colony, IVth St,
Kodambakkam, Madras

(Transferor)

(2) S Venugopal,
No 135, P V Koil St, Madras

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land and building No 2 (part) Zackria Colony, IVth St, Kodambakkam, Madras

(Doc No 2595/78)

O ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-II,
Madras 600 006

Date . 20-4-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) V. Kasturi Bai, No. 2, Zackria Colony,
IVth St., Kodambakkam, Madras

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-JJ, MADRAS-600 006

Madras 600 006, the 20th April 1979

Ref No. 2596—Whereas, I, O ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2, (part), situated at Zackria Colony, IVth St, Kodambakkam, Madras (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodambakkam (Doc. No. 2596/78) on August 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) S. Venugopal, 135, P. V. Koil St., Madras-13.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land and building at No. 2 (part), Zackria Colony, IVth St, Kodambakkam, Madras.

(Doc No. 2596/78).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-JJ
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
23—66GI/79

Date : 20-4-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) G. Kuppuswamy
2, Ramanada St., Velipalayam
Nagapattinam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) P. Shanmugham,
86, Bazaar St., Pudupet, Panruti S.A. Dt.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 20th April 1979

Rcf. No. 6559.—Whereas, I, O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 23,000/- and bearing

No. 28, situated at New Boag Road, Kannammapet, Madras-17

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. No. 931.78) on August 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at No. 28, New Boag Road, Kannammapet, T. Nagar, Madras-17.

(Doc. No. 931/78).

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date : 20-4-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006.

Madras-600 006, the 20th April 1979

Ref. No. 6595 —Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 32, II Main Road, situated at Kasturba Nagar, Kottur, Madras-20 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Saidapet (Doc. No. 1763/78) on August 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Y. G. Parthasarathy,
Mrs. Rajalakshmi Parthasarathy
No. 1, Lakshmi Colony,
North Crescent Road, Madras-17

(Transferor)

(2) R. Soundararaja Moopanar,
29, Arulananda Nagar,
Thanjavur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used here in as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

House and ground No. 32, II Main Road Kasturba Nagar
Kottur, Madras-20.

(Doc. No. 1763/78).

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date : 17-4-79
Seal :

FORM ITNS

(1) Dr. T. R. Kamalakar Rao,
23, Sullivans Garden Road,
Madras-4

(Transferor)

(2) M. Venkatesam Chetty
23/2, Sullivans Garden St.,
Madras-4.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600006, the 17th April 1979

Ref. No. 6511 Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 23 situated at Sullivans Garden Road, Madras 4, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore (Doc No. 1111/78) on August 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land and building at No. 23, Sullivans Garden St., Madras-4.

(Doc. No. 1111/78)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date : 17-4-79
Seal : —

FORM ITNS

(1) Indian Missionary Society Tirunelveli rec by its General Secretary Rv Jason S. Dharmaraj.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras 600006, the 17th April 1979

Ref No 6504 - Whereas, I O ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No 4 Bishop Waller's Avenue, situated at (West) Mylapore, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North (Doc No 2975/78) on August 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land and building at No. 4, Bishop Waller's Avenue, Mylapore Madras

(Doc No 2975/78)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely

Date 17-4-79
Seal .

FORM ITNS

(1) The Empire Vermicelli Co.,
52, Choolai High Road,
Madras-7

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) P. M. S. Aziz and A. Ahmed Jalal,
99, G A Road, Madras-21

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600006, the 12th April 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 8306.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 273/1, situated at MTH Road, Tirumalaiyur, Chinglepet Dt.,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Poonamallee (Doc. No. 1804/78) on Aug 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land & building at 273 MTH Road Tirumalaiyur Chinglepet Dt.

Doc No 1804/78).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date 12-4-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) S Govindarajapillai
Veerakkankizhkudi Village
Nannilam

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600 006, the 12th April 1979

Ref No 8304 Whereas I O ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25 000/- and bearing No situated at Pillayar North St, Nannilam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nannilam (Doc No 1379 78 on August 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the **Official Gazette** or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the **Official Gazette**.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely—

THE SCHEDULE

Land and building at Pillayar North St, Nannilam (Doc No 1379/78)

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Asslt Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date 12-4-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras 600 006, the 27th April 1979

Ref. No. 6062 August 78.—Whereas, I, O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 37 Vijayanaghavachari Road situated at T. Nagar, Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer T. Nagar (Doc No 934/78) on 24-8-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.—

979 (VAISAKHA 29, 1901)

(1) Mrs. Saro Yachamani alias Saraswathi
N 305 B Fairall St., Ajax
Ontario Canada (Canada)

(Transferor)

(2) Larsen & Toubro Employees Cooperative
House Building Society Ltd.,
Club House Road Madras-2

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land & building bearing Door No. 37 Vijayanaghavachari Road, T. Nagar, Madras 17

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras 600006

Date: 27-4-1979
Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

FORM ITNS—

(1) Simco Meters Ltd.,
Meter Factory Road,
Tiruchirapalli-20.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600 006, the 27th April 1979

Ref. No. 6603/August/78.—Whereas, I, O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Karapakkam Village, Saidapet Taluk situated at S. Nos. 128/1; 128/2; 128/3; 128/5; 129; 130; 131; 132; 133/1; 133/2; 133/3; 134/A; and 136/B

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at JSR I Saidapet (Doc. No. 1109/78) on 17-8-1978 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
24—66 GI/79

(2) Durametallic (India) Ltd.
Dhun Building
175/1 Mount Road, Madras-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

12.62 acres bearing Survey Nos. 128/1, 128/2, 128/3, 128/6; 129; 130; 131; 132; 133/1; 133/2; 133/3; 134/A and 136/B situated at Karapakkam village, Saidapet Taluk, Chingleput District.

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date : 27-4-79
Seal :

FORM ITNS

(1) M. K. Parthasarathy Naidu,
No. 26, Maychali Ranganatha Mudali St.,
Madras-17.

(Transferor)

(2) K. Ranganathan,
S/o Kolakkara Gounder
No. 53, Mela St., Thirukovilur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600 006, the 24th April 1979

Ref. No. 6512.—Whereas, I. O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 53, situated at Raja St., Thirukovilur (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras (North) (Doc. No. 3092/78) on August 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House and Ground No. 58, Raja St., Thirukovilur (Doc. No. 3092/78).

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras,600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 24-4-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) P. Saraswathi Ammal,
60/22, Edward Elliot's Road,
Madras-600004.

(Transferor)

(2) Mrs. Rajam Krishnan
8A, T.P. Scheme Road, Madras-28.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006.

Madras-600 006, the 24th April 1979

Ref. No. 6528.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 60/21 situated at Edward Elliot's Road, Madras-4, and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Mylapore (Doc. No. 1149/78) on August 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The term and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House and Ground No. 60/21, Edward Elliot's Road, Madras-4.

(Doc. No. 1149/78)

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 24-4-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-JI, MADRAS-600006.

Madras-600 006, the 24th April 1979

Ref. No. 8317.—Whereas, J. O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No 12 situated at Lalbahadur Shastri Road, Pondicherry (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Pondicherry (Doc. No. 1918/78) on August 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shanthi Francis
No. 34, Jawaharlal Nehru St.,
Pondicherry.

(Transferor)

(2) Bisha Balaraman,
90, Thillai Maistry St.,
Pondicherry.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House and Ground No. 12, Lalbahadur Shastri Road, Pondicherry.

(Doc. No. 1918/78)

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-JI, Madras-600006

Date : 24-4-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600 006, the 24th April 1979

Ref. No. 8327.—Whereas, I, O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 24, II Main Road situated at Ramalinganagar, Puthur, Trichy (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Trichy (Doc. No. 2346/78) on August, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) R. Pandian
S/o Rathnasabapathy Pillai
25th St., Ramalingam Nagar,
Gnanam Colony, Puthur.
A. Nagappan
S/o Annamalai Chettiar
D.5 3rd St., Puthur.

(2) S. Sridharan,
S/o S. Subramanian,
B.23 N.E. Thillainagar, Trichy.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House and Ground Plot No. 24, II Main Road, Ramalinganagar Puthur, Trichy.

(Doc. No. 2346/78)

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date : 24-4-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
19—56GJ/79

FORM ITNS—

(1) B Sambunathan, 2 N S Neelakantan
Gowripuram, South St, Karur

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II MADRAS-600 006

Madras 600 006, the 24th April 1979

Ref No 8322—Whereas, I, O ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No 2 situated at Narasimhapuram B Plot 2nd Row (Ward No 1) Karur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Karur (Doc No 2865/78) on August 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House and Ground No 2, Narasimhapuram B Plot 2nd Row, (Ward No 1) Karur
(Doc No 2865/78)

O ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date 24-4-1979
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 25th April 1979

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/526.—Whereas, I,

HARI SHANKER,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 2 situated at Sikar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sikar on 11-8-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) 1. Shrimati Durga Devi
w/o Late Shri Jai Dayal Alias
Shri Jaidevji
s/o Shri Bansidharji
2. Shri Kanahivalal adopted
s/o Shri C. Chandi Pd. Caste-Mahajan,
Agarwal Podar
r/o Fatehpur Distt. Sikar.

(Transferor)

(2) 1. S/Shri Gulam Khuani & Usuf
s/o Shri Yakub
2. Shri Abdul Rahman
s/o Shri Mahnuddin
3. Shri Abdul Razad
s/o Shri Abdul Rahman Gauri,
Caste-Musalman Vyopari
r/o Fatehpur Distt. Sikar (Raj).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Portion of land bearing plot No. 2 out of a Nohra situated in Ward No. 12 and much more fully described in the sale deed registered by the S.R. Fatehpur vide registration No. 273 dt. 11-8-78.

HARI SHANKER,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

Date : 25-4-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 25th April 1979

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/527.—Whereas, I, HARI SHANKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 4 situated at Sikar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sikar on 11-8-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Shrimati Durga Devi
w/o Late Shri Jai Dayal Alias
Shri Jaidevi
s/o Shri Bansidharji
2. Shri Kanahiyalal adopted
s/o Shri C. Chandi Pd. Caste-Mahajan,
Agarwal Podar
r/o Fatehpur Distt. Sikar. (Transferor)

(2) 1. S/Shri Gulam Khuani & Usuf
s/o Shri Yakub
2. Shri Abdul Rahman
s/o Shri Mahnuddin
3. Shri Abdul Razzaq
s/o Shri Abdul Rahman Gauri,
Caste-Musalman Vyopati
r/o Fatehpur Distt. Sikar (Raj). (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of land bearing plot No. 4 out of a Nohra situated in Ward No. 12 and much more fully described in the sale deed registered by the S.R. Fatehpur vide registration No. 276, dt. 11-8-78.

HARI SHANKER,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 25-4-1979
Seal :

FORM IINS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 25th April 1979

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/528.—Whereas, I, HARI SHANKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 4 situated at Sikar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sikar on 11-8-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

(1) 1. Shrimati Durga Devi
w/o Late Shri Jai Dayal Alias
Shri Jaidevji
s/o Shri Bansidharji
2. Shri Kanahiyalal adopted
s/o Shri C. Chandi Pd. Caste-Mahajan,
Agarwal Podar
r/o Fatehpur Distt. Sikar.

(Transferor)

(2) 1. S/Shri Gulam Khuani & Usuf
ss/o Shri Yakub
2. Shri Abdul Rahman
s/o Shri Mahnuddin
3. Shri Abdul Razaq
s/o Shri Abdul Rahman Gauri,
Caste-Musalman Vyoparl
r/o Fatehpur Distt. Sikar (Raj).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of land bearing plot No. 3 out of a Nohra situated in Ward No. 12 and much more fully described in the sale registered by the S.R. Fatehpur vide registration No. 275, dt. 11-8-78.

HARI SHANKER,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 25-4-1979
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 25th April 1979

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/529.—Whereas, I, HARI SHANKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 5 situated at Sikar (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sikar on 11-8-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) 1. Shrimati Durga Devi
 w/o Late Shri Jai Dayal Alias
 Shri Jaidevji
 s/o Shri Bansidharji
 2. Shri Kanahiyalal adopted
 s/o Shri C. Chandi Pd. Caste-Mahajan,
 Agarwal Podar
 r/o Fatehpur Distt. Sikar.
 (Transferor)

(2) 1. S/Shri Gulam Khuani & Usuf
 ss/o Shri Yakub
 2. Shri Abdul Rahman
 s/o Shri Mahnuddin
 3. Shri Abdul Razaq
 s/o Shri Abdul Rahman Gauri,
 Caste-Musalman, Vyopari
 r/o Fatehpur Distt. Sikar (Raj).
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Portion of land bearing plot No. 1 out of a Nohra situated in Ward No. 12 and much more fully described in the sale deed registered by the S.R. Fatehpur vide registration No. 274 dt. 11-8-78.

HARI SHANKER,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Jaipur.

Date : 25-4-1979

Seal :

FORM ITNS

(1) Shrimati Bhagwanti Devi
w/o Shri Dhanraj Nagauri,
Caste—Jain Oswal
R/o Sirohi, Distt. Sirohi (Raj).

(Transferor)

(2) 1. Shri Milapchand
s/o Shri Jawarchand
2. S/Shri Jyantilal & 3. Shlesh Kumar
ss/o Shri Milapchand
caste—Jain Oswal
R/o Sirohi (H.U.F.).

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 25th April 1979

Re. No. Raj/IAC(Acq)/541.—Whereas, I,
HARI SHANKER,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Portion of plot situated at Sirohi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Sirohi on 26-2-1979
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said im-
movable property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of
the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Portion of plot of land (Nohra) measuring 4778 sq. ft.
situated at Babita Bas Sirohi and much more fully described
in the sale deed registered by S.R. Sirohi vide registration No.
75 dt. 26-2-79.

HARI SHANKER,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 25 4 1979
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohatak, the 13th February 1979

Ref. No. KNL/15/78-79.—Where I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 12 measuring 749 4/5 Sq. Yards, situated at Sessions House Marg, Karnal (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in October, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri S. D. Narang s/o
Shri Bhagwan Dass Narang
Resident of Shakti Colony, Karnal.

(Transferor)

(2) S/Shri Anil Kumar Gupta and
Ashwani Kumar Gupta ss/o
Shri Vidya Sagar
Resident of House No. 9,
Nai Mandi, Karnal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being plot No. 2 measuring 749 4/5 Sq. Yds. situated on Sessions House Marg, Karnal and as mentioned in the sale deed registered at No. 4106 of October, 1978 with the Sub-Registrar Karnal.

RAVINDAR KUMAR PATHANIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commission of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 13-2-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 26th March 1979

Ref. No. BGR/16/78-79.—Whereas I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 52, Block D, NH-3 situated at NIT Faridabad, (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ballabgarh in August, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(1) Sh. Tej Bahadur Lal s/o Late Sh. Ishwar Dass r/o H. No. 2/26, Kalkaji Extension, New Delhi through Attorney Sh. Mohan Lal Mohindra s/o Sh. Devi Dass, r/o H. No. 2/26, Kalkaji Extension, New Delhi.

(Transferor)

(2) S/Shri Suresh Chandra Gupta, Chander Bhushan Gupta Sudhir Chander Gupta Harish Chander Gupta All ss/o Sh. Sant Lal Gupta r/o 3-D-42, NIT, Faridabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 52, Block D NH-3, NIT, Faridabad measuring 600 sq. yards and as mentioned in the sale deed registered with the sub-Registrar, Ballabgarh at No. 3273 dated 16-8-78.

RAVINDAR KUMAR PATHANIA

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 26-3-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICL UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 2nd April 1979

Ref. No. KTL/5/78-79—Whereas I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income tax, Acquisition Range, Rohtak being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing land measuring 313 kanal 15 marla situated at Patti Kayasthan, Kaithal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kaithal in November, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) (1) Sh. Ishwar Chand
(2) Sh. Biru Mohan Lal
(3) Sh. Krishan Gopal,
All sons of Sh. Babu Ram
residents of Patti Kayasthan (Kaithal).
(Transfeor)

(2) M/s The Kaithal Building Service Company
through Shri Om Parkash &/o Shri Dhanpat Raj
1/o Kaithal
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION. The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XYA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property being land measuring 313 K 15 Marla (Jambandi 1975-76, Khewat 185/280 Kita No 52) situated at Patti Kayasthan (Kaithal) and as mentioned in the sale deed registered with the Sub Registrar, Kaithal at No 1793 dated 2-11-1978.

RAVINDER KUMAR PATHANIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date 2-4 1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BIHAR, BORING CANAL ROAD,
PATNA

Dated, the 25th April 1979

Ref. No. III-318/Acq/79-80.—Whereas, I, J. NATH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Tauzi No. 438, Thana No. 4, Ward No. 10, Sheet No 61, Municipal plot No. 583, Circle No. 28, old holding No. 324, New holding No. 339 situated at R. K. Avenue Road (Nala Road), Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patna on 14-8-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Smt. Vijaya Mukherjee, W/o Sri Narendra Nath Mukherjee of R. K. Avenue (Nala Road), Patna-4, P.S. Kadamkuan

(Transferor)

(2) Smt. Basanti Sahu, W/o Sri Ramnaran Sahu, resident of village Ginjo Thakur (P.O.), Dist. Ranchi.

(Transferee)

(3) (i) Patliputra Hardware
(ii) Wood Centre
(iii) Dhanwantri Laboratories & Shyam Ayurved Bhawan
(iv) A to Z Saloon &
(v) Girdhari Lal

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The property consists of land measuring 1365 sft. together with partly constructed pucca shops standing thereon. It is situated on the main R. K. Avenue Road (Nala Road), Patna. More fully described in deed No. 5322 dated 14-8-78 of Patna D.S.R.

J. NATH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 25-4-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—